www.hindmatamirror.com ●वर्ष: 12 ●अंक: 213 ●ठाणे, बुधवार 29 अप्रैल, 2026 ●पेज: 8 ●मूल्य: 2 रुपए hindmatamirror1@gmail.com

RNI. NO. MAHHIN/2011/43060

दैनिक

हिंदमाता मिरर

पैनी नजर, पुख्ता खबर

दो फिल्मों में नजर आएंगी प्रीति जिंटा

पेज 8

विराट कोहली ने आईपीएल में पूरे किए 9000 रन

8 पेज

सुप्रभात

यदि दूसरों को आपके धन की गरज न हो, तो आपका धन बेकार है। घमंड से आदमी फूल सकता है, फैल नहीं सकता। - रस्किन

मौसम का मिजाज

सूर्यास्त (29 अप्रैल) 7:00 बजे, सूर्योदय (30 अप्रैल) 6:12 बजे, **तापमानः 31 डिग्री से. (धूप खिली रहेगी।)**

शॉर्ट स्टोरी

किताब को लेकर विवाद अनावश्यक : फडणवीस

हिंदमाता नेटवर्क @ सोलापुर

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने छत्रपति शिवाजी महाराज पर आधारित पुस्तक के प्रकाशक के खिलाफ शिवसेना विधायक संजय गायकवाड़ की कथित टिप्पणियों से उपजे विवाद को मंगलवार को अनावश्यक करार दिया। सोलापुर में संवाददाताओं से बातचीत में फडणवीस ने कहा, यह किताब 1980 के दशक में प्रकाशित हुई थी। क्या विवाद खड़ा करने वालों ने इसे पढ़ा है? महान योद्धा का कद इतना ऊंचा है कि कोई उनका अपमान नहीं कर सकता। जो कुछ भी हो रहा है, वह असामाजिक और असंवेदनशील है। केवल खबरों में बने रहने के लिए मुद्दों को सनसनीखेज बनाने के प्रयासों के खिलाफ उन्होंने चेतावनी दी।

अंबानी ग्रुप की 3034 करोड़ की संपत्ति जब्त

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रिलायंस कम्युनिकेशंस (आरकॉम) बैंक फ्रॉड मामले में 3,034.90 करोड़ रुपए की अतिरिक्त संपत्तियां जब्त (अटैच) की हैं। इससे रिलायंस अनिल अंबानी समूह (आरएएजी) से जुड़े मामलों में कुल जब्ती 19,344 करोड़ रुपए से ज्यादा हो गई है। यह जानकारी मंगलवार को जारी जांच एजेंसी के एक बयान में दी गई है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर बनी एसआईटी मामले की जांच कर रही है। इसमें बैंक और सार्वजनिक धन के गलत इस्तेमाल और मनी लॉन्ड्रिंग की जांच की जा रही है। बयान में ईडी ने बताया कि पीएमएलए की धारा 5 के तहत यह कार्रवाई की गई है।

मंत्रालय में की टंकी में बिल्ली मरने का दावा गलत

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

महाराष्ट्र लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने मंगलवार को स्पष्ट किया कि राज्य सचिवालय (मंत्रालय) में पेयजल टैंक में एक बिल्ली के गिरकर मरने की खबर पूरी तरह से झूठी है। विभाग ने कहा कि सोशल मीडिया मंचों और मंत्रालय के कर्मचारियों के व्हाट्सएप ग्रुप में एक संदेश प्रसारित हो रहा था कि एक बिल्ली पानी की टंकी में गिर गई और उसकी मौत हो गई। इसमें कहा गया, पिछले कुछ दिनों में मुख्य और विस्तारित भवनों की छतों पर स्थित सभी पानी की टंकियों का निरीक्षण किया गया। 10 से 12 फुट ऊंची इन टंकियों पर लोहे के भारी ढक्कन लगे हुए हैं और हर समय बंद रहती हैं,जिससे किसी भी जानवर का प्रवेश असंभव है।

हत्या की आरोपी सोनम रघुवंशी को मिली जमानत

हिंदमाता नेटवर्क @ शिलांग

इंदौर के बहुचर्चित राजा रघुवंशी हत्याकांड में मुख्य आरोपी सोनम रघुवंशी को शिलांग की अदालत से जमानत मिल गई है। राजा रघुवंशी हत्याकांड ने पूरे देश में सनसनी फैला दी थी। इस मामले में सोनम रघुवंशी सहित कुल आठ लोगों को शिलांग पुलिस ने गिरफ्तार किया था। हालांकि, इससे पहले इस प्रकरण में तीन अन्य आरोपियों को भी जमानत मिल चुकी है। अब सोनम को राहत मिलने के बाद मामले ने फिर से नया मोड़ ले लिया है। कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि जमानत मिलने का अर्थ आरोपों से मुक्ति नहीं है, बल्कि यह केवल सुनवाई के दौरान अस्थायी राहत है।

15 मई से 10% पानी कटौती

बीएमसी का बड़ा फैसला, मुंबई में सिर्फ 28% पानी बचा

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) द्वारा इस वर्ष अल नीनो मौसम चक्र के कारण मानसून के सामान्य से कम रहने के पूर्वानुमान के बीच बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) ने 15 मई से पूरे शहर में 10 प्रतिशत पानी की कटौती किए जाने की मंगलवार को घोषणा की। बीएमसी आयुक्त अश्विनी भिडे ने मानसून पूर्व समीक्षा बैठक के बाद पत्रकारों से कहा कि शहर को पानी की आपूर्ति करने वाली सात झीलों में कुल जल भंडार 28.35 प्रतिशत है, जो भंडार छह जुलाई तक के लिए उपयुक्त है।

अल-नीनो का असर

उन्होंने कहा कि नगर निकाय ने इस वर्ष बारिश को लेकर अनिश्चितता के मद्देनजर 15 मई से 10 प्रतिशत पानी की कटौती लागू करने का फैसला किया है, क्योंकि पूर्वानुमानों की माने तो अल नीनो मौसम चक्र के कारण सामान्य से कम मानसून का संकेत मिल रहा है।

रिजर्व पानी मिला तो अगस्त तक राहत

भिडे ने कहा कि नगर निकाय भाटसा बांध से 12.3 करोड़ घन मीटर और ऊपरी वैतरणा जलाशय से नौ करोड़ घन मीटर पानी का भंडार करने की योजना बना रहा है। उन्होंने कहा कि अगर राज्य सरकार आरक्षित भंडार से पानी निकालने की अनुमति देती है और प्रस्तावित 10 प्रतिशत पानी की कटौती लागू की जाती है, तो उपलब्ध भंडार 17 अगस्त तक चल सकता है।

अधिक गर्मी के कारण वाष्पीकरण की दर तेज

मनपा के एक अधिकारी ने बताया कि आमतौर पर जून के अंत तक झीलों में पानी भरना शुरू हो जाता है और अगस्त तक वे पूरी क्षमता तक पहुंच जाती हैं। इसलिए यह सुनिश्चित करने के लिए पानी की कटौती की योजना बनाई जा रही है कि वर्तमान भंडार अगस्त के अंत तक टिक सके। अधिक गर्मी के कारण वाष्पीकरण की दर भी तेज होगी। अधिकारी ने यह भी चेतावनी दी कि यदि जुलाई-अगस्त के बीच पर्याप्त बारिश नहीं हुई, तो मुंबई में गंभीर जल संकट पैदा हो सकता है।

मीरा रोड में चाकूबाजी : आरोपी के घर से किताबें और आपत्तिजनक सामग्री बरामद

लोन वुल्फ अटैक की आशंका

● **आईएसआईएस लिंक की जांच में एटीएस, सीएम बोले-एनआईए भी करेगी जांच**

हिंदमाता नेटवर्क @ मीरा रोड

मीरा रोड में हुई चाकूबाजी की घटना अब सिर्फ एक आपराधिक मामला नहीं रह गई है, बल्कि इसमें कट्टरपंथ और संभावित आतंकी कनेक्शन की आशंका ने पूरे मामले को बेहद गंभीर बना दिया है। दो सिक्योरिटी गाड्र्स पर जानलेवा हमला, कलमा पढ़ने को लेकर विवाद और आरोपी के घर से संदिग्ध नोट्स की बरामदगी। इन सबके बाद अब इस केस की जांच महाराष्ट्र एटीएस कर रही है। घटना मीरा रोड ईस्ट, नया नगर इलाके की है। जहां वॉकहार्ट अस्पताल के पीछे एक निमार्णाधीन इमारत में तैनात दो सिक्योरिटी गाड्र्स पर एक युवक ने ताबड़तोड़ चाकू से हमला कर दिया। घायल गाड्र्स-राजकुमार मिश्रा और सुब्रतो सेन-को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां दोनों की हालत फिलहाल स्थिर बताई जा रही है।

आरोपी को चार मई तक एटीएस की हिरासत में भेजा

पुलिस के मुताबिक, आरोपी पहले मौके पर पहुंचा और मस्जिद का रास्ता पूछकर वहां से चला गया। कुछ देर बाद वह फिर लौटा। इस बार उसने गार्ड से उसका धर्म पूछा और फिर कथित तौर पर कलमा पढ़ने को कहा जैसे ही गार्ड ने ऐसा करने से इनकार किया आरोपी ने अचानक चाकू से हमला कर दिया। इसके बाद वह सिक्योरिटी केबिन में घुसा जहां मौजूद दूसरे गार्ड पर भी इसी तरह हमला किया गया। घटना के तुरंत बाद पुलिस हरकत में आई और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से आरोपी की पहचान कर ली गई। महज डेढ़ घंटे के भीतर 31 वर्षीय आरोपी जुबैर अंसारी को गिरफ्तार कर लिया गया। उसे अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे 4 मई तक के लिए पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है।

कई सवाल खड़े करती है यह वारदात

मीरा रोड की यह घटना सिर्फ एक क्राइम नहीं बल्कि एक गंभीर संकेत है कि कैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए कट्टरपंथ समाज में प्रवेश कर रहा है। अब पूरा मामला एटीएस के हाथ में है और आने वाले दिनों में इस केस में और बड़े खुलासे हो सकते हैं। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि-अफवाहों पर ध्यान न दें और सोशल मीडिया पर भ्रामक या भड़काऊ जानकारी साझा न करें। उल्लंघन करने वालों पर सख्त कानूनी कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है। मीरा रोड की यह वारदात कई सवाल खड़े करती है-क्या यह एक लोन वुल्फ अटैक है? या फिर किसी बड़े नेटवर्क की झलक? और सबसे अहम- क्या डिजिटल दुनिया में फैलता कट्टरपंथ अब हमारी सुरक्षा के लिए नया खतरा बन चुका है? इन सवालों के जवाब अब एटीएस की जांच से ही सामने आएंगे।

सेल्फ रेडिक्लाइजेशन का मामलाः मुख्यमंत्री फडणवीस

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि आरोपी का किसी प्रकार का जिहाद करना या कि किसी अन्य धर्म के व्यक्ति को मारना....यह सेल्फ रेडिक्लाइजेशन का मामला लगता है। मुख्यमंत्री फडणवीस ने सोलापुर में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि आरोपी ऑनलाइन सामग्री और किताबों से कथित तौर पर प्रभावित होकर चरमपंथी मानसिकता अपना बैठा। यह स्वयं ही कट्टरपंथी बनने का मामला प्रतीत होता है। ऐसा लगता है कि व्यक्ति कुछ खास सामग्री से प्रभावित हुआ और उसने जिहाद जैसी अवधारणाओं और दूसरे धर्मों के लोगों की हत्या करने की सोच विकसित कर ली। एटीएस और एनआईए जैसी एजेंसियों की मदद से हम इस बात की जांच करेंगे कि इस कट्टरपंथ के पीछे कौन है और क्या इसमें अन्य लोग भी शामिल हैं।

हिंदुओं में दहशत फैलाने के उद्देश्य से हमलाः किरीट सोमैया

इसी दौरान बीजेपी नेता किरीट सोमैया और विधायक नरेंद्र मेहता ने अस्पताल में जाकर घायल सुरक्षा गार्डों के तबियत का जायजा लिया। सोमैया ने बताया कि हमले में घायल राजकुमार मिश्रा की तबीयत में सुधार हो रहा है, लेकिन वह अभी भी बेहोशी की हालत में है। हिंदुओं में दहशत निर्माण करने के उद्देश्य से यह हमला किया गया है। पिछले कुछ वर्षों से महाराष्ट्र में जिहादी और आतंकी मानसिकता में वृद्धि हुई है। इन्हें बाहर से टेरर फंडिंग की जा रही है।

यह मामला गंभीर लग रहा हैः नरेंद्र मेहता

विधायक मेहता ने कहा कि मीरा -भाईंदर में इससे पूर्व भी कई आपराधिक घटनाएं घटित हुई हैं, लेकिन पहली बार किसी घटना की जांच में एटीएस शामिल हुई है। इससे यह मामला गंभीर लग रहा है। इसके तार कहीं और जुड़े हो सकते हैं।

आरोपी के घर से इस्लामिक स्टेट के उल्लेख वाली पर्ची मिली

मामले ने उस वक्त बड़ा मोड़ ले लिया जब पुलिस ने आरोपी के घर की तलाशी ली। तलाशी के दौरान कुछ ऐसे नोट्स और दस्तावेज मिले जिनमें कथित तौर पर प्रतिबंधित आतंकी संगठन आईएसआईएस से जुड़ी विचारधारा के संकेत पाए गए। कुछ नोट्स में 'लोन वुल्फ', 'जिहाद' और 'गाजा' जैसे शब्द लिखे मिले साथ ही अंग्रेजी में धमकी भरे वाक्य भी पाए गए। आरोपी जुबैर अंसारी कोई साधारण अपराधी नहीं बल्कि एक साइंस ग्रेजुएट है।

एटीएस खंगाल रही है नेटवर्क

जांच एजेंसियों को शक है कि आरोपी सोशल मीडिया, वीडियो प्लेटफॉर्म और मैसेजिंग ऐप्स के जरिए ऐसे कंटेंट के संपर्क में आया जो कट्टरपंथी विचारधारा को बढ़ावा देता है। अब एटीएस आरोपी के-मोबाइल डेटा, इंटरनेट हिस्ट्री, सोशल मीडिया अकाउंट्स और कॉल रिकॉड्र्स सभी की गहराई से जांच कर रही है। मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच एटीएस को सौंप दी गई है। एटीएस अब यह पता लगाने की कोशिश कर रही है- क्या आरोपी ने यह हमला अकेले किया या फिर इसके पीछे कोई बड़ा नेटवर्क है। साथ ही यह भी जांच हो रही है कि हमला पहले से प्लान किया गया था या अचानक हुई घटना का नतीजा था।

आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिएः मुजफ्फर हुसैन

कांग्रेस के वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष मुजफ्फर हुसैन ने घटना की निंदा करते हुए कहा कि अपराधियों का कोई धर्म नहीं होता। पकड़े गए आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। साथ ही उन्होंने शहर में शांति व भाईचारा बनाए रखने की अपील की है।

देश को 2 नई अमृत भारत ट्रेनों की सौगात

पीएम मोदी ने दिखाई हरी झंडी

हिंदमाता नेटवर्क @ वाराणसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी से उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र के बीच रेल कनेक्टिविटी को बढ़ावा देते हुए दो नई अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। इनमें वाराणसी से पुणे (हडपसर) और अयोध्या से मुंबई (लोकमान्य तिलक टर्मिनस) के बीच ट्रेन शामिल हैं। रेल मंत्रालय के अनुसार, यह कदम धार्मिक पर्यटन और आर्थिक गतिशीलता दोनों के लिए महत्वपूर्ण है। वाराणसी और अयोध्या प्रमुख आध्यात्मिक केंद्र हैं जहां हर साल लाखों श्रद्धालु आते हैं। मुंबई और पुणे जैसे महानगरों से बेहतर कनेक्टिविटी से पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और आजीविका को सहारा मिलेगा। मंत्रालय ने कहा, बनारस-हडपसर सेवा से काशी विश्वनाथ धाम तक पहुंच आसान होगी, जबकि अयोध्या-मुंबई सेवा से श्री राम मंदिर तक कनेक्टिविटी बेहतर होगी। इन ट्रेनों से दैनिक यात्रियों, प्रवासी श्रमिकों और तीर्थयात्रियों को लाभ होगा। उन्हें सीधी कनेक्टिविटी मिलेगी और ट्रेन बदलने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

बनारस-हडपसर अमृत भारत एक्सप्रेस :

पहली यात्रा बनारस से शाम को शुरू होगी और अगले दिन देर रात हडपसर पहुंचेगी। करीब 30 घंटे की यात्रा में यह ट्रेन 18 स्टेशनों पर रुकेगी। इनमें ज्ञानपुर रोड, प्रयागराज, फतेहपुर, गोविंदपुरी, उरई, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी, बीना, रानी कमलापति, नर्मदापुरम, इटारसी, हरदा, खंडवा, भुसावल, जलगांव, मनमाड, कोपरगांव, अहिल्यानगर और दौंड शामिल हैं।

अयोध्या-मुंबई अमृत भारत एक्सप्रेस :

पहली यात्रा शाम को अयोध्या कैंट से शुरू होकर अगले दिन देर शाम मुंबई एलटीटी पहुंचेगी। लगभग 28 घंटे की यात्रा में यह 12 स्टेशनों पर रुकेगी। इनमें अयोध्या कैंट, सुल्तानपुर, मां बेल्हा देवी प्रतापगढ़, प्रयागराज जंक्शन, मानिकपुर, सतना, जबलपुर, इटारसी, भुसावल, जलगांव, नासिक रोड, कल्याण और ठाणे शामिल हैं।

जल्द शुरू होगा नियमित संचालन

अधिकारियों ने बताया कि पहली यात्रा के बाद जल्द ही दोनों ट्रेन का नियमित संचालन शुरू होगा। अमृत भारत ट्रेन को आम आदमी के लिए डिजाइन किया गया है। ये ट्रेन आराम और सुविधाजनक होने के साथ किफायती भी हैं। इनका किराया नियमित मेल/एक्सप्रेस ट्रेन से लगभग 15 से 17 प्रतिशत अधिक है।

तुर्किए से भारत लाया गया दाऊद का गुर्गा सलीम डोला

दिल्ली में हो रही पूछताछ

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

भारतीय सुरक्षा एजेंसियों को एक बड़ी सफलता मिली है। कुख्यात ड्रग तस्कर और भगोड़े आतंकी दाऊद इब्राहिम के करीबी सलीम डोला को बीते दिनों तुर्किये के इस्तांबुल में गिरफ्तार कर लिया गया। इसके बाद अब उसे भारत को प्रत्यर्पित कर दिया गया है। यह कार्रवाई अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चलाए गए संयुक्त ऑपरेशन के बाद हुई है। मंगलवार तड़के एक विशेष विमान से उसे दिल्ली एयरपोर्ट लाया गया, जहां भारतीय खुफिया एजेंसियों ने उसे हिरासत में लिया। अब उससे दिल्ली में पूछताछ की जा रही है और आगे की जांच के लिए उसे मुंबई स्थित नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो को सौंपा जाएगा।

● **अमित शाह ने थपथपाई एनसीबी की पीठ**

5000 करोड़ का ड्रग नेटवर्क

सलीम डोला को हाल ही में तुर्किये के इस्तांबुल में गिरफ्तार किया गया था। उसके खिलाफ इंटरपोल का रेड कॉर्नर नोटिस जारी था, जो भारत की एजेंसियों के अनुरोध पर केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने जारी करवाया था। जांच एजेंसियों के मुताबिक, डोला एक बड़े अंतरराष्ट्रीय ड्रग नेटवर्क का हिस्सा था, जिसका कारोबार लगभग 5000 करोड़ रुपए तक फैला हुआ था। यह नेटवर्क नशे के पदार्थों की तस्करी और अवैध कारोबार से जुड़ा हुआ था।

शाह बोले- एनसीबी की बड़ी कामयाबी

गृह मंत्री अमित शाह ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा है कि नशे के कारोबार और ड्रग तस्करी के खिलाफ सरकार की कार्रवाई लगातार तेज हो रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार में ड्रग माफिया और कार्टेल को पूरी तरह खत्म करने का मिशन चल रहा है। इसके लिए भारत की एजेंसियां अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी मजबूत नेटवर्क के साथ काम कर रही हैं। अब ड्रग तस्करों के लिए कोई भी जगह सुरक्षित नहीं है, चाहे वे दुनिया के किसी भी कोने में छिप जाएं, कानून से बचना मुश्किल होगा।

गैरमराठी रिक्शा चालकों को थोड़ी सी मोहलत

सरकार ने मराठी सीखने की डेडलाइन 15 अगस्त तक बढ़ाई

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री प्रताप सरनायक ने राज्य में ऑटो रिक्शा चालकों के लिए मराठी भाषा अनिवार्यता के मुद्दे पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि 1 मई से परिवहन विभाग अपना अभियान जारी रखेगा और रिक्शा चालकों का वेरिफिकेशन लगातार किया जाएगा। इस दौरान जिनके दस्तावेज या लाइसेंस में किसी तरह की अनियमितता पाई जाएगी, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। सरकार ने स्पष्ट किया है कि मराठी भाषा को लेकर फिलहाल राहत दी गई है। चालकों को मराठी सिखाने के लिए 1 मई से 15 अगस्त तक का समय दिया गया है। इस अवधि में आरटीओ और अन्य संस्थाओं के माध्यम से उन्हें मराठी सिखाई जाएगी।

राऊत बोले, इसमें समस्या क्या है?

शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राऊत ने महाराष्ट्र में ऑटो-रिक्शा और टैक्सी चालकों के लिए मराठी को अनिवार्य बनाने के फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि अन्य राज्यों में भी इसी तरह की भाषा संबंधी आवश्यकताएं हैं। राऊत ने कहा कि पश्चिम बंगाल में बंगाली अनिवार्य है, गुजरात में गुजराती, कर्नाटक में कन्नड़, पंजाब में पंजाब तो जब हम महाराष्ट्र के लिए भी यही चाहते हैं, तो इसमें क्या समस्या है? इसके साथ ही उन्होंने कहा कि वोट बैंक के लिए मराठी का अपमान करना। यह काम नहीं करेगा। यह उनके अपने भले के लिए है। स्थानीय लोगों की भाषा जानने से ड्राइवरों को ही फायदा होगा।

जरा सी गड़बड़ी पर तुरंत होगी कार्रवाई

सरकार ने 15 अगस्त तक की मोहलत दी है। इसके बाद आगे समय बढ़ाया जाएगा या नहीं, इस पर निर्णय लिया जाएगा। हालांकि 1 मई से वेरिफिकेशन अभियान जारी रहेगा और मराठी के अलावा अन्य किसी भी गड़बड़ी पर तुरंत कार्रवाई की जाएगी

अभियान की निगरानी कैसे और कौन करेगा?

यह विशेष जांच अभियान महाराष्ट्र के सभी 59 क्षेत्रीय परिवहन कार्यालयों में एक साथ चलाया जाएगा। अतिरिक्त परिवहन आयुक्त रवींद्र गायकवाड़ की अध्यक्षता वाली एक विशेष समिति इस अभियान की पूरी निगरानी करेगी। यह समिति दैनिक और साप्ताहिक आधार पर चेकिंग अभियान की रिपोर्ट लेगी और अधिकारियों के संपर्क में रहेगी। निरीक्षण से जो भी रिपोर्ट सामने आएगी, उसके आधार पर समिति सभी अधिकारियों को जरूरी निर्देश जारी करेगी।

रोहित ने विमान हादसे को तांत्रिक साजिश से जोड़ा

कहा- स्वयंभू बाबा अशोक खरात का संबंध अजित पवार विमान हादसे से लगता है, सीआईडी करे जांच

हिंदमाता नेटवर्क @ पुणे

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद पवार) के विधायक रोहित पवार ने मंगलवार को आरोप लगाया कि नाशिक स्थित स्वयंभू बाबा अशोक खरात उनके चाचा एवं महाराष्ट्र के तत्कालीन उपमुख्यमंत्री अजित पवार से जुड़े घातक विमान हादसे से प्रथम दृष्टया संबंधित है। उन्होंने मांग की कि अपराध जांच विभाग (सीआईडी) खरात से पूछताछ करे। विमान दुर्घटना की जांच की स्थिति का जायजा लेने के लिए पुणे में सीआईडी कार्यालय का दौरा करने के बाद पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने आरोप लगाया कि बारामती में एक छोटे नेता के माध्यम से दिवंगत अजित पवार के घर के बाहर कुछ तांत्रिक अनुष्ठान किए गए थे।

अजित पवार के घर मिली थी लटकती बकरी?

रोहित पवार ने आरोप लगाया कि अजित दादा के घर के पास एक बकरी लटकी हुई मिली थी। खरात ने एक किसान से कहा था कि पवार परिवार पर निकट भविष्य में हमला हो सकता है। बारामती का एक छोटा नेता अनुष्ठानों के लिए खरात के यहां जाया करता था और अजित दादा के करीबी नेताओं के संपर्क में था। उन्होंने पूछा, 27 और 28 जनवरी को खरात के खाते में लेन-देन में अचानक इतनी बढ़ोतरी क्यों हुई?

हिंदमाता एंकरः न्याय मित्र वरिष्ठ वकील सिद्धार्थ दवे को 6 मई को एक अहम बैठक बुलाने का निर्देश, बैठक में केंद्र सरकार, सभी बड़े अधिकारी शामिल होंगे

थानों में सीसीटीवी फंड के इस्तेमाल पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, केंद्र और राज्यों से मांगा हिसाब

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

क्या आपको पता है कि देश भर के पुलिस थानों में सीसीटीवी कैमरे लगाने के लिए मिले पैसों का राज्यों ने क्या किया? इस गंभीर सवाल पर अब देश की सबसे बड़ी अदालत यानी सुप्रीम कोर्ट ने सख्ती दिखाई है। कोर्ट यह जानना चाहता है कि राज्यों को सीसीटीवी कैमरे लगाने के लिए जो भारी-भरकम फंड दिया गया था, उसका उपयोग सही जगह पर हुआ है या नहीं। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए न्याय मित्र (एमिकस क्यूरी) वरिष्ठ वकील सिद्धार्थ दवे को 6 मई को एक अहम बैठक बुलाने का निर्देश दिया है। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने कहा कि इस बैठक में केंद्र सरकार, सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के बड़े अधिकारी शामिल होंगे। अदालत का मुख्य मकसद यह जानना है कि थानों में कैमरों की कमी क्यों है और जो पैसे आवंटित किए गए थे, उनका क्या हुआ। अदालत ने इस मामले की अगली सुनवाई 13 मई को तय की है।

सीसीटीवी फंड को लेकर क्या है केंद्र और राज्यों की हिस्सेदारी?

मामले की सुनवाई के दौरान एमिकस क्यूरी सिद्धार्थ दवे ने कोर्ट को फंड के बंटवारे की जानकारी दी। केंद्र शासित प्रदेशों (यूटी) में थानों के अंदर सीसीटीवी लगाने का 100 प्रतिशत खर्च केंद्र सरकार उठाती है। पहाड़ी राज्यों में सीसीटीवी लगाने के लिए 90 प्रतिशत पैसा केंद्र सरकार देती है, जबकि 10 प्रतिशत खर्च राज्य उठाते हैं। इसके अलावा, बाकी अन्य राज्यों में 60 प्रतिशत खर्च केंद्र सरकार और 40 प्रतिशत खर्च राज्य सरकारें खुद उठाती हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने अधिकारियों को क्या कड़े निर्देश दिए हैं?

सुप्रीम कोर्ट ने साफ कहा है कि 6 मई को होने वाली बैठक में केंद्र सरकार के गृह सचिव या उनके द्वारा नामित अधिकारी मौजूद रहें। यह नामित अधिकारी संयुक्त सचिव या अतिरिक्त सचिव रैंक से नीचे का बिल्कुल नहीं होना चाहिए। सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के गृह सचिवों को भी इस महत्वपूर्ण बैठक में अनिवार्य रूप से हिस्सा लेना होगा। बेंच ने सुझाव दिया है कि इस बैठक के जरिए राज्यों से सिर्फ फंड के इस्तेमाल पर जवाब मांगा जाए और इसकी पूरी रिपोर्ट 13 मई को कोर्ट में पेश की जाए।

मामला कैसे पहुंचा अदालत?

मीडिया में थानों में खराब सीसीटीवी की खबरें आने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने खुद (स्वतः संज्ञान लेकर) इस मामले पर कार्रवाई शुरू की थी। बीते 7 अप्रैल को केंद्र सरकार ने अदालत को भरोसा दिया था कि सीसीटीवी लगाने से जुड़े सभी मुद्दे दो हफ्ते में सुलझा लिए जाएंगे। अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी ने बेंच को बताया था कि वह इस मामले को खुद देख रहे हैं और इस पर तेजी से काम चल रहा है। इससे पहले 26 फरवरी को अदालत ने एक केंद्रीकृत डैशबोर्ड बनाने के लिए रूपरेखा तैयार करने का निर्देश दिया था।

नाम बदलना, बुर्का ट्रेनिंग और मलेशिया लिंक

टीसीएस नाशिक केस में निदा खान को लेकर चौंकाने वाला खुलासा

हिंदमाता नेटवर्क @ नाशिक

टीसीएस नाशिक यूनिट में कथित जबरन धर्मांतरण और यौन शोषण के मामले में मुख्य आरोपी निदा खान के खिलाफ कोर्ट में नया और चौंकाने वाला सबूत पेश किया गया है। अभियोजन पक्ष ने विशेष अदालत को बताया कि निदा खान ने शिकायतकर्ता युवती को बुर्का-हिजाब पहनाने की ट्रेनिंग दी, नमाज-रोजा सिखाया और उसका नाम बदलकर 'हानिया' रख दिया। इसके अलावा, मामले में मलेशिया कनेक्शन भी सामने आया है। दरअसल, 27 अप्रैल को नाशिक कोर्ट में निदा खान की अग्रिम जमानत याचिका पर दोनों पक्षों के बीच जोरदार बहस हुई। सरकारी वकीलों ने एसआईटी की जांच में जुटाए गए अहम सबूत पेश किए, जिनमें खुलासा हुआ कि निदा खान ने युवती को दूसरे धर्म के रीति-रिवाज सिखाकर उसके धर्मांतरण का जाल बिछाया था। मामले की जांच अब नाशिक तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके तार मालेगांव और मलेशिया तक पहुंच गए हैं।

बंद कमरे में हुई सुनवाई

विशेष लोक अभियोजक अजय मिश्र ने बंद कमरे में हुई सुनवाई के दौरान कोर्ट को बताया कि जांच एजेंसियों ने महत्वपूर्ण सुराग हासिल किए हैं। उन्होंने कहा कि आगे की जांच के लिए निदा खान की हिरासत में पूछताछ जरूरी है। देवलाली पुलिस स्टेशन में दर्ज शिकायत में युवती ने निदा खान पर धार्मिक भावनाएं आहत करने, सहकर्मी दानिश शेख पर शादी का झांसा देकर यौन शोषण और तौसीफ अत्तार पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है। शिकायतकर्ता ने यह भी बताया कि निदा खान ने उसे मलेशिया में नौकरी दिलाने का लालच दिया और धर्मांतरण के लिए लगातार दबाव बनाया। ना मानने पर परिवार को विपत्ति पहुंचाने की धमकी भी दी गई।

अदालत ने फैसला सुरक्षित रखा

अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश केजी जोशी की अदालत ने सुनवाई के बाद निदा खान की अग्रिम जमानत याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया है। फैसला दो मई तक आने की संभावना है। सुनवाई के बाद अजय मिश्र ने कहा कि हमने कोर्ट से अग्रिम जमानत न देने की मांग की है क्योंकि धन के स्रोत और विदेशी संबंधों की जांच के लिए निदा खान की हिरासत में पूछताछ जरूरी है। पूछताछ के बाद इस मामले में और खुलासे हो सकते हैं।

एसआईटी जांच के प्रमुख खुलासे

एसआईटी की जांच के अनुसार, निदा खान ने शिकायतकर्ता को घर पर नमाज पढ़ने और हिजाब पहनने की ट्रेनिंग दी थी। उसके मोबाइल में इस्लामी ऐप्स इंस्टॉल किए गए और धार्मिक सामग्री साझा की गई। शिकायतकर्ता अनुसूचित जाति समुदाय से होने के कारण पुलिस ने मामले में एससी/एसटी (अत्याचार निवारण) अधिनियम की धाराएं भी जोड़ दी हैं।

कुल 8 आरोपी, अब तक 7 गिरफ्तार

टीसीएस नाशिक शाखा के आठ वरिष्ठ कर्मचारियों पर यौन शोषण और धार्मिक दबाव डालने के आरोप लगे हैं। इनमें से निदा खान को छोड़कर सात आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। निदा खान फरार है और जांत एजेंसियां उसे पकड़ने के लिए लगातार छापेमारी कर रही है।

रिश्तेदार से दुष्कर्म के आरोप में आरोपी बरी

आरोप साबित न होने पर अदालत का निर्णय

• ठाणे अदालत ने साक्ष्यों के अभाव और गवाहों के मुकरने पर दिया फैसला

हिंदमाता संवाददाता @ ठाणे

ठाणे जिले की एक अदालत ने एक व्यक्ति को अपनी रिश्तेदार के साथ कथित तौर पर जबरन यौन संबंध बनाने और उसे गर्भवती करने के मामले में यह कहते हुए बरी कर दिया कि अभियोजन पक्ष आरोपों को साबित करने में विफल रहा। इस मामले में प्रमुख गवाह मुकर गए

थे। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश प्रेमल एस विठलानी ने कालवा निवासी 34 वर्षीय आरोपी को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 68(ए) (अधिकार/विश्वासपूर्ण रिश्ते में व्यक्ति द्वारा यौन संबंध बनाना), 88 (महिला की सहमति के बिना गर्भपात कराना) और अन्य संबंधित प्रावधानों के तहत लगाए गए आरोपों से बरी कर दिया।

मामले की पृष्ठभूमि और अदालत की टिप्पणी

यह आदेश 18 अप्रैल को दिया गया, जिसकी एक प्रति सोमवार को उपलब्ध कराई गई। अभियोजन पक्ष के अनुसार, पीड़िता अपनी बड़ी बहन के प्रसव के बाद उसकी मदद करने के लिए 2021 में आरोपी के घर आई। इस दौरान आरोपी ने उसके साथ जबरदस्ती यौन संबंध बनाए और बाद में उसका गर्भपात करवा दिया। न्यायाधीश ने संज्ञान लिया कि बीएनएस की धारा 68(ए) के तहत अपराध स्थापित करने के लिए, अभियोजन पक्ष को यह साबित करना होगा कि आरोपी ने एक विश्वासपूर्ण संबंध बनाए थे, उसने पीड़िता को प्रेरित करने या बहकाने के लिए ऐसे संबंध का दुरुपयोग किया और इस ओर भी ध्यान दिया कि पीड़िता ने गवाही दी थी कि उनका संबंध सहमति से था।

गवाहों के बयान और अंतिम निष्कर्ष

अदालत ने बताया कि पीड़िता के भाई ने कथित उत्पीड़न या गर्भावस्था के बारे में किसी भी तरह की जानकारी होने से इनकार किया है। अदालत ने यह पाया कि अभियोजन पक्ष यह साबित करने में विफल रहा कि आरोपी ने पीड़िता को बहकाया या फुसलाया था या कोई आपराधिक धमकी दी थी। अदालत ने इस आधार पर आरोपी को सभी आरोपों से बरी कर दिया।

टीएमसी के उपायुक्त उमेश बिरारी निलंबित

राजस्व गड़बड़ी मामले में बड़ा एक्शन

हिंदमाता संवाददाता @ ठाणे

ठाणे महानगरपालिका में तैनात उपायुक्त उमेश बिरारी को राज्य सरकार ने गंभीर आरोपों के चलते निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई जमीन राजस्व से जुड़े मामलों में कथित अनियमितताओं के सामने आने के बाद की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, उमेश बिरारी पर उस समय गड़बड़ी के आरोप लगे हैं जब वे मुंबई के बोरिवली क्षेत्र में उपविभागीय अधिकारी के पद पर कार्यरत थे। आरोप है कि उन्होंने जमीन से जुड़े कई मामलों में नियमों की अनदेखी करते हुए निर्णय लिए।

सरकार को आर्थिक नुकसान का आरोप

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि उन्होंने भूमि के लेन-देन में गलत वैल्यूएशन किया, जिससे राज्य सरकार को संभावित आर्थिक नुकसान हुआ। इसके अलावा, वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशों की अनदेखी करने के भी आरोप लगाए गए हैं, जिससे प्रशासनिक प्रक्रिया पर सवाल खड़े हुए हैं।

नियमों के तहत निलंबन का आदेश

आरोपों की गंभीरता को देखते हुए महाराष्ट्र नागरी सेवा नियमों के तहत यह निलंबन आदेश जारी किया गया है। सरकार का कहना है कि निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने के लिए यह कदम उठाना आवश्यक था।

जांच जारी, आगे हो सकते हैं बड़े खुलासे

फिलहाल इस मामले में विस्तृत जांच जारी है। संबंधित विभाग यह पता लगाने में जुटा है कि किन-किन मामलों में अनियमितताएं हुईं और इससे कितना आर्थिक नुकसान हुआ। आने वाले समय में इस प्रकरण में और बड़े खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है।

ई-चालान निपटा ने का मौका

लोक अदालत में लंबित ट्रैफिक चालान को समझौते से निपटा ने का अवसर

हिंदमाता संवाददाता @ उल्हासनगर

वाहन मालिकों के लिए लंबित ई-चालान दंड को समझौते के आधार पर त्वरित निपटा ने का सुनहरा अवसर उपलब्ध कराया गया है। विठ्ठलवाड़ी ट्रैफिक उपविभाग ने नागरिकों से अपील की है कि वे इस अवसर का लाभ उठाएं। 9 मई 2026 को उल्हासनगर कोर्ट में महाराष्ट्र राज्य विधी सेवा प्राधिकरण की ओर से आयोजित लोक अदालत में लंबित चालान मामलों का निपटारा किया जाएगा।

आवेदन और प्रक्रिया की जानकारी

अधिकारियों के अनुसार, जिन वाहन मालिकों पर ट्रैफिक नियम उल्लंघन से जुड़े ई-चालान लंबित हैं, वे अपने मामलों को कम दंड के साथ निपटाने के लिए विठ्ठलवाड़ी ट्रैफिक उपविभाग, उल्हासनगर-4 कार्यालय में उपस्थित होकर आवेदन कर सकते हैं। इसके लिए मामलों को दर्ज कर दंड का भुगतान करना आवश्यक होगा।

निर्धारित समय में करें आवेदन

इस संबंध में मामले 15 अप्रैल 2026 से 5 मई 2026 तक प्रतिदिन सुबह 10 बजे से शाम 7 बजे तक स्वीकार किए जाएंगे। ट्रैफिक विभाग ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे समय रहते अपने लंबित चालान का निपटारा कर इस विशेष लोक अदालत का लाभ उठाएं।

सहेली के परिवार ने पीटा, फिर मदद के बहाने स्नैपचैट फ्रेंड ने भी किया रेप

रुला देगी अनाथ लड़की से हुई दरिंदगी की कहानी

हिंदमाता संवाददाता @ ठाणे

डोंबिवली की एक निजी संस्था में काम करने वाली अनाथ युवती के जीवन में उस वक्त दुखों का पहाड़ टूट पड़ा, जब उसकी सहेली के परिवार ने ही उस पर हमला बोल दिया। बताया जा रहा है कि किसी झूठे आरोप को लेकर सहेली के पिता और अन्य परिजनों ने युवती की बेरहमी से पिटाई की। गंभीर रूप से घायल और डरी हुई युवती पुलिस में शिकायत दर्ज कराना चाहती थी, लेकिन उसके पास साथ चलने वाला कोई सगा-संबंधी नहीं था। मदद के लिए युवती ने सोशल मीडिया ऐप स्नैपचैट का सहारा लिया। उसने कुछ ही दिन पहले संपर्क में आए एक युवक, क्रिश भोईर को अपनी आपबीती सुनाई और पुलिस स्टेशन चलने में मदद मांगी। क्रिश उसे मानपाड़ा पुलिस स्टेशन ले जाने के बहाने अपनी गाड़ी पर बैठाकर ले गया। लेकिन स्टेशन पहुंचने के बजाय वह उसे एक सुनसान इलाके में ले गया, जहां उसने युवती की बेबसी का फायदा उठाते हुए उसके साथ दुष्कर्म किया।

मोबाइल और पैसे भी लूटे

दरिंदगी यहीं खत्म नहीं हुई। आरोपी ने पीड़िता के पास मौजूद पैसे लूट लिए और उसका मोबाइल भी छीन लिया। पकड़े जाने के डर से उसने मोबाइल से सिम कार्ड निकालकर फेंक दिया और पीड़िता को असहाय छोड़कर फरार हो गया।

शिवसेना के हस्तक्षेप के बाद कार्रवाई

: किसी तरह हिम्मत जुटाकर पीड़िता शिवसेना (शिंदे गुट) के केंद्रीय कार्यालय पहुंची। मामले की गंभीरता को देखते हुए विधायक राजेश मोरे के निर्देश पर शिवसेना महिला आघाड़ी की कार्यकर्ता तुरंत पीड़िता के साथ पुलिस स्टेशन पहुंचीं। पुलिस अधिकारी संपत फडोल और उनकी टीम ने फुर्ती दिखाते हुए तकनीकी जांच शुरू की और महज एक घंटे के भीतर आरोपी क्रिश भोईर को दबोच लिया। पुलिस को संदेह है कि आरोपी पहले भी ऐसी वारदातों को अंजाम दे चुका है।

अप्रैल माह में करोड़ों का मिलावटी खाद्य पदार्थ जब्त

फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन की सख्त कार्रवाई

सैकड़ों पर केस दर्ज

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

फूड सेफ़्टी एंड स्टैंडर्ड्स एक्ट, 2006 लोगों के हित और लोगों की सेहत के लिए बहुत जरूरी कानून है, और इसका मुख्य मकसद आम लोगों को हेल्दी, बिना मिलावट वाला और सुरक्षित खाना देना है। महाराष्ट्र के खाद्य सुरक्षा आयुक्त ने 16 जुलाई 2025 के अपने आदेश के जरिए, सार्वजनिक स्वास्थ्य के हित में, पूरे महाराष्ट्र राज्य में 16 जुलाई 2025 से, स्वादयुक्त, सुगंधित या किसी मिलावट के साथ मिश्रित तम्बाकू और सुपारी के निर्माण, भंडारण, वितरण, परिवहन (महाराष्ट्र राज्य के अंदर और बाहर) या बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया है और इसे इस तरह से बेचा या वितरित किया जाता है कि उपभोक्ता को आसानी से उपलब्ध हो। और स्वादयुक्त/सुगंधित तम्बाकू और सुपारी से निर्मित चबाने वाला तम्बाकू और स्वादयुक्त/सुगंधित सुपारी, गुटखा, पान मसाला, खर्रा, मावा और इसी तरह के पदार्थों पर, चाहे उन्हें एकल उत्पाद के रूप में पैक किया गया हो या नहीं या अलग उत्पाद के रूप में बेचा गया हो या नहीं, प्रतिबंध लगा दिया है।

अप्रैल में व्यापक छापेमारी और कार्रवाई

फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन, महाराष्ट्र स्टेट ऑफिस को मिली कॉन्फिडेंशियल जानकारी के आधार पर, फूड सेफ्टी ऑफिसर ने 01 अप्रैल से 19 अप्रैल तक बैन खाने की चीजों पर कार्रवाई की। इस कार्रवाई के तहत, कुल 143 खाने की दुकानों पर इंस्पेक्शन किया गया और कुल 1,74,24,922/- रुपए की बैन खाने की चीजों का स्टॉक जब्त किया गया। इन सभी कार्रवाइयों में, संबंधित पुलिस स्टेशनों में कुल 130 एफआईआर दर्ज की गई हैं और 145 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। ये कार्रवाई एडमिनिस्ट्रेशन के सभी डिपार्टमेंट में की गई हैं।

जनभागीदारी और जागरूकता की अपील

यह कैंपेन मंत्री नरहरि जिरवाल, सचिव धीरज कुमार और कमिश्नर श्रीधर दुबे-पाटिल के मार्गदर्शन और निर्देशों के तहत चलाया गया। क्योंकि किसी भी कानून को अच्छे से लागू करने के लिए जनता की सक्रिय भागीदारी जरूरी है, इसलिए अगर कोई भी प्रतिबंधित खाने की चीज बनाई, स्टोर, बांटी, ट्रांसपोर्ट या बेची जा रही है, तो इसकी पूरी जानकारी प्रशासन के टोल-फ्री नंबर 1800-222-365 पर दी जानी चाहिए। प्रतिबंधित खाने की चीजों के इंसानी शरीर पर बहुत ज्यादा नुकसानदायक असर/साइड इफेक्ट को देखते हुए, बृहन्मुंबई के जॉइंट कमिश्नर (फूड) महेश चौधरी ने जनता से ऐसी खाने की चीजें न खाने और ऐसी खाने की चीजों को खाने की लत से दूर रहने की अपील की है।

खडवली हत्याकांड सुलझा

मामूली विवाद में दोस्त की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

हिंदमाता संवाददाता @ कल्याण-टिटवाला

खडवली में बीते सप्ताह हुए हत्याकांड की गुत्थी कल्याण तालुका पुलिस ने सुलझा ली है। मामूली विवाद में दोस्त की हत्या करने के आरोप में योगेश एकनाथ राणे (40), निवासी परेल, मुंबई को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार आरोपी ने अपने दोस्त राजू प्रभुलकर की पत्थर से मारकर हत्या की थी। जांच में सामने आया कि 20 अप्रैल को योगेश राणे और राजू प्रभुलकर खडवली नदी में नहाने गए थे। कपड़े धोने से पहले योगेश ने अपने पैसे राजू के पास रखे थे, लेकिन बाद में राजू पैसे लौटाए बिना वहां से जाने लगा। इसी बात को लेकर दोनों के बीच झगड़ा हुआ, जो हिंसक हो गया और योगेश ने पत्थर से हमला कर राजू की हत्या कर दी। पुलिस के पास शुरूआत में आरोपी के बारे में कोई ठोस सुराग नहीं था, लेकिन गहन जांच के बाद उसे मुंबई से गिरफ्तार कर लिया गया। कल्याण तालुका पुलिस के निरीक्षक मुकेश ढगे ने बताया कि आरोपी को अदालत में पेश किया गया, जहां उसे 2 मई तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है।

मनपा स्कूलों में लैब का अभाव, बिना प्रयोग के पढ़ रहे छात्र

हिंदमाता संवाददाता @ ठाणे

मीरा भायंदर मनपा द्वारा संचालित विद्यालयों की शिक्षा व्यवस्था एक बार फिर सवालों के घेरे में है। छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के दावों के बीच यह गंभीर मुद्दा सामने आया है कि अधिकांश स्कूलों में सामान्य विज्ञान विषय के लिए आवश्यक प्रयोगशालाएं और उपकरण उपलब्ध ही नहीं हैं। विद्यार्थियों को प्रयोगशाला के बिना ही विज्ञान की शिक्षा दी जा रही है। मीरा-भायंदर मनपा द्वारा मराठी, हिंदी, गुजराती, उर्दू, अंग्रेजी माध्यम के 36 स्कूल संचालित किए जा रहे हैं। जिसमें करीब 9 हजार से अधिक गरीब और निम्न मध्यमवर्गीय छात्र पढ़ते हैं। इन छात्रों के सर्वांगीण विकास की जिम्मेदारी मनपा पर होती है। मनपा शिक्षा के लिए बड़ी धनराशि खर्च करती है और नागरिकों से शिक्षा कर भी वसूलती है। इसके बावजूद, कक्षा 1 से 10वीं तक पढ़ने वाले छात्रों को व्यावहारिक शिक्षा से वंचित रहना पड़ रहा है। खासकर कक्षा 5वीं से 10वीं तक के छात्रों के लिए सामान्य विज्ञान एक महत्वपूर्ण विषय है, जिसमें प्रयोग और प्रदर्शन के माध्यम से सीखना अनिवार्य माना जाता है।

शॉर्ट स्टोरी

मुंबई-राजस्थान रूट पर रेल संकट, नई ट्रेन की मांग तेज

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

मुंबई और राजस्थान के बीच रेल यात्रा यात्रियों के लिए बड़ी परेशानी बन गई है। ट्रेनों में भारी भीड़, लंबी वेटिंग लिस्ट और टिकट न मिलने से रोजाना हजारों यात्री जूझ रहे हैं। छुट्टियों और शादी-ब्याह के सीजन में हालात और बिगड़ गए हैं। इसी मुद्दे पर राजस्थान मीटर गेज प्रवासी संघ के प्रतिनिधिमंडल ने पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक रामाश्रय पांडे से मुलाकात कर तत्काल समाधान की मांग की। संघ ने कहा कि हर ट्रेन में वेटिंग 300 पार जा रही है, इसलिए नई ट्रेन शुरू होने तक अतिरिक्त कोच लगाए जाएं। संघ के सचिव निरंजन परिहार ने चार सांसदों—राजेंद्र गहलोत, नीरज डांगी, पीपी चौधरी और लुंबाराम चौधरी से रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से इस मुद्दे पर हस्तक्षेप करने का आग्रह किया है। वहीं, अध्यक्ष विमल रांका ने बताया कि जोधपुर एयरपोर्ट बंद होने और हवाई किराए बढ़ने से पूरा दबाव रेल सेवाओं पर आ गया है। प्रतिनिधिमंडल में सिद्धराज लोढ़ा, सज्जन रांका, विनोद लोढ़ा और नरेंद्र मांडोत भी शामिल थे। उन्होंने बताया कि मुंबई से जोधपुर, जयपुर और उदयपुर जाने वाली ट्रेनों में 'नो रूम' की स्थिति है और महीनों पहले भी कन्फर्म टिकट मिलना मुश्किल है। महाप्रबंधक रामाश्रय पांडे ने यात्रियों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए अतिरिक्त कोच लगाने और नई ट्रेन के प्रस्ताव पर विचार का आश्वासन दिया है। यात्रियों को अब उम्मीद है कि जल्द ही राहत मिलेगी।

कचरा प्रकल्प से मिलेगी राहत

हिंदमाता संवाददाता @ उल्हासनगर

शहर के कैंप-5 स्थित कचरा डंपिंग स्थल से पैदा हो रही स्वास्थ्य समस्याओं और नागरिकों के बढ़ते आक्रोश के बीच बदलापुर के वालिवली में विकसित की जा रही एकात्मिक घनकचरा प्रकल्प परियोजना से राहत मिलने की उम्मीद है। इसी को लेकर महापौर अश्विनी निकम, विधायक कुमार आयलानी, उप महापौर अमर लुंड और नगरसेवकों ने मंगलवार को परियोजना स्थल का निरीक्षण किया। 23 एकड़ भूमि पर करीब 148 करोड़ रुपए की लागत से तैयार हो रही यह परियोजना अंतिम चरण में है। यहां बदलापुर, अंबरनाथ और उल्हासनगर से प्रतिदिन 600 मीट्रिक टन से अधिक कचरे का प्रसंस्करण किया जाएगा। गीले कचरे से खाद और सूखे कचरे से ईंधन बनाया जाएगा, जबकि प्लास्टिक, कांच और निर्माण कचरे के पुनर्चक्रण की आधुनिक व्यवस्था भी की गई है। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने बताया कि परियोजना का 90 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है और मई के अंत तक मशीनरी लगाने का काम शुरू होगा। एमएमआरडीए के सहयोग से बन रही यह परियोजना प्रदूषण और दुर्गंध को नियंत्रित करने में अहम भूमिका निभाएगी। दौरे में स्थायी समिति अध्यक्ष कलवंत सिंह सोहता, विपक्ष नेता अंजली साल्वे समेत कई जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। अधिकारियों के अनुसार, परियोजना शुरू होने के बाद उल्हासनगर-5 डंपिंग की समस्या से नागरिकों को जल्द राहत मिलेगी।

फर्जी स्क्रीनशॉट से 23 लाख की ठगी

हिंदमाता संवाददाता @ उल्हासनगर

अंबरनाथ में फर्जी लेनदेन का स्क्रीनशॉट भेजकर काजू व्यापारी से करीब 24 लाख रुपए की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। इस संबंध में हिललाइन पुलिस स्टेशन में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। जानकारी के मुताबिक, रत्नागिरी जिले के राजापुर निवासी काजू व्यापारी रमेश रामचंद्र वाडकर ने भिवंडी के पंकज भद्रा को काजू की खेप भेजी थी। 15 अप्रैल 2026 की सुबह यह माल अंबरनाथ तालुका के नेवाली पाड़ा स्थित गोदाम में उतारा गया। खेप में 300 बक्से काजू और 14 बक्से अक्खा काजू थे, जिनका कुल वजन 3,140 किलोग्राम और कीमत 23.99 लाख रुपए थी। आरोपी ने भुगतान का भरोसा दिलाने के लिए व्हाट्सएप पर फर्जी स्क्रीनशॉट भेजा, जिसमें बैंक ऑफ इंडिया खाते में पैसे जमा होने और कोटक महिंद्रा बैंक से ट्रांजैक्शन का दावा किया गया। जांच में यह स्क्रीनशॉट और यूटीआर नंबर फर्जी निकले। हिललाइन पुलिस ने भारतीय दंड संहिता, 2023 की संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस सब-इंस्पेक्टर सुरेवद मामले की जांच कर रहे हैं।

जो कभी हंसते थे, आज वही कहते हैं हिंदुस्तान हिंदुओं की भूमिः मोहन भागवत

हिंदमाता संवाददाता @ नागपुर

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने सोमवार (27 अप्रैल) को कहा कि अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण देश के नेतृत्व की प्रतिबद्धता और आम जनता के व्यापक सहयोग का परिणाम है। इसके साथ ही उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि भारत को हिंदू राष्ट्र घोषित करने की जरूरत नहीं है, क्योंकि भारत पहले से ही हिंदू राष्ट्र। उनका मानना है कि देश की मूल पहचान पहले से ही हिंदू राष्ट्र है। आरएसएस की ओर से जारी बयान के मुताबिक, भागवत नागपुर में रेशिमबाग स्थित डॉ. हेडगेवार स्मारक समिति के एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन व्यक्तियों को सम्मानित किया गया, जिन्होंने राम मंदिर निर्माण में अहम भूमिका निभाई। इन लोगों के नेतृत्व और मार्गदर्शन में ही राम मंदिर बना था। उन्हीं के सम्मान के लिए यह कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

राम मंदिर का निर्माण भगवान की मर्जी से हुआ

अपने संबोधन में भागवत ने कहा कि राम मंदिर का निर्माण भगवान राम की मर्जी से हुआ है। उन्होंने भगवान कृष्ण द्वारा गोवर्धन पर्वत उठाने की कथा का उल्लेख करते हुए कहा कि इस तरह के बड़े और ऐतिहासिक कार्य तभी पूरे होते हैं, जब समाज के सभी वर्ग मिलकर योगदान देते हैं।

2014 के लोकसभा चुनावों का जिक्र

आरएसएस प्रमुख ने इस दौरान 2014 के लोकसभा चुनावों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बनी सरकार के शपथ ग्रहण के दिन ब्रिटेन के अखबार द गार्डियन ने टिप्पणी की थी कि उस दिन भारत ने वास्तव में ब्रिटिश शासन को अलविदा कहा।

हिंदू राष्ट्र की बात कहने पर पहास किया जाता था'

संबोधन के दौरान भागवत ने यह भी सवाल उठाया कि क्या मजबूत और प्रतिबद्ध नेतृत्व के बिना राम मंदिर का निर्माण संभव हो सकता था। उन्होंने आगे कहा कि एक समय हिंदू राष्ट्र की बात कहने पर लोगों द्वारा उपहास किया जाता था, लेकिन अब परिस्थितियां बदल चुकी हैं। उनके अनुसार आज लोग इस विचार को समझने और स्वीकार करने लगे हैं कि भारत की सांस्कृतिक पहचान हिंदू परंपरा से जुड़ी है।

भारत पहले से ही हिंदू राष्ट्र है

आखिर में मोहन भागवत ने कहा कि कई लोग आरएसएस से भारत को औपचारिक रूप से हिंदू राष्ट्र घोषित करने की मांग करते हैं, लेकिन संघ का मानना है कि जो बात पहले से ही सच है, उसे घोषित करने की जरूरत नहीं है। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता की प्रतिमा पर पुष्पार्चन के साथ हुआ। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत, पूज्य गोविंददेव गिरी महाराज, समिति अध्यक्ष सुरेश भैयाजी जोशी तथा उपाध्यक्ष श्रीधर गाडगे सहित कई गणमान्य उपस्थित रहे।

प्यार का झांसा, ब्लैकमेल, निशाने पर 10 से ज्यादा लड़कियां

हिंदमाता नेटवर्क @ अमरावती

आरोपी शाहिद अरेस्ट

अमरावती जैसी घटना अब कोल्हापुर में भी सामने आई है। शाहिद सनदी नाम के व्यक्ति द्वारा 15 से अधिक लड़कियों का यौन शोषण कर उनके वीडियो बनाए जाने का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। इस मामले में पुलिस ने शाहिद सनदी को गिरफ्तार कर लिया है। वह इन वीडियो के जरिए लड़कियों को ब्लैकमेल कर रहा था। चौकाने वाली बात यह है कि इन वीडियो के आधार पर संबंधित युवतियों को धमकाया जा रहा था। अगर इस बारे में किसी को बताया गया तो वीडियो वायरल करने की धमकी दी जाती थी। कोल्हापुर जिले के हातकणंगले तहसील के पुलाची शिरोली गांव में एक युवक पर कई युवतियों को प्रेम जाल में फंसाकर उनके साथ शोषण करने का गंभीर आरोप सामने आया है। शुरूआती जानकारी के मुताबिक, आरोपी ने 10 से अधिक युवतियों को निशाना बनाया, जिससे पूरे इलाके में दहशत और आक्रोश का माहौल है।

हिंदमाता एंकरः डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे का 'रूरल टू स्पेस' विजन

ठाणे जिप विद्यालयों के 59 विद्यार्थी इसरो के सफर पर

हिंदमाता संवाददाता @ ठाणे

ग्रामीण स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थी अब अंतरिक्ष की ओर बढ़ रहे हैं। 'मिशन भरारी' के तहत ठाणे जिला परिषद के विद्यालयों से चुने गए 59 प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को इसरो की सफर कराई जा रही है। राज्य के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे के 'रूरल टू स्पेस' विजन के तहत सोमवार को इन विद्यार्थियों की यात्रा को हरी झंडी दिखाई गई।

9500 में से चुने गए 59 रूरल स्टूडेंट्स

ठाणे जिले के 9500 ग्रामीण स्टूडेंट्स में से चुने गए 59 स्टूडेंट्स को इसरो जैसे वर्ल्ड-क्लास ऑर्गनाइजेशन में सीधे जाने का मौका मिला है। इस एजुकेशनल ट्रिप को 27 अप्रैल को ठाणे डिस्ट्रिक्ट प्लानिंग भवन से डीसीएम ने हरी झंडी दिखाई। 'मिशन भरारी' पहल की शुरूआत 26 जनवरी 2026 को हुई थी। 5वीं से 8 वीं तक के लिए करिकुलम स्टूडेंट्स को मेरिट के आधार पर कॉम्पिटिटिव एग्जाम के जरिए चुना गया। पहले फेज में 9316 स्टूडेंट्स ने एग्जाम दिया, जिसमें से 2007 स्टूडेंट्स तालुका लेवल पर चुने गए और आखिरी फेज में 478 स्टूडेंट्स की डिस्ट्रिक्ट लेवल पर परीक्षा हुई। इस पूरे प्रोसेस में, हर तालुका से 10 स्टूडेंट्स चुने गए और कुल 59 स्टूडेंट्स इस स्पेशल ट्रिप के लिए क्वालिफाई हुए, जिनमें 54 मराठी मीडियम और 5 उर्दू मीडियम के स्टूडेंट्स शामिल हैं।

बढ़ेगा विद्यार्थियों का आत्मविश्वास

उपमुख्यमंत्री शिंदे ने कहा कि यह ट्रिप सिर्फ एक टूरिज्म प्रोजेक्ट नहीं है, बल्कि स्टूडेंट्स के ऑल-राउंड डेवलपमेंट का हिस्सा है। इसके पीछे मुख्य मकसद स्टूडेंट्स का कॉन्फिडेंस बढ़ाना, एजुकेशन की क्वालिटी में सुधार करना और साइंस और मॉडर्न टेक्नोलॉजी के बारे में जिज्ञासा पैदा करना है। उन्होंने कहा कि स्टूडेंट्स को रिसर्च, स्पेस साइंस, लैब्स और मॉडर्न टेक्नोलॉजी का हैंड्स-ऑन एक्सपीरियंस मिलेगा। ट्रिप प्रोग्राम के मुताबिक, ट्रिप 27 अप्रैल को मुंबई से शुरू होगी। 28 अप्रैल को विवेकानंद रॉक मेमोरियल, तिरुवल्लुवर स्टैच्यू और सनसेट व्यू पॉइंट घूमा जाएगा। 29 अप्रैल को विक्रम साराभाई स्पेस सेंटर, थुम्बा इक्वेटोरियल रॉकेट लॉन्चिंग स्टेशन और प्रियदर्शिनी प्लेनेटेरियम जाएंगे 30 अप्रैल को नेचुरल हिस्ट्री म्यूज़ियम और 1 मई को नेपियर म्यूज़ियम और वापसी की यात्रा होगी। स्टूडेंट्स की सुविधा के लिए खास इंतजाम किए गए हैं। फाइव-स्टार होटल में रहने की व्यवस्था की गई है, और यात्रा के लिए एसी बसें दी गई हैं।

पढ़ाई के सफर को एक नई दिशा

यात्रा के दौरान मेडिकल ऑफिसर मौजूद रहेंगे। साथ ही, स्टूडेंट्स को ब्लेजर, टी-शर्ट, ट्रैक पैंट, कैप, स्पोर्ट्स शूज, मोजे, पहचान पत्र और ट्रॉली बैग दिए जाएंगे। शिंदे ने कहा कि इस पहल के लिए 50 लाख रुपए का फंड दिया गया है, और एडमिनिस्ट्रेशन को साफ निर्देश दिए गए हैं कि स्टूडेंट्स को किसी भी सुविधा की कमी न हो। उन्होंने आगे कहा, 'एपीजे अब्दुल कलाम, महात्मा गांधी, संत गाडगे बाबा ने हमेशा ग्रामीण इलाकों में शिक्षा और साइंटिफिक अप्रोच पर जोर दिया। यह पहल उन्हीं विचारों के अनुसार लागू की गई है। 59 स्टूडेंट्स ट्रिप से लौटने के बाद ज़िला परिषद स्कूलों में दूसरे स्टूडेंट्स के साथ अपने अनुभव शेयर करेंगे। इससे साइंस को लेकर जिज्ञासा और प्रेरणा पैदा होगी, और ग्रामीण इलाकों के स्टूडेंट्स की पढ़ाई के सफर को एक नई दिशा मिलेगी। आज इन बच्चों को इसरो भेजने से पहले डिप्टी चीफ मिनिस्टर एकनाथ शिंदे इन स्टूडेंट्स से मिलकर बातचीत की।

उद्धव ठाकरे इतने बड़े नेता नहीं कि चुनाव निर्विरोध हो

निरुपम का तीखा हमला, एमएलसी चुनाव में बड़े उलटफेर के संकेत

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

महाराष्ट्र विधान परिषद की 9 सीटों के लिए होने वाले चुनाव ने राज्य की राजनीति में 'हाई वोल्टेज ड्रामा' पैदा कर दिया है। नामांकन दाखिल करने के लिए अब केवल दो दिन शेष हैं, लेकिन महायुति और महाविकास अघाड़ी दोनों ही खेमों में उम्मीदवारों के नामों को लेकर सस्पेंस बरकरार है। इसी बीच, एकनाथ शिंदे की शिवसेना के नेता संजय निरुपम ने 'दसवें उम्मीदवार' को मैदान में उतारने का संकेत देकर विपक्षी खेमे में हलचल मचा दी है। निरुपम का यह बयान ऐसे समय में आया है जब उद्धव ठाकरे की विधान परिषद सीट खाली हो रही है और कांग्रेस व शरद पवार की राकांपा उन पर दोबारा चुनाव लड़ने का दबाव बना रही है। निरुपम ने स्पष्ट किया कि शिंदे गुट के पास दो उम्मीदवारों को जिताने के लिए पर्याप्त संख्या बल है, लेकिन कई निर्दलीय और छोटी पार्टियों के विधायक मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के संपर्क में हैं। इसी 'अतिरिक्त' संख्या बल के आधार पर शिवसेना दसवां उम्मीदवार उतारने पर विचार कर रही है।

उद्धव ठाकरे पर निरुपम का कड़ा प्रहार

संजय निरुपम ने पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की आलोचना करते हुए उनकी तुलना शरद पवार से की। उन्होंने कहा, 'शरद पवार एक वरिष्ठ और सम्मानित नेता हैं, उनके सम्मान में निर्विरोध चुनाव की बात समझ आती है, लेकिन उद्धव ठाकरे इतने बड़े नेता नहीं हैं कि उनके लिए पूरी प्रक्रिया निर्विरोध कर दी जाए।' निरुपम के इस बयान ने सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच जुबानी जंग को और तेज कर दिया है।

एमवीए में खींचतान और दबाव की राजनीति

दूसरी ओर, महाविकास अघाड़ी के भीतर भी स्थिति सहज नहीं है। उद्धव ठाकरे स्वयं चुनाव लड़ने को लेकर अनिश्चित दिख रहे हैं। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल और राकांपा सांसद सुप्रिया सुले ने ठाकरे से मुलाकात कर उनसे चुनाव लड़ने का अनुरोध किया है। कांग्रेस का तर्क है कि यदि ठाकरे चुनाव नहीं लड़ते हैं, तो वह सीट कांग्रेस के खाते में जानी चाहिए। सुप्रिया सुले ने स्पष्ट किया है कि शरद पवार की पार्टी ठाकरे के नाम का पूर्ण समर्थन करती है, लेकिन कांग्रेस की दावेदारी ने गठबंधन के भीतर पेच फंसा दिया है। अब सबकी नजरें इस बात पर टिकी हैं कि क्या एकनाथ शिंदे वाकई दसवां उम्मीदवार उतारकर एमवीए के गणित को बिगाड़ेंगे? यदि ऐसा होता है, तो क्रॉस-वोटिंग की संभावनाओं के बीच यह चुनाव बेहद दिलचस्प और अनिश्चित मोड़ पर पहुँच जाएगा।

आदेश न मानने पर अधिकारियों की हिम्मत पर भड़का हाईकोर्ट

• एसएससी निदेशक को अवमानना नोटिस जारी

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

क्या सरकारी अधिकारियों के मन में अब कानून का कोई डर नहीं बचा है? यह सवाल इसलिए उठ रहा है क्योंकि बॉम्बे हाईकोर्ट ने अदालत के आदेशों की जानबूझकर अनदेखी करने पर कड़ी फटकार लगाई है। हाईकोर्ट ने कर्मचारी चयन आयोग के निदेशक को अदालत के आदेश की अवमानना करने के मामले में सख्त नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने सरकारी अधिकारियों की इस हिम्मत पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि कानून का मजाक बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। बॉम्बे हाईकोर्ट के जस्टिस रवींद्र घुगे और जस्टिस हितेन वेनेगांवकर की बेंच ने इस मामले पर सुनवाई करते हुए अहम टिप्पणी की। अदालत ने कहा कि आजकल हाई कोर्ट के आदेशों की अनदेखी करना एक आम बात हो गई है। इसी वजह से हर साल राज्य और केंद्र सरकार या उनके अधिकारियों के खिलाफ सैकड़ों अवमानना याचिकाएं दायर की जा रही हैं। अदालत ने ररउ निदेशक आरजी सिंह को अवमानना का नोटिस जारी किया है और उन्हें अपना आचरण स्पष्ट करते हुए हलफनामा दायर करने की छूट दी है। मामले की अगली सुनवाई बुधवार को तय की गई है।

आखिर क्या है यह पूरा मामला?

■ पुणे के रहने वाले दो युवा सुशांत सरोदे और अनिकेत जाधव सीआईएसएफ और बीएसएफ में भर्ती होना चाहते थे। शारीरिक परीक्षा के दौरान ऊंचाई तय सीमा से थोड़ी कम होने के कारण अधिकारियों ने उन्हें प्रवेश देने से मना कर दिया था। हाईकोर्ट ने मामले को देखते हुए पाया कि ऊंचाई में यह अंतर बहुत ही मामूली था, इसलिए अदालत ने दोनों को प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल करने का स्पष्ट आदेश दिया था। कोर्ट के इस साफ आदेश के बावजूद एसएससी के अधिकारियों ने आदेश का पालन नहीं किया और दोनों युवा अब भी ट्रेनिंग में शामिल होने का इंतजार कर रहे हैं।

कोर्ट ने अधिकारियों के रवैये पर क्या कहा?

■ अदालत ने कहा कि यह एक ऐसा मामला है जहां देश की सेवा करने वाले अधिकारियों ने भी कोर्ट के आदेश की अवहेलना करने की हिम्मत दिखाई है। बेंच ने कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा कि ऐसे अधिकारियों के अनुशासन का क्या मतलब है जो कानून की गरिमा का सम्मान नहीं करते हैं। हाईकोर्ट ने यह भी बताया कि एसएससी निदेशक को अदालत में व्यक्तिगत रूप से पेश होने का निर्देश दिया गया था। हालांकि, आदेश मिलने के बावजूद वह अदालत के सामने पेश होने में विफल रहे, जिससे कोर्ट और ज्यादा भड़क गया।

अवमानना याचिकाओं के बढ़ने पर कोर्ट की क्या चिंता?

■ हाईकोर्ट की बेंच ने इस बात पर हैरानी जताई कि अदालत के आदेशों की अनदेखी करने की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है। बेंच ने कहा कि यह बेहद चिंताजनक है कि हर साल सैकड़ों अवमानना याचिकाएं कोर्ट में दर्ज की जा रही हैं। अदालत के मुताबिक, इनमें से ज्यादातर मामले राज्य सरकार, केंद्र सरकार या उनके अधिकारियों द्वारा आदेशों की नाफरमानी से जुड़े होते हैं। कोर्ट ने साफ संदेश दिया है कि कानून सर्वोपरि है और इसके आदेशों की अवमानना करने वालों पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

महापौर बंगले के खर्च में 4 गुना वृद्धि

85 लाख से सीधे 3.40 करोड़ का प्रस्ताव

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

महापौर के शासकीय निवासस्थान (बंगले) के नवीनीकरण के लिए वर्ष 2026-27 में करीब 3.40 करोड़ रुपए खर्च करने का प्रस्ताव सामने आया है। यह जानकारी सूचना के अधिकार के तहत उजागर हुई है, जिसे मुंबई महानगरपालिका ने आरटीआई कार्यकर्ता अनिल गलगली को उपलब्ध कराया है। महापौर बंगले के खर्च में 4 गुना वृद्धि हुई है, जो 85 लाख से बढ़कर सीधे 3.40 करोड़ का प्रस्ताव लाया गया है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, पिछले कुछ वर्षों में महापौर बंगले पर खर्च बेहद सीमित रहा है। वर्ष 2018-19 में कुल 85.87 लाख रुपए खर्च हुए थे। इसके बाद वर्ष 2019-20 में खर्च घटकर 5.88 लाख रुपए रह गया, जबकि 2020-21 और 2022-23 में यह क्रमशः 2.93 लाख और 2.92 लाख रुपए रहा। इसके मुकाबले 2026-27 के लिए प्रस्तावित 340 लाख रुपए (3.40 करोड़) का खर्च 4 गुना तक की वृद्धि दर्शाता है।

नवीनीकरण के प्रस्तावित बड़े बदलाव

मनपा के रिकॉर्ड के अनुसार 16 फरवरी 2026 को महापौर ने बंगले का दौरा कर अंदर और बाहरी परिसर में बड़े बदलाव सुझाए। गोपनीयता के कारण भूतल (ग्राउंड फ्लोर) पर स्थित कार्यालय और कॉन्फ्रेंस हॉल को बंगले के बाहर स्थानांतरित कर परिसर में अस्थायी संरचना बनाने के निर्देश दिए गए हैं। प्रस्तावित कार्यों में अंदरूनी फर्नीचर की पूरी मरम्मत, सभी शौचालयों का नए टाइल्स, फिटिंग्स व डब्ल्यूसी के साथ नवीनीकरण, प्रथम तल पर अतिरिक्त शौचालय, भूतल पर अतिथि शयनकक्ष, 'हेरिटेज' शैली के लाइट्स व झूमर, कॉन्फ्रेंस रूम को अतिथि लाउंज में बदलना, आधुनिक सुविधाओं के साथ किचन व डाइनिंग एरिया का नवीनीकरण, भूतल की फर्श को इटालियन मार्बल से बदलना, 'हेरिटेज' शैली के वेनेशियन ब्लाइंड्स लगाना तथा अतिथियों के लिए अतिरिक्त शौचालय शामिल हैं।

परिसर में अपग्रेडेशन और उठते सवाल

परिसर में प्रस्तावित कार्यों में महापौर कार्यालय के लिए अस्थायी ढांचा निर्माण, पाथवे और गार्डन का आधुनिकीकरण (अपग्रेडेशन), तथा विजन और साउंड बैरियर (दृश्य व ध्वनि अवरोधक) स्थापित करना शामिल है। इस पूरे मामले पर सवाल उठाते हुए अनिल गलगली ने कहा कि, 'जब यह हेरिटेज बंगला वर्तमान स्थिति में रहने योग्य है, तो उस पर करोड़ों रुपए खर्च करने का औचित्य क्या है?' उन्होंने यह भी बताया कि प्रस्तावित कई कार्यों में से अधिकांश कार्य जनवरी 2026 में ही पालिका द्वारा किए जा चुके हैं।

पाकिस्तान से आतंकी धमकी

रेलवे पुलिस को स्टेशन उड़ाने की कॉल से हड़कंप, 5 करोड़ की मांग

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

देश की आर्थिक राजधानी मुंबई एक बार फिर अज्ञात खतरों के निशाने पर है। मंगलवार तड़के करीब 3 बजे मुंबई जीआरपी कंट्रोल रूम में एक धमकी भरा कॉल आने से सुरक्षा महकमों में हड़कंप मच गया। अज्ञात कॉलर ने मुंबई के व्यस्त रेलवे स्टेशनों और महत्वपूर्ण आर्मी ऑफिसों को निशाना बनाने की बात कही है। इस सूचना के बाद से ही पूरी मुंबई में सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद कर दी गई है। जानकारी के मुताबिक, कॉल करने वाले ने अपना नाम इरफान बताया। उसने बेहद सनसनीखेज दावा करते हुए कहा कि यदि आम लोगों की जान बचानी है, तो उसे 5 करोड़ रुपए देने होंगे। धमकी मिलने के तुरंत बाद रेलवे पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां सक्रिय हो गईं।

पाकिस्तान से जुड़े होने का संदेह

सूत्रों के अनुसार, यह धमकी भरी कॉल रेलवे कंट्रोल के आधिकारिक व्हाट्सएप नंबर पर की गई थी। प्रारंभिक तकनीकी जांच में सबसे चौंकाने वाली बात यह सामने आई है कि जिस मोबाइल नंबर से कॉल किया गया, उसके तार पाकिस्तान से जुड़े हो सकते हैं। इस इनपुट ने सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ा दी है, जिसके बाद केंद्रीय जांच एजेंसियां भी मामले पर नजर रखे हुए हैं।

सुरक्षा घेरा हुआ कड़ा, सर्च ऑपरेशन जारी

धमकी को गंभीरता से लेते हुए मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस, दादर, कुर्ला और बोरीवली जैसे प्रमुख स्टेशनों पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। डॉग स्क्वायड और बम निरोधक दस्ते के साथ मिलकर पुलिस ने कई संवेदनशील इलाकों और सेना के कार्यालयों के आसपास गहन तलाशी अभियान चलाया। हालांकि, अब तक कहीं भी कोई संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई है।

अफवाहों पर ध्यान न दें और सतर्क रहें

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि वे कॉल की सत्यता की जांच कर रहे हैं। साइबर सेल की मदद से कॉलर की सटीक लोकेशन और पहचान ट्रेस करने की कोशिश की जा रही है। मुंबई पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें और सतर्क रहें। किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या लावारिस वस्तु की जानकारी तुरंत हेल्पलाइन नंबर पर साझा करने के निर्देश दिए गए हैं।

बीएमसी स्कूलों में बढ़ेगी सीटें

हर क्लास में 4 नए सेक्शन शुरू करने की तैयारी

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

मुंबई में अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में एडमिशन की मांग लगातार बढ़ रही है, जिससे बड़ी संख्या में छात्रों को प्रवेश पाने में कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। इस स्थिति को देखते हुए बृहन्मुंबई महानगरपालिका के शिक्षा विभाग ने एक अहम निर्णय लिया है। अब सीबीएसई और आईसीएसई बोर्ड के स्कूलों में नर्सरी से लेकर 10वीं कक्षा तक प्रत्येक कक्षा में 4 अतिरिक्त सेक्शन शुरू करने की योजना बनाई गई है।

2027-28 सत्र में छात्रों को मिलेगी राहत

इस प्रस्ताव को जल्द ही शिक्षा समिति और मनपा की मंजूरी के लिए पेश किया जाएगा। यदि इसे स्वीकृति मिलती है, तो वर्ष 2027-28 के शैक्षणिक सत्र से नए प्रवेश लेने वाले छात्रों को काफी राहत मिलेगी। इससे उन अभिभावकों को भी मदद मिलेगी, जो अपने बच्चों को अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में दाखिला दिलाना चाहते हैं लेकिन सीमित सीटों के कारण उन्हें निराशा हाथ लगती है।

अंग्रेजी माध्यम की ओर बढ़ रहा रुझान

पिछले कुछ वर्षों में अभिभावकों का झुकाव तेजी से अंग्रेजी माध्यम की शिक्षा की ओर बढ़ा है। इसी को ध्यान में रखते हुए बीएमसी ने वर्ष 2020-21 से अब तक 21 नए स्कूल शुरू किए हैं, जिनमें 18 सीबीएसई, 1 आईसीएसई, 1 आईजीसीएसई और 1 आईबी स्कूल शामिल हैं। इसके बावजूद सीटों की मांग लगातार बढ़ती जा रही है।

इन स्कूलों में बढ़ेंगे अतिरिक्त सेक्शन

मनपा द्वारा संचालित कई प्रमुख स्कूलों में यह व्यवस्था लागू की जाएगी। इनमें पूनम नगर, वूलन मिल, चिकूवाडी, जनकल्याण नगर, प्रतीक्षानगर, मिठानगर, हरियाली विलेज, राजावाड़ी, अजीज बाग, तुंगा विलेज, भवानी शंकर रोड, काणे नगर, आणिक विलेज, आशिष तलाव, एम.जी. क्रॉस रोड, शांतीनगर और वीर सावरकर स्थित स्कूल शामिल हैं।

शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में कदम

बीएमसी का यह कदम न केवल एडमिशन की समस्या को कम करेगा, बल्कि शहर में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की पहुंच भी बढ़ाएगा। शिक्षा विभाग का मानना है कि अतिरिक्त सेक्शन शुरू होने से अधिक छात्रों को अवसर मिलेगा और शहरी शिक्षा व्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

बृहन्मुंबई महानगरपालिका का सैलून पर एक्शन

बरगद के पेड़ को रंगने पर पुलिस से कार्रवाई की मांग

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

बृहन्मुंबई महानगरपालिका के गार्डन विभाग ने बांद्रा पुलिस से एक सैलून के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। यह मामला तब सामने आया जब आरोप लगा कि सैलून ने अपनी दुकान के बाहर स्थित एक जीवित बरगद के पेड़ को रंग दिया था। इस घटना के बाद सिविक बॉडी ने सैलून को नोटिस जारी कर दिया है और उससे जवाब तलब किया गया है। मामला मुंबई के पाली नाका क्षेत्र में स्थित 'टिप एंड टो लक्स सैलून' से जुड़ा है। बृहन्मुंबई महानगरपालिका के अनुसार, सैलून पर आरोप है कि उसने पेड़ के तने और ऊपर की जड़ों को सजावटी उद्देश्य से गुलाबी और हरे रंग से पेंट कराया। इस काम के लिए कर्मचारियों को भी लगाया गया था।

पेड़ों पर पेंट के नुकसान और निर्देश

सिविक अधिकारियों का कहना है कि किसी भी प्रकार के केमिकल या सिंथेटिक पेंट का इस्तेमाल पेड़ों के लिए बेहद नुकसानदायक हो सकता है। इससे पेड़ की प्राकृतिक श्वसन प्रक्रिया प्रभावित होती है, क्योंकि पेंट लेंटिकेल को ब्लॉक कर देता है और पेड़ पर शारीरिक तनाव पैदा करता है, जिससे उसकी सेहत और जीवन पर गंभीर असर पड़ सकता है। बृहन्मुंबई महानगरपालिका ने जारी नोटिस में सैलून को निर्देश दिया है कि वह वैज्ञानिक और सुरक्षित तरीकों से पेड़ पर किया गया पेंट पूरी तरह हटाए और इस प्रक्रिया की विस्तृत अनुपालन रिपोर्ट भी जमा करे।

ममता बनर्जी को टाटा बाय-बाय कहने का वक्त आ गया

शाइना एनसी का मुंबई से बंगाल चुनाव पर बड़ा बयान

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के मतदान से ठीक पहले सियासी पारा सातवें आसमान पर पहुंच गया है। शिवसेना नेता शाइना एनसी ने ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस सरकार पर कड़ा प्रहार करते हुए दावा किया है कि बंगाल की जनता अब बदलाव के लिए तैयार है। मुंबई में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि 4 मई को बंगाल में इतिहास रचा जाएगा और ममता बनर्जी की विदाई तय है।

अराजकता से त्रस्त है बंगाल की जनता

शाइना एनसी ने बंगाल की 142 विधानसभा सीटों पर होने वाले दूसरे चरण के मतदान को जनमत संग्रह करार दिया। उन्होंने कहा, 'लोग ममता बनर्जी की अराजक व्यवस्था से थक चुके हैं। बंगाल में महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं और उनकी शिकायतों पर कोई सुनवाई नहीं हो रही है। इसके अलावा, घुसपैठियों के कारण पैदा हुई अस्थिरता ने स्थानीय लोगों में भारी असंतोष पैदा किया है।' उन्होंने उम्मीद जताई कि पहले चरण के 91% मतदान की तरह ही।

कॉरपोरेट जिहाद पर क्या बोलीं शाइना एनसी?

बंगाल के साथ-साथ शाइना एनसी ने महाराष्ट्र के मुद्दों पर भी बेबाकी से अपनी राय रखी। उन्होंने 'कॉरपोरेट जिहाद' का गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि नागपुर और नासिक के बाद अब मुंबई के आग्रीपाडा में भी ऐसे मामले सामने आ रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि टीसीएस जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में लड़कियों को ब्लैकमेल करने और उनके वीडियो बनाकर प्रताड़ित करने की घटनाएं हो रही हैं।

सतर्कता से टली बड़ी रेल दुर्घटनाएं

पश्चिम रेलवे ने 14 कर्मचारियों को किया सम्मानित

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

पश्चिम रेलवे ने उत्कृष्ट कार्य और सतर्कता के लिए 14 कर्मचारियों को 'मैन ऑफ द मंथ' संरक्षा पुरस्कार से सम्मानित किया। यह सम्मान मुंबई स्थित मुख्यालय में आयोजित एक समारोह में प्रदान किया गया। महाप्रबंधक रामाश्रय पांडे ने इन कर्मचारियों को उनकी जिम्मेदारी, सजगता और समर्पण के लिए सराहा। इनकी त्वरित कार्रवाई और सूझबूझ के कारण कई संभावित दुर्घटनाओं को समय रहते टाला जा सका।

विभिन्न मंडलों के कर्मचारी शामिल

पुरस्कार पाने वालों में मुंबई सेंट्रल और राजकोट मंडल से तीन-तीन, अहमदाबाद से चार, रतलाम से दो और वडोदरा व भावनगर मंडल से एक-एक कर्मचारी शामिल हैं। सभी ने रेल संचालन को सुरक्षित बनाए रखने में अहम भूमिका निभाई। मुंबई सेंट्रल मंडल के स्टेशन मास्टर अनिल कुमार केशरी ने ड्यूटी के दौरान एक ट्रेन की ट्रॉली में आग लगती देख तुरंत कार्रवाई की। उन्होंने लोको पायलट और ट्रेन मैनेजर को सूचित कर ट्रेन रुकवाई और आग पर काबू पाया, जिससे बड़ी दुर्घटना टल गई।

तकनीकी दक्षता और सूक्ष्म निरीक्षण

वरिष्ठ सहायक लोको पायलट मनजीत सिंह और लोको पायलट राकेश मीणा को भी उनकी सतर्कता के लिए सम्मानित किया गया। कर्मचारियों ने ब्रेक बाइंडिंग, रेल फ्रैक्चर, हॉट एक्सल और ओएचई जैसी गंभीर समस्याओं की पहचान कर समय पर समाधान सुनिश्चित किया। इन कर्मचारियों के प्रयासों से पश्चिम रेलवे में सुरक्षा के उच्च मानकों को बनाए रखने में मदद मिली है। अधिकारियों ने कहा कि ऐसे सम्मान से कर्मचारियों का मनोबल बढ़ता है और वे भविष्य में भी इसी तरह जिम्मेदारी निभाने के लिए प्रेरित होते हैं।

कोंकण जाने वालों के लिए खुशखबरी

गर्मी की छुट्टियों में रेलवे का तोहफा
दिवा-चिपलुन के बीच 36 स्पेशल ट्रेनें

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

गर्मी की छुट्टियों के दौरान कोंकण क्षेत्र की ओर जाने वाले यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए मध्य रेलवे ने विशेष ट्रेनों का संचालन करने का निर्णय लिया है। इससे यात्रियों को आरामदायक और सुलभ यात्रा का विकल्प मिलेगा। रेलवे के अनुसार, दिवा से चिपलुन के बीच कुल 36 त्रि-साप्ताहिक अनारक्षित मेमू ग्रीष्मकालीन विशेष ट्रेनें चलाई जाएंगी। ये ट्रेनें 1 मई से 7 जून तक हर शुक्रवार, शनिवार और रविवार को संचालित होंगी।

समय और रूट की जानकारी

01159 मेमू स्पेशल ट्रेन रात 11:25 बजे दिवा से रवाना होकर अगले दिन सुबह 6:30 बजे चिपलुन पहुंचेगी। वहीं 01160 ट्रेन चिपलुन से दोपहर 3:30 बजे प्रस्थान कर रात 11:10 बजे दिवा पहुंचेगी। यह सेवा कोंकण क्षेत्र के यात्रियों के लिए काफी उपयोगी साबित होगी।

कई महत्वपूर्ण स्टेशनों पर ठहराव

ट्रेन का ठहराव निलजे, तलोजा, पनवेल, पेन, रोहा, कोलाड, मानगांव, खेड़ और अंजनी सहित कई स्टेशनों पर होगा। इससे मार्ग में आने वाले छोटे और मध्यम स्टेशनों के यात्रियों को भी सुविधा मिलेगी। यह 8 डिब्बों वाली मेमू ट्रेन होगी और इसमें अनारक्षित श्रेणी के डिब्बे होंगे। यात्री सामान्य किराए पर टिकट यूटीएस ऐप के माध्यम से बुक कर सकते हैं।

हाई कोर्ट ने बढ़ाया मुआवजा

समुद्री इंजीनियर के परिवार को 1.31 करोड़ देने का आदेश

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

बॉम्बे हाई कोर्ट ने एक अहम फैसले में दिवंगत मैरीटाइम इंजीनियर के परिवार को दिए जाने वाले मुआवजे की राशि को बढ़ा दिया है। अदालत ने यह फैसला इस आधार पर दिया कि समुद्री (मैरीटाइम) क्षेत्र में काम करने वाले प्रोफेशनल्स की आय सामान्य भूमि-आधारित नौकरियों की तुलना में काफी अधिक होती है, क्योंकि उनका काम ऑफशोर परिस्थितियों में कठिन और चुनौतीपूर्ण होता है। यह मामला मोटर एक्सीडेंट क्लेम्स ट्रिब्यूनल के उस फैसले से जुड़ा था, जिसमें मृतक के परिवार को 10 लाख रुपए का मुआवजा दिया गया था। लेकिन हाई कोर्ट ने ट्रिब्यूनल द्वारा आय का आकलन कम किए जाने को गलत माना और इसे संशोधित करते हुए मुआवजा बढ़ाने का आदेश दिया।

कोर्ट की टिप्पणी और बढ़ी मुआवजा राशि

जस्टिस जितेंद्र जैन ने 24 अप्रैल को दिए गए अपने फैसले में कहा कि समुद्री क्षेत्र में काम करने वाले इंजीनियर और अन्य पेशेवर लंबे समय तक ऑफशोर रहते हैं और कठिन परिस्थितियों में कार्य करते हैं, इसलिए उनकी आय को सामान्य कर्मचारियों के समान नहीं माना जा सकता। कोर्ट ने यह भी टिप्पणी की कि 'जहाजों पर काम करने वाले लोग जमीन पर काम करने वालों की तुलना में कहीं अधिक कमाई करते हैं।' इन सभी तथ्यों को ध्यान में रखते हुए हाई कोर्ट ने मोटर एक्सीडेंट क्लेम्स ट्रिब्यूनल द्वारा तय किए गए 10 लाख रुपए के मुआवजे को बढ़ाकर 1.31 करोड़ रुपए कर दिया। इसके साथ ही अदालत ने इस राशि पर 7.5 प्रतिशत वार्षिक ब्याज देने का भी आदेश दिया, जिससे अंतिम भुगतान और अधिक बढ़ जाएगा।

भविष्य के मामलों के लए बना उदाहरण

अदालत ने कहा कि दुर्घटना पीड़ित के वास्तविक आर्थिक योगदान को सही तरीके से समझना जरूरी है, खासकर तब जब वह किसी उच्च जोखिम और उच्च आय वाले पेशे से जुड़ा हो। कोर्ट ने यह भी माना कि ट्रिब्यूनल द्वारा आय का गलत अनुमान लगाने से परिवार को उचित मुआवजा नहीं मिल पाया था।

हिंदमाता एंकर: पत्रकारों की यादों में बसने वाले चायवाले का विशेष समारोह में सम्मान

चार दशकों की सेवा का सम्मान: 'बबनसेठ' को मिला आदर

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

मुंबई में दशकों तक पत्रकारों की रातों को चाय की चुस्कियों और गपशप से गुलजार करने वाले 75 वर्षीय 'चायवाले' बबन केमकर के सम्मान में सोमवार को एक विशेष समारोह आयोजित किया गया, जिसमें कई वरिष्ठ पत्रकारों, पूर्व सांसद और पूर्व विधायक ने हिस्सा लेकर उनके प्रति अपने स्नेह और सम्मान को व्यक्त किया। लगभग चार दशक तक दादर रेलवे स्टेशन के बाहर रात में चाय का ठेला लगाने बबन देर रात सिटी संस्करण के छपने के बाद काम से लौटने वाले पत्रकारों की रोजमर्रा की जिंदगी का अहम हिस्सा थे और लोग उन्हें प्यार से 'बबनसेठ' पुकारते हैं।

पुराने साथियों का भावनात्मक मिलन

उनके सम्मान में मुंबई मराठी पत्रकार संघ के सभागार में जुटे अधिकांश लोग वही थे, जो कभी उनकी दुकान पर नियमित रूप से चाय की चुस्कियों के साथ-साथ गपशप के लिए पहुंचते थे। करीब 20 साल पहले दुकान बंद कर ठाणे जिले के टिटवाला में बस जाने के बाद भी बबन के प्रति लोगों का स्नेह कम नहीं हुआ। उनके 75वें जन्मदिन के मौके पर पुराने साथी एक बार फिर एकजुट हुए और उन्हें सिर्फ एक चायवाले के रूप में नहीं, बल्कि दोस्त और परिवार के सदस्य की तरह सम्मानित किया।

चाय के साथ चर्चाओं का आकर्षण

कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने याद किया कि बबन की चाय ही नहीं, बल्कि वहां होने वाली दिलचस्प चर्चाएं भी लोगों को बार-बार खींच लाती थीं। उस दौर में अभिनेता नाना पाटेकर और प्रशांत दामले जैसी हस्तियां भी वहां आई करती थी। वरिष्ठ पत्रकार अंबरीश मिश्रा ने कहा कि बबन के चाय बनाने का अंदाज अपने आप में एक आकर्षण था, मानो कोई रूसी बैले कलाकार प्रदर्शन कर रहा हो।

'बबन टी' का खास स्वाद और अपनापन

उन्होंने कहा, 'बबन की चाय के आगे बकिंघम पैलेस की 'हाई टी' भी फीकी पड़ जाती। वह हर कप को बड़ी बारीकी और सलीके से तैयार करते थे। अनुभवी पत्रकार रहे पूर्व सांसद कुमार केतकर और पूर्व विधान परिषद सदस्य कपिल पाटिल ने भी बताया कि वे 'बबन टी' के नियमित ग्राहक रहे हैं। सम्मान से अभिभूत बबन ने कहा कि उनके लिए भी ये लोग सिर्फ ग्राहक नहीं, बल्कि परिवार की तरह हैं।

मानसून से पहले बीएमसी की बड़ी तैयारी

26 हजार से ज्यादा पेड़ों की छंटाई पूरी

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

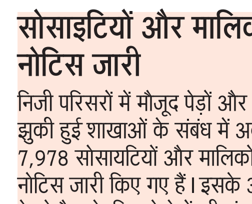

मुंबई में मानसून के दौरान पेड़ों के गिरने से होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए बीएमसी के उद्यान विभाग द्वारा अब तक शहर में 26,672 पेड़ों की छंटाई पूरी कर ली गई है। शेष पेड़ों की छंटाई और सूखे पेड़ों को हटाने की प्रक्रिया 7 जून तक पूरी करने का लक्ष्य प्रशासन ने तय किया है, ऐसी जानकारी उद्यान विभाग की ओर से दी गई है। मुंबई मनपा द्वारा मानसून पूर्व किए गए विशेष सर्वेक्षण में शहर की सड़कों के किनारे स्थित कुल 1,90,296 पेड़ों का निरीक्षण किया गया। इसमें 513 पेड़ अत्यंत खतरनाक या सूखे होने की अवस्था में पाए गए थे। इनमें से अब तक 296 पेड़ों को पूरी तरह हटाया जा चुका है। वहीं, इस वर्ष निजी परिसरों और रेलवे क्षेत्र के पेड़ों को लेकर भी विशेष सावधानी बरती जा रही है।

सोसाइटियों और मालिकों को नोटिस जारी

निजी परिसरों में मौजूद पेड़ों और उनकी झुकी हुई शाखाओं के संबंध में अब तक 7,978 सोसायटियों और मालिकों को नोटिस जारी किए गए हैं। इसके अलावा, रेलवे ट्रैक के किनारे पेड़ों की छंटाई के लिए रेलवे प्रशासन से 34 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिन पर तकनीकी मंजूरी और कार्रवाई जारी है। बीएमसी के एक अधिकारी ने बताया कि मुंबई में सामान्यतः 7 से 10 जून के बीच मानसून का आगमन होता है। इसे ध्यान में रखते हुए नगर निगम ने 15 मई तक सर्वेक्षण कार्य पूरा करने और 7 जून तक छंटाई का काम समाप्त करने की योजना बनाई है।

विचार प्रवाह

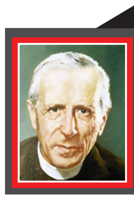

हम मनुष्य नहीं हैं जो आध्यात्मिक अनुभव ले रहे हैं। हम आध्यात्मिक प्राणी हैं जो मनुष्य होने का अनुभव ले रहे हैं।

– पिएरे.टेइल्हार्ड.डी.चारडीन

संपादकीय

कॉमेडियनों को धमकाना निंदनीय कृत्य

आज सूचना क्रांति और सोशल मीडिया के दौर में पूरी दुनिया में गहरे तंज करती डिजिटल सामग्री का उफान है। जो दुनिया की भौगोलिक सीमाओं और सत्ता के शिकंजे से मुक्त होकर स्वतंत्र प्रवाह लिए हुए है। लेकिन इसके बावजूद देश में स्टैंडिंग कॉमेडियनों और व्यंग्यकारों के लिए राजनेताओं पर व्यंग्य करना तलवार की धार पर चलने जैसा बना हुआ है। 'नाक पर मक्खी न बैठने देने' वाले सत्तारूढ़ राजनेता कॉमेडियनों पर शिकंजा कसने को तैयार बैठे होते हैं। इसी कड़ी में हैदराबाद के कॉमेडियन शरत उदय के बेंगलुरु स्थित स्टैंड-अप शो में शनिवार को तेलुगु देशम पार्टी यानी टीडीपी के समर्थकों के एक समूह ने मंच पर आकर जो उत्पात मचाया, निस्संदेह वह दुर्भाग्यपूर्ण ही कहा जाएगा। टीडीपी के समर्थकों ने मंच पर आकर उन्हें तेलुगु देशम पार्टी के नारे लगाने को बाध्य किया। इस हुड़दंग से यह कार्यक्रम बाधित हो गया। इसके चलते न केवल उदय को अपना कार्यक्रम रोकना पड़ा, बल्कि एक बार फिर माफी मांगनी पड़ी। दरअसल, दो साल पहले उदय के व्यंग्यात्मक चुटकुलों के जरिये आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू और उनके बेटे राज्य मंत्री नारा लोकेश को लक्षित किया गया था। निस्संदेह,यह अभिव्यक्ति व रचनात्मकता पर अंकुश लगाने का कुत्सित प्रयास ही कहा जाएगा। सही मायनों में यह घटनाक्रम हास्य-व्यंग्यपूर्ण असहमति के प्रति बढ़ती असहनशीलता का एक और उदाहरण है। गाहे-बगाहे विभिन्न राज्यों में अलग-अलग राजनीतिक दलों द्वारा ऐसी अलोकतांत्रिक प्रतिक्रियाएं सामने आती ही रहती हैं। जबकि हकीकत यह है कि हास्य का संसार बड़े लोगों की सहिष्णुता व उदारता से ही फलता-फूलता है। खासकर उस भारतीय समाज में जहां अकसर कबीरदास की यह उक्ति दोहरायी जाती है - 'निंदक नियरे राखिए, आंगन कुटी छवाय। बिन पानी, साबुन बिना, निर्मल करे सुभाय।' उनका कहना था कि आलोचक हमारी कमियां बताकर हमारे स्वभाव को शुद्ध और निर्मल बना देते हैं। सही मायनों में व्यंग्य व हास्य इंसान की सहज अभिव्यक्ति के तौर पर लिया जाना चाहिए। निश्चित रूप से यदि हमारे राजनेता व बड़े लोग व्यंग्य या आलोचना को सहजता से लेते हैं तो इससे समाज में हास्य-विनोद भरपूर फलता-फूलता है। विशेष रूप से राजनीतिक व्यंग्य भारत में लंबे समय तक सत्ता को आईना दिखाता रहा है। पंडित नेहरु जैसे नेता कार्टूनिस्टों की तल्ख अभिव्यक्ति को सहजता से लेते थे और व्यंग्यकारों का सम्मान करते थे। धीर-गंभीर राजनेता आलोचना को जनता की नसीहत मानते रहे हैं। कालांतर राजनेताओं की इस सोच में पराभव देखा गया है। विडंबना ही है कि वर्ष 2024 में नायडू व लोकेश पर किए गए व्यंग्य के लिये उदय को फिर से सार्वजनिक रूप से माफी मांगने को मजबूर किया गया। यह अशोभनीय प्रयास यही दशार्ता है कि वर्ग विशेष में असहमति को राजनीतिक उद्देश्यों के लिये हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। उदय प्रकरण भी इसी दुखद स्थिति के सिलसिले का हिस्सा है। हाल ही में कॉमेडियन अनुदीप कटिकाला और रफीक मोहम्मद को आंध्र प्रदेश पुलिस ने उन वीडियो के सिलसिले में गिरफ्तार किया था, जिसमें उन्होंने उप मुख्यमंत्री पवन कल्याण पर व्यंग्य किया था। बीते साल मार्च में, शिवसेना कार्यकताओं ने मुंबई के एक होटल में तब तोड़फोड़ की थी, जब महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को पक्षद्रोही कहा था। निर्विवाद रूप से यदि व्यंग्य-विनोद पर पाबंदी लगायी जाती है और कलाकारों की स्वतंत्र अभिव्यक्ति को बाधित किया जाता है तो इसका प्रभाव सिर्फ एक शो को ही बाधित नहीं करता। बल्कि यह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के मूल सिद्धांत पर ही चोट करता है। सही मायनों में यह दिक्कत कॉमेडी करने वालों से नहीं है, बल्कि राजनेताओं के असुरक्षाबोध में है, जो उन पर लोगों का हंसना बर्दाश्त नहीं कर पाते। ऐसे में राजनेताओं का नैतिक दायित्व है कि वे लोकतंत्र में स्वतंत्र अभिव्यक्ति के मर्म को समझें। इसके लिये वे अपने अति-उत्साही समर्थकों पर लगाम लगाएं। लेकिन विडंबना यह भी है कि पुलिस भी सत्ता की राजनीति के आगे नतमस्तक नजर आती है। कायदे से उसे भारतीय संविधान में वर्णित अभिव्यक्ति की आजादी की रक्षा करनी चाहिए। यदि पुलिस दायित्वों का ईमानदारी से पालन करती तो उदय जैसे कलाकारों को माफी न मांगनी पड़ती।

आज का इतिहास

- 1997 - रासायनिक हथियारों पर प्रतिबंध लागू।
- 1999 - बच्चों के यौन शोषण पर रोक संबंधी विधेयक जापानी संसद में मंजूर।
- 2006 - पाकिस्तान ने हत्फ-6 का परीक्षण किया।
- 2007 - आस्ट्रेलिया ने लगातार तीसरी बार क्रिकेट विश्वकप जीता।
- 2008 -ईरान के राष्ट्रपति महमूद अहमदी नेजाद एक संक्षिप्त यात्रा पर भारत पहुंचे। तिब्बत में मार्च 2008 में भड़की हिंसा के सिलसिले में एक स्थानीय अदालत ने 17 लोगों को 3 साल की कैद की सजा सुनाई।
- 2010 -भारत ने दुश्मनों के रडार की पकड़ में नहीं आने वाले मुंबई की मंझगांव गोदी में निर्मित आधुनिकतम उपकरणों से लैस युद्धपोत आईएनएस शिवालिक को नौसेना में शामिल किया। पहले पोत 'आईएनएस शिवालिक' को नौसेना में शामिल किया। भारतीय इंजीनियर हरपाल कुमार ने लंदन में आंत में कैंसर के शिकार लोगों का ब्लड टेस्ट कर रोग का पता लगाने के बजाय उनके पेट का निरीक्षण कर सकने वाले कैमरे का आविष्कार किया है। इससे इस बीमारी की समय से पहले ही पहचान की जा सकेगी और 43 प्रतिशत रोगियों को मृत्यु से बचाया जा सकेगा।
- 1983 - लावू श्री कृष्णा देवरायालू - वाई. एस. आर. कांग्रेस पार्टी के राजनीतिज्ञ हैं।
- 1965 - दीपिका चिखालिया - रामानन्द सागर के सीरियल 'रामायण' में सीता की भूमिका निभाकर प्रसिद्धि पाने वाली अभिनेत्री हैं।
- 1946 - अजीत जोगी - भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राजनीतिज्ञ, जो छत्तीसगढ़ के पहले मुख्यमंत्री रहे हैं।
- 1938 - ई. अहमद -एक राजनेता के रूप में भारत के दसवीं लोकसभा, ग्यारहवीं लोकसभा, बारहवीं लोकसभा, तेरहवीं लोकसभा और पंद्रहवीं लोकसभा सांसद के सदस्य रह चुके हैं।
- 1936 - जुबिन मेहता - भारत सरकार द्वारा 'पद्म भूषण' से सम्मानित प्रसिद्ध भारतीय संगीत निर्देशक।
- 1919 - अल्ला रक्खा खां, सुविख्यात तबला वादक, भारत के सर्वश्रेष्ठ एकल और संगीत वादकों में से एक
- 1848 - राजा रवि वर्मा, विख्यात चित्रकार
- 1547 - भामाशाह - मेवाड़ के महाराणा प्रताप के मित्र, सहयोगी और विश्वासपात्र सलाहकार।
- 1946- अजीत जोगी- छत्तीसगढ़ के पहले मुख्यमंत्री।
- 2020 - इरफान खान - भारतीय हिन्दी सिनेमा और टेलीविजन के प्रसिद्ध अभिनेता थे।

सियासी परिवर्तन को तैयार दिखता बंगाल

लोकतांत्रिक सुधारों, विकास और सामाजिक बदलाव के बीच खड़ा एक निर्णायक मोड़

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

बंगाल सिर्फ वोट नहीं डाल रहा है। वह अपने लोकतांत्रिक भविष्य की नई दिशा भी तय करता दिख रहा है। निर्वाचन आयोग ने मतदाता सूची के सघन संशोधन का जो अभियान चलाया, उससे राज्य भर से बड़े पैमाने पर संदिग्ध, मृत और स्थानांतरित मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं। चुनाव प्रक्रिया का सख्त और पारदर्शी होना केवल मतदान तक सीमित नहीं है। यह उस औपचारिक राज्य की वापसी है, जो लंबे समय तक स्थानीय शक्ति संरचनाओं के पीछे छिप गया था। मतदाता परिणाम और सुशासन के आधार पर सत्ता की वैधता तय करना चाहता है। राजनीति विज्ञान का एक सीधा नियम है कि जहां अनौपचारिक शक्ति संरचनाएं और सिंडिकेट हावी होते हैं, वहां राज्य की औपचारिक क्षमता पूरी तरह कमजोर हो जाती है। यही स्थिति बंगाल में निवेश और विकास की सबसे बड़ी बाधा बन गई है। जो बंगाल कभी औद्योगिक उत्पादन का प्रमुख केंद्र था, वह आज रोजगार देने में काफी पिछड़ चुका है। जब भी कोई नया कारखाना या उद्यम शुरू होता है, स्थानीय बाहुबली उसमें दखल देते हैं। इससे निवेशक पीछे हटने पर मजबूर हो जाते हैं। जनता अब ऐसा तंत्र चाहती है, जो पारदर्शी हो और औपचारिक अर्थव्यवस्था को मजबूती दे।

युवा पीढ़ी की बदलती प्राथमिकताएं

यह चुनाव एक गहरे सामाजिक और पीढ़ीगत बदलाव का भी गवाह बन रहा है। नई पीढ़ी राजनीतिक निष्ठा के बजाय अवसरों के आधार पर प्राथमिकताएं तय कर रही है। आज का युवा मतदाता पारंपरिक झंडों और नारों का मोहताज नहीं है। उसे एक ऐसा तंत्र चाहिए जिस पर वह विश्वास कर सके। वह बेंगलुरु, पुणे या दिल्ली जैसी सुविधाओं और अवसरों को अपने ही राज्य में देखना चाहता है। जब यह महत्वाकांक्षा पूरी नहीं होती तो उसका गुस्सा सत्ता के खिलाफ मुखर होता है। राष्ट्रवाद, पारदर्शिता और विकास की राजनीति का जो नया विकल्प राज्य में उभर रहा है, वह इसी युवा वर्ग की आकांक्षाओं को स्वर देता दिख रहा है। राजनीति में नागरिक और सरकार के रिश्ते के मायने भी तेजी से बदल रहे हैं।

कल्याणकारी योजनाओं की सीमाएं

सरकार की मुफ्त राशन और नकद सहायता जैसी योजनाओं ने समाज के निचले तबके को फौरी राहत जरूर दी है, लेकिन अर्थशास्त्र और राजनीति का यह अनुभव बताता है कि एक सीमा के बाद कल्याणकारी योजनाओं का राजनीतिक प्रभाव घटने लगता है। खासकर तब, जब वे जनता की नई आकांक्षाओं को संतुष्ट नहीं कर पातीं। जब सरकार नागरिकों को स्थायी रूप से केवल 'लाभार्थी' मानकर चलने लगती है तो बुनियादी विकास पीछे छूट जाता है। यह निर्भरता समाज को आर्थिक रूप से अपने पैरों पर खड़ा नहीं होने देती। बंगाल का मतदाता अब कुछ सौ रुपयों की मासिक सहायता से आगे पक्का रोजगार और अपनी मेहनत का सम्मानजनक मोल चाहता है। सशक्तीकरण का यही माडल अब बंगाल के विमर्श में जगह बनाता प्रतीत हो रहा है।

जनसांख्यिकी और सुरक्षा के सवाल

जनसांख्यिकी और राष्ट्रीय सुरक्षा ऐसी चिंताएं बन चुकी हैं, जिन्हें अब किसी भी कीमत पर अनदेखा नहीं किया जा सकता। सीमावर्ती जिलों में घुसपैठ के आरोप और उनसे जुड़ी चिंताओं ने राज्य की सामाजिक पहचान पर एक बड़ी बहस छेड़ दी है। संदेशखाली जैसी दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं ने पूरे देश का ध्यान अपनी ओर खींचा है। सत्ता के करीब माने जाने वाले स्थानीय बाहुबलियों ने जिस प्रकार महिलाओं के सम्मान को ठेस पहुंचाई, उसने बंगाली भद्रलोक और ग्रामीण समाज को भीतर तक आहत किया। यह एक विशेष प्रकार की तुष्टीकरण की राजनीति का सीधा नतीजा है। राज्य का एक वर्ग कह रहा है कि इस तरह की नीतियों में कानून के समान शासन की पूरी तरह अनदेखी हो रही है।

राजनीतिक हिंसा पर नियंत्रण की कोशिश

उत्तर बंगाल के राजबंशी समुदाय से लेकर मतुआ समाज तक, सभी अपनी अस्मिता और अधिकारों को सुरक्षित रखना चाहते हैं। बंगाल की राजनीति में लंबे अरसे तक राजनीतिक हिंसा का इस्तेमाल अपना दबदबा बनाए रखने के हथियार के रूप में हुआ है। चुनाव से पहले लोगों को डराना और विरोधियों को निशाना बनाना यहां का कड़वा सच रहा है, लेकिन इस बार केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की भारी तैनाती और चुनाव आयोग के सख्त रवैये ने डर के उस माहौल को काफी हद तक खत्म कर दिया है।

मौन मतदाता का उभरता प्रभाव

इसी सुरक्षित माहौल में बंगाल में एक मौन मतदाता उभर रहा है। यह वह मतदाता है, जो सार्वजनिक रूप से कुछ नहीं कहता, लेकिन मतदान केंद्र पर अपनी स्वतंत्र पसंद दर्ज करता है। बिना किसी डर या दबाव के मतदान करने की यह हिम्मत एक परिपक्व होते लोकतंत्र का बहुत शुभ संकेत है। बंगाल की धरती पर चल रहा यह मंथन केवल एक सरकार के कामकाज का लेखा-जोखा नहीं है, बल्कि एक परिवर्तन की पदचाप है।

दोराहे पर खड़ा बंगाल

बड़े पैमाने पर संदिग्ध वोटरों के नाम हटना, न्यायपालिका की सख्ती, भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई और सुशासन की मुखर मांग बता रही है कि राज्य बड़े बदलाव के दौर से गुजर रहा है। जनता के सामने दो रास्ते हैं। एक वह है, जो तात्कालिक लाभ देकर लोगों की निर्भरता बनाए रखना चाहता है। दूसरा, सुशासन, पारदर्शिता, राष्ट्रीय सुरक्षा और दीर्घकालिक विकास का स्पष्ट संकल्प है। बंगाल आज जिस दोराहे पर खड़ा है, वहां से लिया गया एक सही लोकतांत्रिक कदम कई पीढ़ियों का भविष्य संवार सकता है। अब फैसला बंगाल के हाथ में है-डर के साथ जीना है या सम्मान के साथ खड़ा होना है।

आंखनदेखी

फ्रैंकफर्ट के पास खेतों के बीच बिजली के खंभे पर बने अपने घोंसले के ऊपर उड़ान भरता सारस। खुले आसमान और शांत ग्रामीण परिवेश में यह दृश्य प्रकृति और मानव संरचना के बीच संतुलन की खूबसूरत झलक पेश करता है।

भारत गर्मी से जूझ रहा, चीन बाढ़ से....

● क्विंगझाऊ-ग्वागंशी में सड़कें-गाड़ियां डूबीं, मौसम में इतना अंतर कैसे

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

अप्रैल 2026 के आखिरी दिनों में एशिया के दो बड़े देशों में मौसम बिल्कुल उल्टा व्यवहार कर रहा है। भारत में भयंकर गर्मी पड़ रही है, कई जगहों पर तापमान 45 डिग्री से ऊपर पहुंच गया है। वहीं चीन के ग्वांग्शी प्रांत के क्विनझाउ शहर में इतनी तेज बारिश हुई कि सड़कें, गाड़ियां और घर पानी में डूब गए। 27 अप्रैल को सिर्फ 8 घंटे में 273 मिलीमीटर बारिश हुई, जिसमें एक घंटे में ही 160 मिलीमीटर पानी गिरा। यह अप्रैल के रिकॉर्ड तोड़ने वाली बारिश थी। सड़कें बंद हो गईं। स्कूल बंद किए गए। बचाव कार्य शुरू हो गए। सवाल उठ रहा है कि इतने करीब के देशों में मौसम में इतना बड़ा अंतर क्यों है? भारत के उत्तर, मध्य और पश्चिमी हिस्सों में इस समय हीटवेव चल रही है। दिल्ली, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और विदर्भ जैसे इलाकों में दिन का तापमान 42 से 47 डिग्री तक पहुंच रहा है। रातें भी गर्म हो रह रही हैं, जिससे लोगों को राहत नहीं मिल रही। भारतीय मौसम ने कई दिनों तक हीटवेव की चेतावनी जारी की है। लोग कह रहे हैं कि गर्मी बहुत तेज और पहले आ गई है।

चीन में भारी बारिश और बाढ़

दूसरी ओर चीन के दक्षिणी प्रांत ग्वांग्शी में 27 अप्रैल की सुबह से भारी बारिश शुरू हुई। क्विनझाउ शहर में 8 घंटे में 273 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। एक घंटे में 160 मिलीमीटर पानी गिरने से शहर के निचले इलाकों में पानी भर गया। सड़कें नदियों जैसी दिखने लगीं, गाड़ियां पानी में डूब गईं। स्कूलों को बंद करना पड़ा और स्थानीय प्रशासन ने पानी निकालने और लोगों को सुरक्षित जगह पहुंचाने के लिए बचाव दल भेजे। किसी की मौत नहीं हुई, लेकिन संपत्ति को काफी नुकसान पहुंचा।

दोनों देशों में चरम मौसम की वजहें

- भारत में गर्मी बढ़ने के कई कारण हैं। हीट डोम बनने से गर्म हवा नीचे फंस जाती है और ठंडी हवा ऊपर नहीं जा पाती। पश्चिमी विक्षोभ कमजोर पड़ने से बारिश और ठंडी हवाएं नहीं आ रही हैं। थार रेगिस्तान की गर्म हवाएं, हिमालय की दीवार और शहरी क्षेत्रों में कंक्रीट-सीमेंट गर्मी को और बढ़ा रहे हैं। जलवायु परिवर्तन भी लंबे समय से गर्मी की तीव्रता बढ़ा रहा है।
- चीन में भारी बारिश की मुख्य वजह तेज गर्मी के कारण वातावरण में ज्यादा नमी का होना है। गर्म हवा ज्यादा पानी (भाप) सोख सकती है। जब यह नमी अचानक बारिश के रूप में गिरती है तो भारी बारिश होती है। ग्वांग्शी जैसे दक्षिणी इलाकों में मॉनसून से पहले की बारिश बढ़ रही है। भारतीय महासागर का तेजी से गर्म होना भी दक्षिण चीन में नमी और बारिश बढ़ा रहा है।

एशिया में मौसम का इतना अंतर क्यों?

- एशिया बहुत बड़ा महाद्वीप है। अलग-अलग इलाकों में भौगोलिक स्थिति, समुद्र की दूरी, पहाड़ और हवा के रुख अलग-अलग हैं। भारत मुख्य रूप से उष्णकटिबंधीय क्षेत्र में है जहां गर्मी जल्दी बढ़ती है। चीन का दक्षिणी भाग जैसे ग्वांग्शी समुद्र के करीब है, जहां नमी आसानी से पहुंचती है।
- वैज्ञानिक कारण मुख्य रूप से जलवायु परिवर्तन है। ग्लोबल वार्मिंग से वातावरण ज्यादा नमी पकड़ता है, जिससे जहां सूखा पड़ता है वहां गर्मी तेज हो जाती है और जहां बारिश होती है वहां बहुत भारी बारिश होती है। इसे एक्सट्रीम वेदर इवेंट्स यानी चरम मौसमी घटनाएं कहते हैं। अल-नीनो जैसी घटनाएं भी मौसम के पैटर्न बदलती हैं, जिससे कुछ जगह गर्मी और सूखा तो कुछ जगह बाढ़ आती है।
- भारत गर्मी से और चीन बाढ़ से जूझ रहा है, यह दिखाता है कि जलवायु परिवर्तन पूरे एशिया को अलग-अलग तरीके से प्रभावित कर रहा है। दोनों देशों को अब चरम मौसम से निपटने के लिए बेहतर तैयारी, शहरी नियोजन, पेड़ लगाने और जल प्रबंधन पर ज्यादा ध्यान देना होगा। वैज्ञानिक चेतावनी दे रहे हैं कि भविष्य में ऐसे उलटे-पुलटे मौसम की घटनाएं और बढ़ सकती हैं।

प्रेरक प्रसंग

बहेलिया और कबूतर

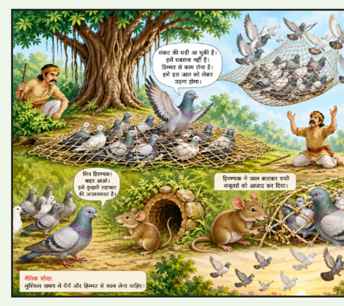

एक गांव में बुद्धिराम नाम का एक बहेलिया रहता था। उसका काम ही पक्षियों का शिकार करना था। वह रोज जंगल जाता, जाल बिछाता और पक्षियों को पकड़कर बाजार में बेच देता था। वह अपने काम में इतना चालाक था कि कभी खाली हाथ नहीं लौटता था। एक दिन उसने सोचा कि क्यों न दूर जंगल में जाकर शिकार किया जाए, जहां अधिक पक्षी मिल सकें। वह सुबह-सुबह जंगल की ओर निकल पड़ा। काफी दूर जाने के बाद उसे एक विशाल बरगद का पेड़ दिखाई दिया। पेड़ घना था और उसके नीचे ठंडी छाया फैली हुई थी। बहेलिया समझ गया कि यह जगह पक्षियों के आने के लिए उपयुक्त है। उसने तुरंत पेड़ के नीचे जाल बिछाया और पास की एक झाड़ी के पीछे छिपकर बैठ गया। कुछ समय बाद आसमान में उड़ते हुए कबूतरों का एक बड़ा झुंड उस पेड़ की ओर आता दिखाई दिया। बहेलिया की आंखों में चमक आ गई। जैसे ही कबूतर नीचे उतरकर दाना चुगने लगे, वे सभी जाल में फंस गए। उस झुंड के साथ उनका राजा कपोत भी था। तभी कपोत की नजर बहेलिया पर पड़ी, जो धीरे-धीरे उनकी ओर बढ़ रहा था। राजा कपोत ने स्थिति की गंभीरता को समझते हुए कहा, साथियों, यह संकट की घड़ी है। घबराने से कुछ नहीं होगा। अगर हम सब मिलकर प्रयास करें, तो बच सकते हैं। सभी कबूतर घबराए हुए थे, लेकिन अपने राजा पर उन्हें भरोसा था। कपोत ने योजना बनाई कि वे सभी एक साथ जाल को उठाकर उड़ जाएं। राजा के आदेश पर सभी कबूतरों ने पूरी ताकत लगाई और एक साथ पंख फड़फड़ाए। देखते ही देखते वे जाल सहित आसमान में उड़ गए। यह दृश्य देखकर बहेलिया हैरान रह गया। उसने उन्हें पकड़ने की बहुत कोशिश की, लेकिन कबूतर उसकी पहुंच से दूर निकल चुके थे।

- कपोत अपने साथियों को लेकर एक सुरक्षित स्थान पर पहुंचा। वहां उसका मित्र हिरण्यक नाम का एक चूहा रहता था। कपोत ने उसे आवाज दी। अपने मित्र की आवाज सुनकर हिरण्यक तुरंत बाहर आया। उसने कबूतरों को जाल में फंसा देखा तो बिना समय गंवाए जाल काटने लगा। तभी कपोत ने कहा, मित्र, पहले मेरे साथियों को आजाद करो। उन्होंने मुझ पर भरोसा किया है, इसलिए उनका बचना सबसे जरूरी है। हिरण्यक ने वैसा ही किया।
- उसने पहले सभी कबूतरों को मुक्त किया और अंत में कपोत को आजाद किया। सभी कबूतर आजाद होकर बहुत खुश हुए। उन्होंने अपने राजा कपोत और हिरण्यक का आभार व्यक्त किया और फिर खुशी-खुशी आसमान में उड़ गए। सीख : मुश्किल समय में धैर्य, एकता और हिम्मत से काम लेने पर हर समस्या का समाधान निकाला जा सकता है।

राशिफल

मेष- जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। कारोबार में वृद्धि होगी। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। पुराना रोग बाधा का कारण बन सकता है। पारिवारिक चिंता बनी रहेगी। अनहोनी की आशंका रहेगी। शत्रुभय रहेगा। कानूनी अड़चन दूर होगी।

वृषभ-रुके हुए कार्यों में गति आएगी। घर-बाहर सभी अपेक्षित कार्य पूर्ण होंगे। दूसरों के कार्य की जवाबदारी न लें। वाणी पर नियंत्रण रखें। अपेक्षित कार्यों में विलंब हो सकता है। चिंता तथा तनाव रहेंगे। पार्टनरों से मतभेद संभव है। व्यवसाय ठीक चलेगा।

मिथुन- नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं। छोटे भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। प्रसन्नता रहेगी। संचित कोष में वृद्धि होगी। प्रमाद न करें। प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी। जीवनसाथी से अनबन हो सकती है। स्थायी संपत्ति खरीदने-बेचने की योजना बन सकती है।

कर्क- मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। लेन-देन में सावधानी रखें। शत्रुओं का पराभव होगा। विवाद को बढ़ावा न दें। भय रहेगा। प्रमाद न करें। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। व्यापार में अधिक लाभ होगा।

सिंह- व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। मातहतों से अनबन हो सकती है। कुसंगति से हानि होगी। पारिवारिक समस्याओं में इजाफा होगा। चिंता तथा तनाव बने रहेंगे। भागदौड़ रहेगी। दूर से बुरी खबर मिल सकती है। बनते कामों में बाधा हो सकती है।

कन्या-सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। किसी बड़े काम करने की योजना बनेगी। व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। भाइयों का सहयोग मिलेगा। भाग्य का साथ मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। मित्रों की सहायता कर पाएंगे।

तुला-जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। सुख के साधन जुटेंगे। पराक्रम बढ़ेगा। घर में मेहमानों का आगमन होगा। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। व्यय होगा। किसी पारिवारिक आयोजन का हिस्सा बन सकते हैं। निवेश शुभ रहेगा।

वृश्चिक- व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। नौकरी में उच्चाधिकारी की प्रसन्नता प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। निवेश शुभ रहेगा। पार्टनरों का सहयोग प्राप्त होगा। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। शारीरिक कष्ट से बाधा संभव है। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी।

धनु- वाणी पर नियंत्रण रखें। दूसरों के कार्य में दखल न दें। अपेक्षित कार्यों में विलंब होगा। आय में निश्चितता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रमाद न करें। लाभ बढ़ेगा। यात्रा में सावधानी रखें। जल्दबाजी से हानि होगी। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

मकर- व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। किसी के व्यवहार से स्वाभिमान को चोट पहुंच सकती है। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। नौकरी में अनुकूलता रहेगी। व्यापार में वृद्धि होगी। कोई बड़ी बाधा आ सकती है। राजभय रहेगा। जल्दबाजी से काम बिगड़ेंगे।

कुंभ-सभी तरफ से सफलता प्राप्त होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। व्यापार में वृद्धि होगी। आय बढ़ेगी। घर में प्रसन्नता रहेगी। ऐश्वर्य पर व्यय हो सकता है। नई योजना बनेगी जिसका लाभ तुरंत नहीं मिलेगा। सामाजिक कार्य करने में रुचि रहेगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

मीन-व्यापार लाभदायक रहेगा। नौकरी में चैन रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। किसी वरिष्ठ व्यक्ति का सहयोग प्राप्त होगा। बेचैनी रहेगी। चोट व रोग से बचें। विवेक से कार्य करें। लाभ में वृद्धि होगी। मान-सम्मान मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। पूजा-पाठ में मन लगेगा।

आतंकवाद पर दोहरा रवैया नहीं चलेगा : राजनाथ सिंह

SCO की बैठक में चीन के सामने ही पाक को झाड़ा

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

किर्गिस्तान के बिश्केक में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन (SCO) के रक्षा मंत्रियों की बैठक में राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान को बेहद कड़ा संदेश दिया है। राजनाथ सिंह ने चीन और पाकिस्तान को सुनाते हुए कहा कि किसी भी कीमत पर सरकार प्रायोजित 'सीमापार आतंकवाद' की अनदेखी नहीं की जा सकती है और इस मामले को लेकर दोहरा मापदंड अपनाने की कोई गुंजाइश नहीं है। उन्होंने पाकिस्तान को टारगेट करते हुए साफ कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत ने अपना दृढ़ संकल्प दिखा दिया था और बता दिया है कि आतंकवाद के पनाहगाहों को अब किसी तरह की छूट नहीं मिलने वाली है। बता दें कि एससीओ में चीन रूस, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, पाकिस्तान, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान, ईरान और बेलारूस भी शामिल हैं। राजनाथ सिंह ने चीन के प्रतिनिधि के सामने भी पाकिस्तान को सुनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी।

पाकिस्तान को जमकर लताड़ा

उन्होंने कहा कि हमें सरकार द्वारा प्रायोजित उस सीमा पार आतंकवाद को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए जो किसी राष्ट्र की संप्रभुता पर हमला करता है। सिंह ने कहा कि दोहरे मापदंड की कोई गुंजाइश नहीं है और एससीओ को आतंकवादियों को उकसाने, उन्हें पनाह देने और सुरक्षित ठिकाने उपलब्ध कराने वालों के खिलाफ उचित कार्रवाई की मांग करने में हिचकिचाना नहीं चाहिए। रक्षा मंत्री ने आतंकवाद से निपटने के लिए वैश्विक स्तर पर समन्वित प्रयासों की वकालत की। उन्होंने कहा कि हम कट्टरपंथ, चरमपंथ और आतंकवाद के रूप में बढ़ती चुनौती का भी सामना कर रहे हैं। आतंकवाद उभरती विश्व व्यवस्था के लिए सबसे गंभीर खतरा बन गया है। सिंह ने कहा कि इस परिदृश्य में एससीओ हमारे साझा मूल्यों पर आधारित एक संगठन के रूप में उभरा। एससीओ ने आतंकवाद के खिलाफ साझा लड़ाई में ऐसे कृत्यों और विचारधाराओं की निंदा की है। रक्षा मंत्री ने मौजूदा भू-राजनीतिक उथल-पुथल का भी जिक्र किया। दुनिया आज बढ़ती एकतरफा नीतियों और संघर्षों के रूप में वास्तविकता का सामना कर रही है। सिंह ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में लगातार हुए संघर्षों में जान-माल का चिंताजनक दर पर नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि रक्षा के लिए जिम्मेदार लोग होने के नाते, यह हमारे लिए आत्ममंथन करने और इस स्थिति से निपटने के लिए प्रभावी कदम उठाने का समय है।

आतंकवाद पर भारत की जीरो टॉलरेंस की नीति

उन्होंने पिछले वर्ष की तियानजिन घोषणा का उल्लेख किया, जिसने आतंकवाद के खिलाफ भारत के दृढ़ और सामूहिक रुख को दर्शाया, और इसे आतंकवाद तथा उसके समर्थकों के प्रति उसकी जीरो टॉलरेंस नीति का प्रमाण बताया।
उन्होंने कहा कि सामूहिक विश्वसनीयता की वास्तविक परीक्षा निरंतरता में निहित है। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि आतंकवाद की कोई राष्ट्रीयता और कोई धर्म नहीं होता। देशों को आतंकवाद के खिलाफ दृढ़ और सामूहिक रुख अपनाना चाहिए।

दरगाह हो या मंदिर, अराजकता बर्दाश्त नहीं : सुप्रीम कोर्ट

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि किसी धार्मिक संस्था के प्रबंधन के अधिकार का मतलब यह नहीं है कि उसके संचालन के लिए कोई ढांचा न हो। प्रबंधन को लेकर अराजकता की स्थिति नहीं हो सकती। धार्मिक संस्थाओं के कामकाज के लिए एक व्यवस्था एवं नियम होने चाहिए। नौ न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने यह टिप्पणी केरल के सबरीमाला मंदिर सहित धार्मिक स्थलों पर महिलाओं के साथ भेदभाव और विभिन्न धर्मों में धार्मिक स्वतंत्रता के दायरे से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान की।

धार्मिक स्थलों पर महिलाओं के साथ भेदभाव पर सुप्रीम कोर्ट

- पीठ में प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, जस्टिस बीवी नागरत्ना, जस्टिस एमएम सुंदरेश, जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्ला, जस्टिस अरविंद कुमार, जस्टिस अगस्टीन जार्ज मसीह, जस्टिस प्रसन्ना बी. वराले, जस्टिस आर. महादेवन और जस्टिस जोयमाल्या बागची शामिल हैं।
- हजरत ख्वाजा निजामुद्दीन औलिया की दरगाह से जुड़ी चिश्ती निजामी परंपरा के वंशज पीरजादा सैयद अल्तमश निजामी की ओर से पेश अधिवक्ता निजाम पाशा ने कहा कि दरगाह वह स्थान होता है, जहां किसी संत को दफनाया गया हो।
- सैयद अल्तमश निजामी ने कहा कि इस्लाम में मृत्यु के बाद संतों की स्थिति को लेकर अलग-अलग मत हैं, लेकिन सूफी परंपरा में उस स्थान के प्रति गहरी श्रद्धा होती है, जहां किसी संत को दफनाया जाता है। भारत में सूफी परंपरा में चिश्तिया, कादरिया, नक्शबंदिया और सुहरावर्दिया सहित कई प्रमुख परंपराएं शामिल हैं। मौजूदा मामला चिश्तिया व्यवस्था से जुड़ा है।
- निजामी ने आगे कहा कि मेरा मानना है कि यह व्यवस्था स्पष्ट रूप से एक धार्मिक संप्रदाय है। अगर हजरत निजामुद्दीन औलिया की शिक्षाओं को देखा जाए, तो उनमें रोजा, नमाज, हज, जकात और सबसे बढ़कर आस्था जैसी इस्लामी परंपराओं के पालन पर जोर है।
- पाशा ने दलील दी कि किसी धार्मिक संस्था में प्रवेश को विनियमित करने का अधिकार प्रबंधन का हिस्सा है। इस पर जस्टिस अमानुल्ला ने कहा कि प्रबंधन के अधिकार का मतलब ढांचे का अभाव नहीं हो सकता और हर चीज के लिए एक व्यवस्था होनी चाहिए।
- जस्टिस अमानुल्ला ने कहा कि अराजकता नहीं हो सकती। चाहे दरगाह हो या मंदिर, संस्था से जुड़े तत्व होंगे, इबादत का एक तरीका होगा और कार्यों के संपादन का क्रम होगा। किसी न किसी को इसे विनियमित करना होगा।
- जस्टिस अमानुल्ला ने आगे कहा कि ऐसा नहीं हो सकता कि हर कोई कहे कि मैं जो चाहूंगा, वह करूंगा या द्वार हर समय बिना किसी नियंत्रण के खुले रहें। इसलिए सवाल यह है कि प्रबंधन करने वाला निकाय कौन है। यहीं संरक्षण की बात आती है, क्योंकि विनियमन आवश्यक है। साथ ही, यह संवैधानिक सीमाओं का उल्लंघन नहीं कर सकता। व्यापक संवैधानिक मानकों पर भेदभाव नहीं हो सकता।
- जस्टिस अमानुल्ला ने कहा कि हर संस्था के लिए नियम होने चाहिए और इसे प्रत्येक व्यक्ति अपने-अपने हिसाब से तय नहीं कर सकता। इस मामले की सुनवाई जारी है।
- शीर्ष अदालत ने इससे पहले कहा था कि किसी धार्मिक संप्रदाय की किसी प्रथा को आवश्यक या गैर-आवश्यक घोषित करने के लिए मानदंड तय करना न्यायिक मंच के लिए, यदि असंभव नहीं, तो अत्यंत कठिन है।
- सितंबर, 2018 में पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने एक के मुकाबले चार के बहुमत से दिए फैसले में सबरीमाला अयप्पा मंदिर में 10 से 50 वर्ष की आयु की महिलाओं के प्रवेश पर लगी रोक हटा दी थी और सदियों पुरानी हिंदू धार्मिक प्रथा को अवैध व असंवैधानिक करार दिया था।

स्विस कोर्ट का भ्रष्टाचार के अंतर्राष्ट्रीय महाघोटाले में बड़ा फैसला

उज्बेकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति की बेटी के खिलाफ मुकदमा खारिज

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

स्विट्जरलैंड के बेलिनजोना शहर की एक अदालत ने एक बड़े अंतर्राष्ट्रीय भ्रष्टाचार मामले में अहम फैसला सुनाया है। अदालत ने उज्बेकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति इस्लाम करीमोव की बेटी गुलनारा करीमोवा के खिलाफ चल रहा मुकदमा खारिज कर दिया। यह मामला मनी लॉन्ड्रिंग और रिश्वतखोरी से जुड़ा था, जिसमें सैकड़ों मिलियन डॉलर के लेन-देन और "The Office" नाम के कथित आपराधिक नेटवर्क की जांच हो रही थी। यह ट्रायल 22 मई तक चलने वाला था, लेकिन शुरू होने के एक दिन बाद ही इसे समाप्त कर दिया गया। अदालत ने कहा कि करीमोवा फिलहाल अपने देश उज्बेकिस्तान में जेल में हैं और वहां की सरकार ने साफ कर दिया है कि उनकी सजा दिसंबर 2028 तक पूरी होगी। ऐसे में उन्हें स्विट्जरलैंड लाकर सुनवाई में शामिल कराना संभव नहीं था। इसी कारण अदालत ने माना कि बिना आरोपी की मौजूदगी के ट्रायल आगे नहीं बढ़ सकता।

ममता बनर्जी को भाजपा ने दी जान से मारने की धमकी

हिंदमाता नेटवर्क @ कोलकाता

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण से पहले टीएमसी और भाजपा के बीच जुबानी जंग तेज हो गई है। तृणमूल कांग्रेस ने बीजेपी पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को मौत की धमकी देने का आरोप लगाया और दावा किया कि भाजपा राज्य में अपनी गोली मारो और ठोक दो वाली संस्कृति लाने की कोशिश कर रही है। दरअसल, चुनाव आयोग की ओर से नियुक्त पुलिस पर्यवेक्षक अजय पाल शर्मा का एक वीडियो वायरल हुआ है, जिसमें वह दक्षिण 24 परगना में टीएमसी उम्मीदवार जहांगीर खान को चेतावनी देते दिख रहे हैं। टीएमसी ने इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए एक्स पर लिखा कि बलात्कार की धमकियों और अपमानजनक कार्टून प्रचार के बाद अब भाजपा ममता बनर्जी के खिलाफ खुलेआम मौत की धमकियां देने तक गिर गई है। चुनाव आयोग इस पर चुप्पी साधे बैठा है, जो मूक और मिलीभगत करने वाला दर्शक बना हुआ है। यही बदलाव भाजपा बंगाल के लिए चाहती है। वे उत्तर प्रदेश और बिहार की सड़कों पर अपनी गोली मारो और ठोक दो संस्कृति को बंगाल में थोपना चाहते हैं।

बीजेपी प्रवक्ता की पोस्ट पर मचा बवाल

टीएमसी ने बीजेपी के प्रवक्ता आलोक अजय की पोस्ट का हवाला दिया, जिसमें उन्होंने लिखा था कि अगर तुम हमें डराने की कोशिश करोगे तो गोली मार दी जाएगी, दीदी। पार्टी ने कहा कि यह ममता बनर्जी के प्रति भाजपा का रवैया दिखाता है, जो पश्चिम बंगाल की तीन बार चुनी गई मुख्यमंत्री हैं। टीएमसी की ओर से कहा गया कि इस धमकी और दबाव की संस्कृति को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के शीर्ष स्तर से मंजूरी मिली है। अगर वे दीदी के बारे में इस तरह बोलते हैं तो सोचकर भी सिहरन होती है कि बंगाल की आम माताओं और बेटियों पर ये केसरिया गुंडे क्या कहर ढाएंगे। लेकिन ये शब्द याद रखिए। बंगाल भूलता नहीं है। बंगाल माफ नहीं करता। अपनी बेटी के खिलाफ यह अपमान और धमकी का जवाब शब्दों से नहीं, बल्कि वोटों से दिया जाएगा। 4 मई को बंगाल अपनी आवाज बुलंद करेगा। भाजपा प्रवक्ता आलोक अजय ने टीएमसी के दावों को खारिज करते हुए कहा कि उन्होंने उनकी बात को तोड़-मरोड़कर पेश किया है। उन्होंने कहा कि आप लोगों को हिंदी नहीं आती क्या? पीड़ित बनने का नाटक मत कीजिए। गोली मारो और भाग जाओ वाली संस्कृति आपकी है, हमारी नहीं। अपने गुंडों से लोगों को धमकाने की कोशिश मत कीजिए। पूर्व दिशा में सूरज उगता है, बंगाल और भारत के लोगों के लिए, और आप सब तबाही की राह पर हैं।

पेट्रोल-डीजल की गाड़ियां हो जाएंगी बंद? : नितिन गडकरी

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को बड़ा बयान देते हुए कहा है कि लंबे समय में, पेट्रोल और डीजल जैसे जीवाश्म ईंधनों पर चलने वाले वाहनों का कोई भविष्य नहीं है। केंद्रीय मंत्री का यह बयान वैकल्पित ईंधन विकल्पों के समर्थन में आया, क्योंकि उन्होंने ऑटोमोबाइल उद्योग से स्वच्छ ईंधनों की ओर बदलाव पर काम करने का आग्रह किया। उन्होंने यह भी बताया कि यह बदलाव सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को बेहतर बनाने में योगदान देगा।

स्वच्छ ईंधन विकल्पों की ओर बदलाव

परिवहन मंत्री ने वाहन निर्माताओं से बायोफ्यूल, CNG और LNG जैसे वैकल्पिक और स्वच्छ ईंधन विकल्पों के इस्तेमाल की ओर बदलाव की गति तेज करने का आग्रह किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पेट्रोल और डीजल, आयात और पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव के लिहाज से गंभीर समस्याएं पैदा करते हैं।

हाइड्रोजन ही भविष्य का ईंधन है : गडकरी

गडकरी ने बताया कि सरकार ने हाइड्रोजन मोबिलिटी और कंपनियों के लिए पायलट प्रोजेक्ट पहले ही शुरू कर दिए हैं। टाटा मोटर्स, वोल्वो, अशोक लेलैंड और महिंद्रा एंड महिंद्रा जैसी प्रमुख भारतीय कंपनियां पहले से ही हाइड्रोजन ईंधन के ट्रायल में शामिल हैं। हम अभी 10 ऐसे रूट पर हैं, जहां हम हाइड्रोजन से चलने वाले ट्रक और बसें चला रहे हैं। हाइड्रोजन ही भविष्य का ईंधन है। फ्लेक्स फ्यूल पर बोलते हुए केंद्रीय मंत्री ने एक महत्वपूर्ण वैकल्पिक ईंधन के तौर पर इथेनॉल के महत्व पर जोर दिया और बताया कि भारत में अलग-अलग तरह के कच्चे माल से इथेनॉल बनाने की क्षमता है।

गुजरात निकाय चुनाव में सपा की चली साइकिल, भाजपा के गढ़ में ओवैसी की ने मारी एंट्री

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

राजनीतिक नजरिए से गुजरात को भारतीय जनता पार्टी का अभेद किला माना जाता है। लेकिन, गुजरात निकाय चुनाव में इस किले में अखिलेश यादव की साइकिल चलती हुई दिखाई दी है। भाजपा के इस गढ़ में ओवैसी की एआयएमआयएम ने भी एंट्री मार ली है। जानिए वो कौन सी सीटें हैं, जहां सपा और एआयएमआयएम के उम्मीदवारों ने जीत दर्ज की है।

गुजरात निकाय चुनाव में चली सपा की साइकिल

कुटियाना नगरपालिका के वार्ड नंबर 6 के नतीजों में समाजवादी पार्टी के बैनर तले चुनावी मैदान में उतरीं रभीबेन कानाभाई रायगा ने जबरदस्त जीत हासिल की है। इस तरह पोरबंदर जिले की कुटियाना में अखिलेश यादव की साइकिल चली। कुटियाना में विधायक कंधल जडेजा की इस 'प्रतिष्ठा की लड़ाई' में विपक्षी दलों को करारी शिकस्त मिली है। भाजपा और कांग्रेस ने यहां अपनी पूरी ताकत झोंक दी थी, लेकिन वो कंधल के राजनीतिक कौशल और रणनीति के आगे नहीं टिक सके।

यहां भी सपा की धमक दिखाई दी

केवल कुटियाना ही नहीं, बल्कि खेड़ा जिले की काठलाल नगरपालिका में भी समाजवादी पार्टी ने अपनी धमक दिखाई है। काठलाल के वार्ड नंबर 4 में सपा उम्मीदवार की जीत ने साबित कर दिया है कि इस इलाके में मुकाबला त्रिकोणीय हो गया है।

भाजपा के गढ़ में ओवैसी ने मारी एंट्री

कच्छ के भुज में असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआयएमआयएम ने बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए इस इलाके में एंट्री मारी है। क्योंकि भुज नगर पालिका के चुनाव में पहली बार एआयएमआयएम का खाता खुला है। यहां उसके 3 उम्मीदवारों ने शानदार जीत दर्ज की है। वार्ड नंबर 1 में पार्टी के तीन उम्मीदवारों ने जीत हासिल की। सरफराज को 3705 वोट, मुख्तार को 3581 वोट और रोशन को 3370 वोट मिले। भाजपा के वर्चस्व वाले इस क्षेत्र में ओवैसी के दल का जीतना यह संकेत देता है कि अल्पसंख्यक बहुल इलाकों में मतदाताओं ने पारंपरिक दलों के बजाय नए विकल्पों को चुनना शुरू कर दिया है।

2027 के विधानसभा चुनाव का 'लिटमस टेस्ट'

गुजरात में रविवार को हुए स्थानीय निकाय की 9,200 सीटों के चुनावी दंगल के नतीजे आज घोषित किए जाएंगे। सभी मतगणना केंद्रों पर सुबह से ही कड़ी सुरक्षा में वोटों की गिनती जारी है। इस चुनाव को अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों का 'लिटमस टेस्ट' माना जा रहा है। यहां इस बार 15 नगर निगम, 84 नगर पालिकाएं, 34 जिला पंचायतें और 260 तालुका पंचायतों में मतदान हुआ। वहीं, नवसारी, गांधीधाम, मोरबी और वापी सहित 9 नए नगर निगमों के लिए पहली बार वोट डाले गए।

ओवैसी ने भी कई सीटों पर ताल ठोंकी

निकाय चुनाव में सत्ताधारी भाजपा, विपक्षी दल कांग्रेस और अपनी सियासी जमीन तलाश रही आम आदमी पार्टी (आप) के बीच कड़ा मुकाबला है। असदुद्दीन ओवैसी की एआयएमआयएम ने भी कई सीटों पर ताल ठोंकी है। आज के नतीजों से यह साफ हो जाएगा कि क्या भाजपा 2021 की अपनी ऐतिहासिक जीत को दोहरा पाएगी या कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ग्रामीण और शहरी वोटरों में सेंध लगाने में कामयाब रही हैं।

IPS अजय पाल शर्मा और जहांगीर मामले में चुनाव आयोग का एक्शन, BDO सौरव हाजरा सस्पेंड

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

IPS अजय पाल शर्मा-जहांगीर मामले में चुनाव आयोग ने एक्शन लेते हुए BDO सौरव हाजरा को सस्पेंड कर दिया है। फालता बीडीओ पर IPS अजय पाल शर्मा के साथ सहयोग न करने को लेकर एक्शन लिया गया है। दूसरे चरण की वोटिंग से पहले चुनाव आयोग किसी भी तरह की कोई कसर नहीं छोड़ना चाहता है। कल टीएमसी उम्मीदवार जहांगीर खान के क्षेत्र में बवाल हुआ था, जिसमें BDO सौरव हाजरा पर पक्षपातपूर्ण रवैये का आरोप लगे थे, जिसके बाद चुनाव आयोग ने उन्हें सस्पेंड कर दिया है।

क्या है अजय पाल शर्मा-जहांगीर मामला?

कल रात IPS अजय पाल शर्मा का एक वीडियो सामने आया था जिसमें सख्त लहजे में कह रहे थे कि किसी को भी मतदाताओं को डराने-धमकाने की इजाजत नहीं दी जाएगी। चुनाव आयोग के एक अधिकारी ने बताया कि शर्मा ने इस इलाके का दौरा तब किया, जब चुनाव आयोग को रिपोर्ट मिली कि खान के लोग कथित तौर पर निर्वाचन क्षेत्र के लोगों से वोटर ID कार्ड जमा करा रहे हैं और उन्हें धमका रहे हैं।

चुनाव आयोग ने की अजय पाल शर्मा की तैनाती

इस दौरे के दौरान, IPS अधिकारी, जिन्हें उत्तर प्रदेश में 'सिंघम' के नाम से भी जाना जाता है, ने कहा कि वह उम्मीदवार या उसके साथियों को मतदाताओं को डराने-धमकाने की इजाजत नहीं देंगे। अधिकारियों ने बताया कि शर्मा उन 95 पर्यवेक्षकों में शामिल हैं, जिन्हें चुनाव आयोग ने दूसरे चरण में स्वतंत्र और निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करने के लिए तैनात किया है। इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए, TMC उम्मीदवार जहांगीर खान ने तेलुगू एक्शन फिल्म 'पुष्पा' और बॉलीवुड की फिल्म 'सिंघम' का जिक्र करते हुए कहा कि वह 'बीजेपी द्वारा नियुक्त पुलिस अधिकारियों को मतदाताओं को धमकाने' की इजाजत नहीं देंगे।

बैंक में बहन का शव लाने पर विवाद

मंत्री बोले- आरोपी पर कड़ी कार्रवाई होगी

हिंदमाता नेटवर्क @ ओडिशा

ओडिशा के केंदुझार में एक बेबस भाई द्वारा बहन का कंकाल बैंक ले जाने पर राज्य की राजनीति गरमा गई है। जांच में सामने आया है कि मृतक खाताधारक कालरा मुंडा के खाते में दर्ज नॉमिनी की भी मौत हो चुकी थी। इस तकनीकी पेच को सुलझाने के बजाय बैंक कर्मियों ने भाई को परेशान किया। अब इस मामले पर मंत्री सुरेश पुजारी ने सख्त नाराजगी जताते हुए जिम्मेदार बैंक अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। दूसरी ओर, बीजेडी और कांग्रेस ने इसे आदिवासियों के प्रति सरकार की संवेदनहीनता बताते हुए घेराबंदी शुरू कर दी है।

क्या है पूरा मामला?

मामला दियानली गांव का है। जीतू मुंडा की बहन कालरा मुंडा की मृत्यु 26 जनवरी को हुई थी। बहन के बैंक खाते में करीब 20,000 रुपए थे। गरीब और अशिक्षित जीतू को पैसों की सख्त जरूरत थी, जिसके लिए वह ओडिशा ग्रामीण बैंक की मालीपोसी शाखा के चक्कर लगा रहा था। जीतू का आरोप है कि बैंक अधिकारियों ने उसकी एक न सुनी। जब उसने बहन की मौत की बात कही, तो बैंक कर्मियों ने कथित तौर पर कहा कि जब तक खाताधारक खुद नहीं आएगा, पैसे नहीं मिलेंगे। जीतू कानूनी प्रक्रियाओं से अनजान था और बैंक ने उसे सही रास्ता नहीं दिखाया।

हिंदमाता एंकर: भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण ने कहा कि आधार का उद्देश्य अथेंटिफिकेशन के जरिए पहचान को प्रमाणित करना है न कि बर्थडेट बताना

अब आधार कार्ड नहीं होगा उम्र का प्रमाण, UIDAI ने बदले नियम

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

आधार कार्ड को लेकर नया अपडेट आया है। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (UIDAI) के नए आदेश के तहत अब आधार कार्ड को जन्मतिथि (डेट ऑफ बर्थ) का प्रूफ नहीं माना जाएगा। संस्था ने एक लेटर जारी करते हुए इस बात की जानकारी दी है। इसके तहत आधार कार्ड आपकी पहचान का तो सबूत होगा लेकिन इसे इससे आपकी जन्मतिथि प्रमाणित नहीं मानी जाएगी। भले ही उसमे जन्मतिथि क्यों न मौजूद हो।

आधार अब उम्र का प्रूफ नहीं

इस फैसले पर UIDAI ने कहा कि आधार का उद्देश्य अथेंटिफिकेशन के जरिये पहचान को प्रमाणित करना है न कि संबंधित व्यक्ति की डेट ऑफ बर्थ बताना। UIDAI ने यह भी कहा कि आधार कार्ड पर जन्मतिथि यूजर्स के द्वारा नॉमिनेशन या अपडेट के दौरान दी गई जानकारी के आधार पर की जाती है।

आधार सिर्फ पहचान का प्रमाण

UIDAI ने साफ किया है कि आधार कार्ड केवल इस बात की पुष्टि करता है कि जिस व्यक्ति ने अपना आधार बनवाया था, वही व्यक्ति उसे पेश कर रहा है। आधार प्रमाणीकरण (Authentication) में बायोमेट्रिक और अन्य रजिस्टर्ड डिटेल्स की मिलान सेंट्रल डेटाबेस से की जाती है। सफल प्रमाणीकरण से केवल व्यक्ति की पहचान स्थापित होती है, लेकिन जन्मतिथि जैसी अन्य जानकारियों का वेरिफिकेशन नहीं होता है।

एजेंसियां चाहें तो उपयोग कर सकती हैं

UIDAI ने आगे कहा है कि AUA (अथेंटिफिकेशन यूजर एजेंसी) और KUA (केवाईसी यूजर एजेंसी) यह तय कर सकते हैं कि जन्मतिथि निर्धारित करने या उम्र संबंधी जानकारी के लिए आधार का उपयोग किया जाए या नहीं। कल्याणकारी योजनाओं, सब्सिडी या अन्य सरकारी उद्देश्यों के लिए आधार का उपयोग करना या न करना, संबंधित केंद्रीय मंत्रालयों, राज्य सरकारों और अन्य एजेंसियों के विवेक पर निर्भर करता है।

पहचान और पते के प्रमाण के रूप में आधार मान्य

UIDAI ने दोहराया कि आधार के सभी रूप भौतिक आधार कार्ड, ई-आधार, मास्क्ड आधार, ऑफलाइन ML और QR कोड कुछ शर्तों के अधीन पहचान और पते के प्रमाण के रूप में इस्तेमाल किए जा सकते हैं। हालांकि, यूआईडीएआई ने साफ कर दिया है कि आधार कार्ड अपने आप में जन्मतिथि का प्रमाण नहीं है।

गूगल का भारतीय यूजर्स के लिए नया फीचर

- अमेरिकी टेक दिग्गज गूगल ने मंगलवार को घोषणा की कि भारतीय यूजर्स अब अपनी आधार वेरिफाइड क्रेडेंशियल्स को सीधे गूगल वॉलेट में सुरक्षित रूप से सेव कर सकेंगे। यह सुविधा यूजर्स को रोजमर्रा के कामों में पहचान और उम्र सत्यापन के लिए एक सुरक्षित, डिजिटल-फर्स्ट आप्शन देगी।
- गूगल के ब्लॉग पोस्ट के अनुसार, यह फीचर UIDAI के साथ साझेदारी पर आधारित है। यूजर्स अब अपने डिवाइस पर ही पहचान वेरिफाई कर सकेंगे। कंपनी ने 'सेलेक्टिव डिस्क्लोजर' तकनीक का इस्तेमाल किया है, जिससे केवल जरूरी जानकारी ही शेयर की जाएगी, जिससे गोपनीयता पूरी तरह सुरक्षित रहेगी।
- शुरुआती साझेदारों में PVR INOX शामिल है, जो सिनेमाघरों में उम्र जांच और रिवॉर्ड्स के लिए इस सुविधा का इस्तेमाल करेगा। वहीं 'Bharat Matrimony' 'Prime' प्रोफाइल्स के सत्यापन के लिए और Atlys अंतरराष्ट्रीय वीजा आवेदनों को एक टैप में ऑटो-फिल करने के लिए इस फीचर को अपनाएगा।

सीएम योगी का बड़ा ऐलान: यूपी पुलिस में होगी 1 लाख नई भर्तियां

युवाओं को मिलेगा मौका

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ

उत्तर प्रदेश में सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए राहत भरी खबर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ऐलान किया है कि यूपी में इस वर्ष करीब एक लाख नई पुलिस भर्तियां की जाएंगी। यह घोषणा पुलिस दूरसंचार विभाग के 936 चयनित परिचालकों को नियुक्ति पत्र वितरित कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने की। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने साफ शब्दों में कहा कि राज्य सरकार पुलिस बल को और मजबूत बनाने के लिए लगातार काम कर रही है। उन्होंने बताया कि बीते वर्षों में जिस तरह पारदर्शिता और गति के साथ भर्तियां हुई हैं, उसी क्रम को आगे बढ़ाते हुए अब यह बड़ा कदम उठाया जा रहा है।

9 साल में 2.20 लाख से ज्यादा भर्तियां

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में पिछले वर्षों की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए कहा कि बीते 9 सालों में 2 लाख 20 हजार से अधिक पुलिस कर्मियों की भर्ती सफलतापूर्वक पूरी की गई है। यह सिर्फ संख्या नहीं, बल्कि कानून-व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा बदलाव है। उन्होंने कहा कि जब नीयत साफ होती है, नीति स्पष्ट होती है और काम करने की इच्छाशक्ति मजबूत होती है, तब परिणाम भी दिखते हैं। उत्तर प्रदेश पुलिस ने इसी सोच के साथ खुद को एक नई पहचान दी है। मुख्यमंत्री ने कानून व्यवस्था को विकास की पहली शर्त बताते हुए कहा कि आज उत्तर प्रदेश में कानून का राज स्थापित हुआ है। यही कारण है कि देश और विदेश के निवेशक राज्य में निवेश के लिए आगे आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि बेहतर कानून व्यवस्था के कारण ही आज प्रदेश में आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर तेजी से विकसित हो रहा है और उद्योगों को भी अनुकूल माहौल मिल रहा है।

तकनीक और कम्युनिकेशन पर जोर

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने पुलिस व्यवस्था में कम्युनिकेशन की अहमियत पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि किसी भी व्यवस्था को मजबूत बनाने में संचार तंत्र की बड़ी भूमिका होती है। जितना बेहतर कम्युनिकेशन होगा, पुलिस उतनी ही तेजी और सटीकता से काम कर पाएगी। इससे न केवल अपराध नियंत्रण में मदद मिलेगी, बल्कि आम नागरिक को भी राहत मिलेगी। उत्तर प्रदेश पुलिस की एक खास पहल का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य देश का पहला ऐसा प्रदेश है, जिसने 500 से अधिक कुशल खिलाड़ियों को पुलिस बल में शामिल किया है। इसका असर खेल के मैदान में भी देखने को मिला है। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उत्तर प्रदेश पुलिस के खिलाड़ी लगातार पदक जीत रहे हैं, जिससे प्रदेश का नाम रोशन हो रहा है।

होमगार्ड में भी बड़ी भर्ती

मुख्यमंत्री ने कहा कि पहली बार उत्तर प्रदेश होमगार्ड में भी बड़े स्तर पर भर्ती प्रक्रिया आगे बढ़ी है। पिछले तीन दिनों में 41,000 से अधिक पदों के लिए परीक्षाएं संपन्न कराई गई हैं। उन्होंने कहा कि यह संकेत है कि राज्य सरकार सिर्फ पुलिस ही नहीं, बल्कि सुरक्षा से जुड़े हर विभाग को मजबूत करने पर जोर दे रही है।

युवाओं के लिए बड़ा मौका

हालांकि भर्ती की विस्तृत प्रक्रिया, पदों का विवरण और आवेदन की तारीखों को लेकर अभी आधिकारिक अधिसूचना का इंतजार है, लेकिन मुख्यमंत्री के इस ऐलान ने संकेत दे दिया है कि आने वाले समय में बड़ी भर्ती प्रक्रिया देखने को मिलेगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि बीते 9 वर्षों में पुलिस भर्ती और ट्रेनिंग व्यवस्था में बड़ा बदलाव आया है, जिसका परिणाम अब साफ दिखाई दे रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले प्रदेश में पुलिस ट्रेनिंग की क्षमता बेहद सीमित थी। उस समय एक बार में सिर्फ करीब 3,000 पुलिस कर्मियों को ही ट्रेनिंग दी जा सकती थी। यह एक बड़ी चुनौती थी, क्योंकि भर्ती होने के बाद भी जवानों को समय पर प्रशिक्षण देना आसान नहीं था। मुख्यमंत्री ने बताया कि हाल ही में 60,244 आरक्षी पुलिस की भर्ती प्रक्रिया पूरी की गई। बड़ी बात यह रही कि इन सभी जवानों को उत्तर प्रदेश के अपने ही ट्रेनिंग सेंटरों में प्रशिक्षण दिया गया। उन्होंने कहा कि यह बदलाव सिर्फ संख्या का नहीं, बल्कि सोच और व्यवस्था का है। जब नीयत साफ हो, नीति स्पष्ट हो और काम करने की इच्छाशक्ति मजबूत हो, तो बड़े परिणाम हासिल किए जा सकते हैं।

अब 1 लाख नई भर्तियों की तैयारी

मुख्यमंत्री ने साफ किया कि उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड इस वर्ष लगभग 1 लाख नई भर्तियां करने जा रहा है। इसमें सिविल पुलिस, अन्य इकाइयों और होमगार्ड समेत कई स्तरों पर नियुक्तियां होंगी। उन्होंने कहा कि इन भर्तियों का उद्देश्य साफ है कि हर उस युवा को मौका देना, जो योग्य है, सक्षम है और पुलिस बल का हिस्सा बनकर सेवा करना चाहता है। मुख्यमंत्री ने बताया कि उत्तर प्रदेश देश का पहला राज्य है, जिसने 500 से अधिक कुशल खिलाड़ियों को पुलिस बल में शामिल किया है। उन्होंने कहा कि इस पहल का असर अब खेल मैदान में भी दिख रहा है। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उत्तर प्रदेश पुलिस के खिलाड़ी लगातार पदक जीत रहे हैं। इससे पुलिस बल की क्षमता और अनुशासन दोनों का प्रदर्शन होता है।

काशी में PM मोदी: बंगाली महिलाओं ने शंखनाद से किया स्वागत

हिंदमाता नेटवर्क @ वाराणसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 28 और 29 अप्रैल को वाराणसी के दौरे पर हैं, जहां वे बीएलडब्ल्यू खेल मैदान से काशी सहित पूरे पूर्वांचल के लिए 6332.16 करोड़ रुपये की 163 परियोजनाओं का उपहार देंगे। इनमें 1054 करोड़ की 50 परियोजनाओं का लोकार्पण और 5277 करोड़ की 113 परियोजनाओं का शिलान्यास शामिल है। इस दौरे का मुख्य आकर्षण 'नारी शक्ति वंदन महासम्मेलन' है, जिसमें लगभग 40 हजार महिलाएं शामिल हो रही हैं। पीएम मोदी काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन-पूजन भी करेंगे। वाराणसी पुलिस ने सुरक्षा और ट्रैफिक के कड़े इंतजाम सुनिश्चित किए हैं।

स्मार्ट सिटी और स्वास्थ्य सेवाओं पर जोर

काशी को स्मार्ट बनाने की दिशा में प्रधानमंत्री 23 स्कूलों में स्मार्ट क्लास और यूपी कॉलेज में सिंथेटिक हॉकी टर्फ मैदान का लोकार्पण करेंगे। स्वास्थ्य क्षेत्र में बीएचयू ट्रॉमा सेंटर को रोबोटिक घुटना सर्जरी सिस्टम मिलेगा। जिला प्रशासन के अनुसार, इन योजनाओं का सीधा लाभ आम जनता और विशेषकर महिलाओं को मिलेगा। जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार ने पुष्टि की है कि पीएम मोदी की लोकप्रियता को देखते हुए सड़क किनारे जुटने वाली भीड़ के लिए भी विशेष बैरिकेडिंग और सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं।

नारी शक्ति का संगम और अभेद्य सुरक्षा

बीएलडब्ल्यू मैदान में होने वाली इस विशाल रैली की कमान पूरी तरह महिलाओं के हाथ में है। पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल के मुताबिक, सुरक्षा के लिए 1500 महिला पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। पूरे कार्यक्रम स्थल की निगरानी सीसीटीवी कैमरों और एंटी-ड्रोन सिस्टम से की जा रही है। सुरक्षा घेरे में एटीएस और क्यूआरटी (QRT) टीमें भी अत्याधुनिक हथियारों के साथ मौजूद रहेंगी। प्रधानमंत्री के रूट पर 2 हजार अतिरिक्त पुलिस बल तैनात हैं और ट्रैफिक डायवर्जन इस तरह लागू किया गया है कि आम जनता को परेशानी न हो।

बंगाली महिलाओं ने शंखनाद से किया स्वागत

पीएम मोदी के आगमन पर काशी के घाटों पर अद्भुत नजारा देखने को मिला। पश्चिम बंगाल में जारी चुनावी सरगर्मियों के बीच, काशी की बंगाली भाजपा महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं ने गंगा घाट पर एकत्र होकर शंखनाद किया। कार्यकर्ता रीना पात्रो ने बताया कि प्रधानमंत्री के स्वागत और बंगाल में जीत के विश्वास को प्रकट करने के लिए यह आयोजन किया गया। करीब दो दर्जन महिलाओं ने पारंपरिक अंदाज में शंख बजाकर पीएम का वेलकम किया, जो शहर में चर्चा का विषय बना हुआ है।

विकास की नई रफ्तार: लोकार्पण और शिलान्यास

प्रधानमंत्री द्वारा लोकार्पित की जाने वाली मुख्य परियोजनाओं में 308 करोड़ का भगवानपुर सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (STP) और 277 करोड़ की वाराणसी-आजमगढ़ रोड का चौड़ीकरण शामिल है। इसके अलावा, कज्जाकपुरा और कादीपुर में नए रेलवे ओवरब्रिज (ROB) का उद्घाटन होगा। शिलान्यास वाली सूची में सबसे बड़ा प्रोजेक्ट गंगा नदी पर नया रेल-सह-सड़क पुल और मल्टी-ट्रैकिंग कार्य है, जिसकी लागत 2464 करोड़ रुपये है। साथ ही, एसएसपीजी (SSPG) अस्पताल में 500 बेड का मल्टी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल बनाने की भी नींव रखी जाएगी।

बांदा में गर्मी ने तोड़ा 75 साल का रिकॉर्ड, तापमान 47 डिग्री पार

लखनऊ में बने कूलिंग पॉइंट्स

हिंदमाता नेटवर्क @ बांदा

उत्तर प्रदेश में भीषण गर्मी का कहर जारी है। बांदा में सोमवार को अधिकतम तापमान 47.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के मुताबिक, यह अप्रैल महीने में बांदा का 75 साल का नया रिकॉर्ड है। साल 1951 से अब तक अप्रैल में बांदा में इतनी गर्मी कभी नहीं पड़ी थी। पहले का रिकॉर्ड 47.4 डिग्री था, जो 25 अप्रैल 2026 को और 30 अप्रैल 2022 को दर्ज किया गया था। अब 0.2 डिग्री बढ़कर नया रिकॉर्ड बन गया है। बांदा न सिर्फ उत्तर प्रदेश बल्कि पूरे देश में सबसे गर्म शहरों में शामिल है।

गर्मी से बेहाल कई शहर, पारा 40 डिग्री पार

देश के ज्यादातर हिस्सों में दिन का तापमान 40 से 46 डिग्री के बीच दर्ज किया जा रहा है। केवल पश्चिमी हिमालय क्षेत्र, पूर्वोत्तर बिहार और पूर्वोत्तर भारत में तापमान 36 डिग्री से नीचे है। बुंदेलखंड क्षेत्र में सबसे ज्यादा सताने वाली गर्मी पड़ रही है। लखनऊ में भी पारा 40 डिग्री के ऊपर चला गया है। यूपी की राजधानी में नगर निगम ने गर्मी से राहत के लिए कुछ जगहों पर कूलिंग पॉइंट्स बनाए हैं। इन केंद्रों पर कूलर, ठंडा पानी, गुड़, बेड और जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं।

उमस ने बढ़ाई परेशानी

मध्य और पूर्वी उत्तर प्रदेश में पुरवा हवा (पूर्वी हवा) चलने से दिन की तपिश में कुछ राहत मिली, लेकिन रात की उमस लोगों को बेचैन कर रही है। बाराबंकी में न्यूनतम तापमान 30.0 डिग्री दर्ज किया गया, जो सामान्य से 7.4 डिग्री ज्यादा है। मौसम विभाग लखनऊ के अनुसार, बुंदेलखंड में तपिश बनी हुई है, जबकि अन्य इलाकों में पुरवा हवा के कारण अधिकतम तापमान करीब 4 डिग्री तक गिर गया है। मौसम विभाग के मुताबिक, पूर्वी उत्तर प्रदेश पर चक्रवाती हवा का प्रभाव है। इसकी ट्रफ लाइन बंगाल की खाड़ी तक फैली हुई है, जिससे पुरवा हवा चल रही है। देश के उत्तर-पश्चिमी हिस्से में एक्टिव पश्चिमी विक्षोभ का असर भी दिख रहा है। सोमवार को ललितपुर और झांसी में छिटपुट बारिश हुई है। IMD के मुताबिक, मंगलवार को पूर्वी उत्तर प्रदेश में बादल छाए रहने और कहीं-कहीं हल्की बारिश व गरज-चमक के साथ बारिश का सिलसिला जारी रहने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, विक्षोभ के कारण कुछ दिनों तक राहत मिल सकती है, लेकिन उसके बाद मई में तापमान फिर बढ़ने की आशंका है। गर्मी और हीटवेव को देखते हुए उत्तर प्रदेश सरकार ने सभी स्कूलों के लिए विशेष एडवाइजरी जारी की है। स्कूलों में हीटवेव से निपटने के लिए खास इंतजाम करने के निर्देश दिए गए हैं। सरकार ने सभी जिलों को ओआरएस, ग्लूकोज समेत जरूरी उपचार किट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। अस्पतालों में हीट स्ट्रोक के मरीजों के लिए अलग व्यवस्था करने को भी कहा गया है।

नोएडा: बुजुर्ग से 85 लाख की ठगी

खुद को CBI अधिकारी बता ठगों ने ऐंठे रुपये

हिंदमाता नेटवर्क @ नोएडा

नोएडा के सेक्टर-51 स्थित केंद्रीय विहार में रहने वाले 84 वर्षीय बुजुर्ग के साथ साइबर ठगी का बड़ा मामला सामने आया है। यहां ठगों ने खुद को साइबर सेल और सीबीआई अधिकारी बताकर उन्हें झांसे में लिया और डिजिटल अरेस्ट कर करीब 85 लाख रुपये की ठगी कर ली।

एक बार 30, फिर 55 लाख कराया गया ट्रांसफर

पीड़ित धीरेंद्र के शिकायत के अनुसार उनके पास एक कॉल आया जिसमें कॉलर ने खुद को बेंगलुरु साइबर सेल का अधिकारी बताया। उसने कहा कि उनके आधार कार्ड का दुरुपयोग कर अवैध गतिविधियों में इस्तेमाल हो रहा मोबाइल खरीदा गया है। इसके बाद कॉल को दूसरे लोगों से जोड़ दिया गया, जिन्होंने खुद को पुलिस और सीबीआई अधिकारी बताया और मनी लॉन्ड्रिंग व अन्य गंभीर मामलों में फंसाने की धमकी दी। 7 से 22 अप्रैल के बीच ठगों ने व्हाट्सएप वीडियो कॉल के जरिए लगातार पूछताछ की और खुद को सुप्रीम कोर्ट और सीबीआई से जुड़ा बताकर डराया। उन्होंने गिरफ्तारी और संपत्ति जब्ती का डर दिखाकर पीड़ित से बैंक खातों की जानकारी ली और पैसे ट्रांसफर करवा लिया। ठगों के झांसे में आकर पीड़ित ने पहले 13 अप्रैल को 30 लाख रुपये और फिर 21 अप्रैल को 55 लाख रुपये अलग-अलग बैंक खातों में ट्रांसफर कर दिए।

मनी ट्रेल वेरिफिकेशन के नाम पर कराया पैसा ट्रांसफर

ठगों ने इसे "मनी ट्रेल वेरिफिकेशन" बताकर भरोसा दिलाया कि जांच पूरी होने के बाद रकम वापस कर दी जाएगी। आखिरी बार 22 अप्रैल को ठगों ने एक फर्जी सीबीआई लेटर दिखाकर 1.24 करोड़ रुपये और जमा करने का दबाव बनाया, जिसे पीड़ित ने मना कर दिया। इसके बाद ठगों ने संपर्क बंद कर दिया। जिसके बाद पीड़ित को ठगी का एहसास हुआ। जिसके बाद पीड़ित ने 25 अप्रैल को ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई है और उसके बाद थाना साइबर क्राइम सेक्टर 36 में भी शिकायत दर्ज करवाया। अब साइबर क्राइम पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

लड़की फुसलाकर ले गया और किया रेप

हाईवे से ऐसे दबोचा गया दरिंदा

हिंदमाता नेटवर्क @ सहारनपुर

उत्तर प्रदेश में सहारनपुर के थाना फतेहपुर क्षेत्र में पुलिस ने दुष्कर्म के आरोपी को गिरफ्तार कर सफलता हासिल की है। 23 अप्रैल 2026 को वादी द्वारा दी गई तहरीर में अज्ञात व्यक्ति पर बेटी को बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप लगाया गया था, जिस पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल कार्रवाई तेज कर दी। जांच के दौरान आरोपी की पहचान नासिर पुत्र कलाम निवासी पालघर, महाराष्ट्र के रूप में हुई। पीड़िता हिंदू लड़की की बरामदगी और बयानों के आधार पर मुकदमे में दुष्कर्म की धारा भी जोड़ी गई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर पुलिस टीम ने लगातार दबिश दी और आखिरकार आरोपी को दिल्ली-देहरादून हाईवे पर छुटमलपुर कट के पास से गिरफ्तार कर लिया। पूरे ऑपरेशन को पुलिस अधीक्षक ग्रामीण और क्षेत्राधिकारी सदर के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी विरेन्द्र सिंह राणा के नेतृत्व में अंजाम दिया गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई पूरी करते हुए उसे न्यायालय में पेश करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस कार्रवाई से क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस की सक्रियता साफ नजर आ रही है।

हमीरपुर में भीषण सड़क हादसा, बरातियों से भरी गाड़ी को ट्रक ने मारी टक्कर

दूल्हे के भाई समेत 4 की मौत

हिंदमाता नेटवर्क @ हमीरपुर

उत्तर प्रदेश के हमीरपुर में एक भीषण सड़क हादसा हुआ है। बरातियों से भरी ईको वैन को एक तेज रफ्तार ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में दूल्हे के भाई समेत चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा इतना भीषण था कि ट्रक चालक वैन को लगभग 100 मीटर तक घसीटता ले गया। यह घटना मौदहा कोतवाली क्षेत्र के छिरका गांव के पास NH-34 पर हुई। बताया जा रहा है कि सभी लोग एक ईको वैन में सवार होकर महोबा जिले में आयोजित एक शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे। जैसे ही उनकी गाड़ी छिरका गांव के पास पहुंची, तभी सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक डंपर ने नियंत्रण खो दिया और वैन में टक्कर मार दी। टक्कर की आवाज इतनी तेज थी कि आसपास के लोग तुरंत घटनास्थल की ओर दौड़ पड़े।

घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया

स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने राहत और बचाव कार्य शुरू किया और वैन में फंसे लोगों को बाहर निकाला। हादसे में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन घायलों को तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया गया। घायलों की हालत गंभीर होने के कारण उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए फरार ट्रक चालक का पीछा किया और उसे घटनास्थल से करीब 10 किलोमीटर दूर ट्रक समेत पकड़ लिया। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अधीक्षक मृगांक पाठक ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि हादसे के कारणों की जांच की जा रही है।

परिवारों में मचा कोहराम

मृतकों की पहचान वैन चालक कमलेश (45) निवासी डामर गांव, जीतू (30), दूल्हे रमाकांत के छोटे भाई शशिकांत (30) और मोहन (24) के रूप में हुई है। वहीं घायलों में रोहित (19), दिलीप (60) और कमलेश (30) शामिल हैं। सभी मृतक और घायल कुरारा थाना क्षेत्र के निवासी बताए जा रहे हैं। इस हादसे के बाद परिवारों में कोहराम मच गया है। जो लोग खुशी के मौके पर शामिल होने जा रहे थे, उन्हें क्या पता था कि रास्ते में ऐसा भीषण हादसा उनका इंतजार कर रहा है।

हिंदमाता एंकर: कोर्ट ने कहा कि बालिगों के बीच सहमति से लंबे समय तक चलने वाला शारीरिक संबंध बलात्कार नहीं हो सकता है

सहमति से शारीरिक संबंध रेप नहीं आरोपी की याचिका पर इलाहाबाद हाई कोर्ट का बड़ा फैसला

हिंदमाता नेटवर्क @ इलाहाबाद

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने रेप केस में एक आरोपी की अग्रिम याचिका पर मंगलवार (28 फरवरी) को सुनवाई की। इस दौरान कोर्ट ने एक बड़ी टिप्पणी की। कोर्ट ने कहा कि बालिगों के बीच सहमति से लंबे समय तक चलने वाला शारीरिक संबंध बलात्कार नहीं हो सकता है। कोर्ट ने इस केस में आरोपी की अग्रिम जमानत याचिका मंजूर करते हुए यह आदेश दिया। इलाहाबाद हाईकोर्ट में जस्टिस राजीव लोचन शुक्ला की सिंगल बेंच ने आरोपी को सशर्त अग्रिम जमानत देते हुए कहा कि वो पुलिस जांच में सहयोग करेगा। इस मामले पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनीं, जिसके बाद कोर्ट ने यह टिप्पणी की।

HC से अग्रिम जमानत देने की मांग

जानकारी के मुताबिक आरोपी ने इलाहाबाद हाईकोर्ट का दरवाजा तब खटखटाया जब मामले में कथित पीड़िता ने उसके खिलाफ बीएनएस की अलग-अलग धाराओं के तहत FIR दर्ज कराई। आरोपी याचिकाकर्ता ने आजमगढ़ के सिधारी थाने में बीएनएस की धारा 64, 115(2) और 351(3) के तहत FIR दर्ज होने के बाद गिरफ्तारी से बचने के लिए हाई कोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दाखिल करते हुए कोर्ट से अग्रिम जमानत देने की मांग की थी।

'रेप केस में फर्जी तरीके से फंसाया गया'

सुनवाई के दौरान याची के वकील ने कोर्ट ने दलील देते हुए कहा कि याची को बलात्कार केस में फर्जी तरीके से फंसाया गया है। उन्होंने कोर्ट में अपनी सारी दलीलें रखीं। कोर्ट ने सभी तथ्यों के आधार पर माना कि सहमति से बालिगों के बीच लंबे समय से चले आ रहे फिजिकल रिलेशन को बलात्कार नहीं माना जा सकता है।

बयान और FIR में अलग-अलग बात

पीड़ित जो एक विधवा है और उसका 15 साल का बेटा है उसने बीएनएस की धारा 173(4) के तहत एक अर्जी के आधार पर याची के खिलाफ झूठी रिपोर्ट दर्ज कराई है। बीएनएस की धारा 183 के तहत दर्ज किया गया बयान FIR में बताई गई कहानी से बिल्कुल अलग है। धारा 183 के तहत दर्ज बयान में आपसी सहमति से संबंध दिखाया गया है और याचिकाकर्ता के खिलाफ बीएनएस की धारा 64(1) के तहत कोई अपराध नहीं बनता है। वहीं याची का कोई क्रिमिनल इतिहास नहीं है। कोर्ट ने सुनवाई के दौरान पाया कि मामले में महिला ने दावा किया कि उसने 2022 से याचिकाकर्ता से बात करना शुरू किया था। हालांकि कोर्ट में सरकार की तरफ से अग्रिम जमानत याचिका का विरोध किया गया। कहा गया कि याची इस मामले में अकेला नामजद आरोपी है। उसने पीड़िता का फायदा उठाते हुए बंदूक की नोक पर उसके साथ रेप किया।

'सहमति से शारीरिक संबंध रेप नहीं'

सभी पक्षों को सुनने के बाद कोर्ट ने कहा कि FIR में यह नहीं बताया गया कि पीड़िता और याचिकाकर्ता के बीच सहमति से रिश्ता था। बीएनएसS 183 के तहत दर्ज बयान में पीड़िता का दावा है कि उसने साल 2022 से याची से फोन पर बात करना शुरू कर दिया था और उसके साथ शारीरिक संबंध भी बनाए थे। वह लगभग 35 साल की विधवा है जिसका एक 15 साल का बेटा है। सभी तथ्यों के आधार पर कोर्ट ने माना कि सहमति से बालिगों के बीच लंबे समय से चले आ रहे फिजिकल रिलेशन को रेप नहीं कहा जा सकता। कोर्ट ने कहा कि जहां तक इस घटना का सवाल है जिसमें याची के बारे में कहा गया है कि उसने बंदूक की नोक पर पीड़िता के साथ रेप किया।

शॉर्ट स्टोरी

'महिलाओं के साथ NDA ने किया विश्वासघात', तेजस्वी यादव ने घेरा

हिंदमाता नेटवर्क @ बगहा

बिहार में महिलाओं के कल्याण का मुद्दा राजनीतिक टकराव का मंच बन गया है। बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव और पूर्व मंत्री श्रेयसी सिंह इस मुद्दे पर आमने-सामने आ गए हैं। तेजस्वी ने एनडीए सरकार पर महिलाओं के साथ विश्वासघात का आरोप लगाया है। वहीं, श्रेयसी ने तेजस्वी के आरोप खारिज करते हुए दावा किया है कि सरकार की ठोस नीतियों ने महिलाओं को सशक्त बनाया है। तेजस्वी यादव ने कड़े शब्दों में कहा कि एनडीए सरकार ने झूठे वादों के जरिए महिलाओं को गुमराह कर और उनकी भावनाओं का चुनावी फायदा उठाकर उनके साथ विश्वासघात किया है। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान महिलाओं और जीविका दीदियों के बैंक खातों में पैसे डाले गए, ताकि वोटरों को प्रभावित किया जा सके और उन्हें धमकाया गया कि उनके वोट पर नजर रखी जा रही है। अगर उन्होंने किसी खास पार्टी को वोट नहीं दिया, तो पैसे वापस लिए जा सकते हैं। उन्होंने आगे कहा कि महिलाओं को दो लाख रुपये तक की आर्थिक सहायता का वादा किया गया था, लेकिन छह महीने बाद भी न तो सभी लाभार्थियों को पहली किस्त मिली है और न ही दूसरी किस्त जारी की गई है। तेजस्वी यादव ने राज्य की वित्तीय स्थिति पर भी चिंता जाहिर की और कहा कि खजाना लगभग खाली है। उन्होंने कहा कि चुनावी फायदे के लिए करीब 41 हजार करोड़ रुपये के खर्च ने बिहार को कठिन आर्थिक हालात में डाल दिया है।

पत्नी बनी हाई प्रोफाइल कॉल गर्ल, होटल में पकड़ी गई तो पति के उड़े होश

हिंदमाता नेटवर्क @ मुजफ्फरपुर

चकाचौंध दुनिया और मंहगे शौक पूरा करने के लिए एक लड़की शार्टकट अपनाते हुए देह व्यापार के धंधे में उतर गई। ऐसा ही खुलासा तब हुआ जब बेगूसराय पुलिस ने एक होटल में छापेमारी की। यहां बंगाल की रहने वाली एक युवती एक ग्राहक के साथ आपत्तिजनक हालत में पकड़ी गई। पुलिस ने होटल मैनेजर को भी देह व्यापार कराने के आरोप में गिरफ्तार किया है। दरअसल बेगूसराय पुलिस ने नगर थाना क्षेत्र के शहर के सुभाष चौक स्थित होटल गणपति में छापेमारी की जहां पर एक बड़े देह व्यापार गिरोह का भंडाफोड़ किया है। इस कार्रवाई में पुलिस ने पश्चिम बंगाल की रहने वाली 25 साल की महिला, एक ग्राहक और होटल स्टाफ को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में महिला ने अपनी जो आपबीती सुनाई, वह आधुनिक जीवन की चकाचौंध और सोशल मीडिया के खतरों की एक डरावनी तस्वीर पेश करती है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि एक होटल में बिना किसी रजिस्टर मेंटेनेंस के बाहर से हाई प्रोफाइल कॉल गर्ल्स बुलाकर देह व्यापार कराया जा रहा है। सूचना मिलते ही सदर एसडीओ अनिल कुमार और डीएसपी आनंद कुमार पांडेय के नेतृत्व में महिला पुलिस और भारी पुलिस बल ने होटल गणपति के 20 कमरों की तलाशी ली। छापेमारी के दौरान महिला को पटना के रहने वाले विक्की कुमार नामक ग्राहक के साथ आपत्तिजनक स्थिति में पकड़ा गया। पुलिस ने मानव तस्करी और देह व्यापार की धाराओं के तहत मामला दर्ज कर महिला, ग्राहक विक्की कुमार और होटल स्टाफ सोना कुमार को जेल भेज दिया है। गिरफ्तार महिला ने पुलिस को बताया कि 'उसकी पहली शादी 7 साल पहले पश्चिम बंगाल के बारहसात में हुई थी। वहां उसका एक बेटा भी हुआ लेकिन अपने शौक पूरे ना होने के कारण उसने पहले पति को छोड़ दिया। करीब दो साल पहले एक शादी समारोह में उसकी मुलाकात पटना के राहुल से हुई। प्यार के चक्कर में वह अपने बेटे को लेकर राहुल के साथ भागकर पटना आ गई और मंदिर में शादी कर ली। राहुल की 14 हजार रुपये की सैलरी उसके महंगे कपड़ों और ब्रांडेड मोबाइल के शौक को पूरा करने के लिए नाकाफी थी। नौकरी की तलाश के दौरान सोशल मीडिया पर एक अज्ञात महिला के संपर्क में आई। उस महिला ने पहले उसे महंगे गिफ्ट्स और मोबाइल दिलाकर विश्वास में लिया और फिर धीरे-धीरे उसे देह व्यापार के दलदल में धकेल दिया।

बेड पर मिली मां और दो मासूमों की लाश, सन्न रह गया बारात से लौटा पति

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंगेर

बिहार के मुजफ्फरपुर से दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक महिला और उसके दो मासूम बच्चों की संदिग्ध परिस्थितियों में हत्या कर दी गई। तीनों के शव घर के कमरे में बेड पर पड़े मिले। मामला पानापुर करियात थाना क्षेत्र के शाहबाजपुर मठ इलाके का है। मृतकों की पहचान 30 साल की रीता देवी, उनकी 2 साल की बेटी वैष्णवी और 3 महीने के बेटे कन्हैया के रूप में हुई है। घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। बताया जा रहा है कि महिला का पति मिठाई लाल शाह कैटरिंग का काम करता है और सोमवार रात वह अपने भाई के साथ एक बारात में गया था। देर रात करीब 3:30 बजे जब वह घर लौटा तो दरवाजा बाहर से बंद मिला। किसी तरह दरवाजा खोलकर जब वह अंदर पहुंचा तो कमरे में पत्नी और दोनों बच्चों के शव बेड पर पड़े थे। पास में एक रस्सी भी मिली है। परिजनों का आरोप है कि तीनों की गला घोंटकर हत्या की गई है। मृतका की सास उर्मिला देवी ने गांव के कुछ रिश्तेदारों पर जमीन विवाद को लेकर हत्या का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि पहले भी उनके बेटे को जान से मारने की कोशिश की जा चुकी है और लगातार धमकियां मिल रही थीं। मिठाई लाल के मुताबिक, घटना से पहले भी रिश्तेदारों ने पूरे परिवार को खत्म करने की धमकी दी थी। उसने बताया कि जमीन को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा है। घटना की सूचना मिलते ही DSP पश्चिमी सुचित्रा कुमारी मौके पर पहुंचीं और जांच शुरू कर दी गई। फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया गया है। पुलिस का कहना है कि मामले की हर एंगल से जांच की जा रही है और पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की असली वजह स्पष्ट हो सकेगी। फिलहाल इस ट्रिपल मर्डर ने इलाके में दहशत का माहौल पैदा कर दिया है और पुलिस जल्द ही मामले के खुलासे का दावा कर रही है।

पेट्रोलियम देशों की सबसे बड़ी संस्था से बाहर निकलेगा यूएई

ईरान जंग के बीच लिया फैसला

हिंदमाता नेटवर्क @ तेल अवीव
ईरान से तनाव के बीच संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने बड़ा फैसला लिया है। यूएई ने पेट्रोलियम देशों के ग्रुप्स OPEC और OPEC+ से बाहर निकलने का फैसला किया है। यह फैसला ऐसे वक्त में लिया गया है, जब खाड़ी परिषद (GCC) से उसका तनाव चल रहा है। यूएई के इस कदम सेग्रुप्स के असल लीडर, सऊदी अरब को बड़ा झटका लग सकता है। OPEC के पुराने सदस्य यूएई के जाने से गड़बड़ी हो सकती है और यह ग्रुप कमज़ोर हो सकता है, जो आमतौर पर जियोपॉलिटिक्स से लेकर प्रोडक्शन कोटा तक कई मुद्दों पर अंदरूनी मतभेदों के बावजूद एकजुटता दिखाने की कोशिश करता रहा है। OPEC देश पहले से ही ईरान की धमकियों और जहाजों पर हमलों की वजह से होर्मुज़ स्ट्रेट के जरिए एक्सपोर्ट भेजने में मुश्किल महसूस कर रहे हैं। होर्मुज ईरान और ओमान के बीच एक पतला रास्ता है, जिससे दुनिया का पांचवां कच्चा तेल और लिक्विफाइड नैचुरल गैस का कारोबार होता है। पहले से होर्मुज बंदी झेल रहे OPEC को यूएई के इस कदम से बड़ा झटका लगने की उम्मीद है।

यूएई के सरकार ने क्या कहा?

यूएई के ऊर्जा मंत्री ने OPEC और OPEC+ प्लस से अलग होने के फैसले पर कहा, यह निर्णय स्वतंत्र रूप से लिया गया था और सऊदी अरब सहित किसी अन्य देश के साथ कोई प्रत्यक्ष परामर्श नहीं किया गया है। हम अपना फैसला खुद लेने में सक्षम हैं। यूएई सरकार का कहना है कि यह निर्णय यूएई की उत्पादन नीति और उसकी वर्तमान और भविष्य की क्षमता की व्यापक समीक्षा के बाद लिया गया है और यह हमारे राष्ट्रीय हित और बाजार की तात्कालिक जरूरतों को पूरा करने में प्रभावी ढंग से योगदान देने की हमारी प्रतिबद्धता पर आधारित है।

क्या ये ट्रंप के लिए अच्छी खबर?

OPEC से यूएई का बाहर निकलना अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लिए एक बड़ी जीत है, जिन्होंने इस ऑर्गनाइज़ेशन पर तेल की कीमतें बढ़ाकर 'बाकी दुनिया को लूटने' का आरोप लगाया है। ट्रंप पहले से ही इस ग्रुप को कमजोर करना चाहते हैं, बता दें, इस ग्रुप में रूस और सऊदी अरब का वर्चस्व है।

ओपेक और ओपेक प्लस क्या है?

तेल उत्पादन और बिक्री को लेकर नीति तैयार करने के लिए साल 1960 में इसकी स्थापना की गई थी। शुरुआत में इस संस्था के अंदर इराक, ईरान, कुवैत, सऊदी अरब और वेनेजुएला शामिल था। बाद में इसकी संख्या बढ़ा दी गई। वर्तमान में इस संगठन के अंदर सऊदी अरब, इराक, ईरान, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), लीबिया, इंडोनेशिया, कुवैत, नाइजीरिया, वेनेजुएला शामिल हैं। ओपेक प्लस देशों में इन 12 सदस्यों के अलावा 10 और देश हैं, जिनमें रूस, अजरबैजान, बहरीन, ब्रुनेई, कजाकिस्तान, मलेशिया, मैक्सिको, ओमान और दक्षिण सूडान शामिल हैं।

अफगानिस्तान में मिला तेल का भंडार

निकालने की प्रक्रिया शुरू

हिंदमाता नेटवर्क @ काबुल
मध्यपूर्व तनाव की वजह से विश्वभर में तेल संकट बना हुआ है। ईरान की ओर से होर्मुज स्ट्रेट बंद करने से दुनिया का 20 फीसद तेल का व्यापार प्रभावित हुआ है। भारत ने भी अपने तेल आयात के दूसरे विकल्प खोजने शुरू कर दिए हैं, हाल ही में अफ्रीका के कई देशों से तेल भारत आया है। इस बीच अफगानिस्तान से एक ऐसी खबर आई है, जो तेल की कमी को दूर करने की उम्मीद जगा रही है। अफगानिस्तान के माइंस और पेट्रोलियम मंत्रालय ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि उसने उत्तरी जौजजान प्रांत में अमू दरिया तेल बेसिन के जमराड साई इलाके में पांच कुओं से तेल निकालना शुरू कर दिया है। बयान के मुताबिक कुओं से अभी हर दिन लगभग 500 क्यूबिक मीटर तेल निकल रहा है। पिछले छह महीनों में ही, जमराड साई इलाके में 400 किमी के नए सीस्मिक सर्वे किए गए, जिससे तेल और गैस की और संभावनाओं का पता चला। अगर अफगानिस्तान में अपने स्त्रोतों से तेल निकालने और फिर उसका निर्यात करने में कामयाब होता है, तो पिछले कई दश्कों से चल रही देश में अस्थरता और बदहाली दूर की जा सकती है। साथ ही ये भारत के लिए भी फायदेमंद साबित हो सकता है। भारत के अफगानिस्तान के साथ अच्छे रिश्ते हैं। अगर तालिबान तेल निर्यात शुरू करता है, तो भारत अफगानिस्तान से तेल खरीद सकता है। अफगानी तेल भारत कम समय और कम लागत में आ सकता है।

अफगान इंजीनियरों की रंग लाई मेहनत

अफगान इंजीनियरों द्वारा किए गए तीन साल के गहन जियोलॉजिकल सर्वे, रिसर्च और ड्रिलिंग के बाद अब इस फील्ड के बारह कुओं में से पांच में पायलट प्रोडक्शन शुरू हो गया है। अधिकारियों ने कहा कि अफगान स्पेशलिस्ट द्वारा प्राकृतिक संसाधनों के सिस्टमैटिक मैनेजमेंट और इस्तेमाल के लिए अब बड़े प्लान लागू किए जा रहे हैं। अफगान सरकार ने देश में तेल, गैस और मिनरल निकालने को बढ़ाने के मकसद से घरेलू और विदेशी दोनों कंपनियों के साथ कई कॉन्ट्रैक्ट साइन किए हैं।

चीनी कंपनियों के साथ किया था करार

2023 में अफगानिस्तान की तालिबान सरकार ने अमू दरिया बेसिन से तेल निकालने और देश के उत्तरी सर-ए-पुल प्रांत में एक तेल रिजर्व बनाने के लिए एक चीनी कंपनी के साथ एक कॉन्ट्रैक्ट साइन किया था। इस कॉन्ट्रैक्ट को माइंस और पेट्रोलियम मंत्री शेख शहाबुद्दीन डेलावर और शिनजियांग सेंट्रल एशिया पेट्रोलियम एंड गैस कंपनी के एक अधिकारी ने साइन किया था।

साउथ सूडान में विमान हादसा

पायलट समेत सभी 14 की यात्रियों की मौत

हिंदमाता नेटवर्क @ सूडान
साउथ सूडान की राजधानी के पास एक बड़ा विमान हादसा हुआ है। लोकल अधिकारियों के मुताबिक सोमवार को साउथ सूडान में राजधानी जूबा के पास एक छोटा प्लेन क्रैश हो गया, जिसमें सभी 13 पैसेंजर और पायलट की मौत हो गई। सुडान लंबे समय से अस्थिरता, लड़ाई और गरीबी के अलावा, भरोसेमंद ट्रांसपोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर की भी कमी से भी जूझ रहा है, जहां ओवरलोडिंग और खराब मौसम की वजह से अक्सर प्लेन क्रैश होते रहते हैं। साउथ सूडानी सिविल एविएशन अथॉरिटी ने एक बयान में कहा कि प्लेन एक सेसना था जो 0715 GMT पर जूबा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से निकला था और राजधानी से करीब 20 किलोमीटर दूर क्रैश हो गया, जिसमें कोई नहीं बचा। उसने कहा कि शुरुआती रिपोर्ट में इसका कारण खराब मौसम, खासकर कम विजिबिलिटी बताया गया है। मरने वालों में 12 साउथ सूडानी और दो केन्याई नागरिक थे। मौके पर भेजी गई UN रेस्क्यू टीम के एक सदस्य ने नाम न बताने की शर्त पर कहा, "सभी बॉडी इतनी जल गई थीं कि पहचान में नहीं आ रही थीं।"

कैसे हुआ विमान हादसा?

साउथ सूडान की सिविल एविएशन अथॉरिटी ने कहा कि शुरुआती जांच से पता चलता है कि खराब मौसम की वजह से कम विजिबिलिटी की वजह से एयरक्राफ्ट क्रैश हुआ होगा। एजेंसी ने बताया कि जूबा से करीब 20 किलोमीटर दूर क्रैश साइट पर एक टीम भेजी गई है, ताकि डिटेल्स इकट्ठा की जा सकें और इमरजेंसी में मदद की जा सके। सोशल मीडिया पर चल रहे वीडियो में एयरक्राफ्ट का मलबा आग की लपटों में घिरा हुआ दिख रहा है और आस-पास का इलाका पहाड़ी और धुंधला दिख रहा है।

सुडान में तेजी से बढ़ रहे विमान हादसे

जनवरी 2025 में उत्तरी साउथ सूडान में एक प्लेन क्रैश में बीस लोगों की मौत हो गई थी। 2021 में वर्ल्ड फूड प्रोग्राम के लिए फ़्यूल ले जा रहे एक कार्गो प्लेन के क्रैश होने से पांच लोगों की मौत हो गई थी। 2015 में जूबा में सोवियत-काल के एंटोनोव एयरक्राफ्ट के क्रैश होने से 36 लोगों की मौत हो गई थी और 2017 में एक प्लेन जो रनवे से फिसल गया था, आग लगने से पहले एक फायर ट्रक से टकरा गया था, लेकिन उसमें सवार सभी 37 लोग चमत्कारिक रूप से बच गए थे।

कुवैत से बहरीन तकअपने ही लोगों की नागरिकता क्यों छीन रहे हैं खाड़ी देश?

हिंदमाता नेटवर्क @ तेल अवीव
ईरान जंग के बाद खाड़ी देशों के बीच अपने ही नागरिकों की नागरिकता छिनने का ट्रेंड शुरू हो गया है। रविवार को कुवैत ने 1266 नागरिकों की नागरिकता रद्द करने का ऐलान किया था। इसके 24 घंटे बाद बहरीन ने 69 नागरिकों की नागरिकता छिन ली है। बहरीन का कहना है कि राजा के आदेश के बाद इन लोगों की नागरिकता छिन ली गई है। नागरिकता गंवाने वाले लोगों की सूची में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। जानकारों का कहना है कि जंग के बाद जिस तरीके से इस ट्रेंड की शुरुआत हुई है, वो काफी खतरनाक है। इससे आने वाले वक्त में हजारों लोगों की नागरिकता खतरे में पड़ सकती है।

1266 नागरिकों को कुवैत ने किया बाहर

न्यूज अरब की रिपोर्ट के मुताबिक कुवैत ने 1266 नागरिकों की नागरिकता छीन ली है। जिन लोगों की नागरिकता छिनी गई है, उनमें पूर्व सांसद अल-फिक्र, पूर्व राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के खिलाड़ी अहमद अल-तराबुलसी, मशहूर लेखक अब्दुलअजीज अल-सारी के नाम शामिल हैं। कुवैत का कहना है कि नागरिकता ऐसे लोगों की रद्द की गई है, जो कुवैत के रहने वाले नहीं हैं। कुवैत ने अधिकांश उन लोगों की नागरिकता खत्म की है, जो कुवैती नागरिकों से शादी कर वहां के स्थाई नागरिक बन गए थे। कुवैत 2024 से ही इसके लिए अभियान चला रहा है। कहा जा रहा है कि कुवैत इस अभियान के जरिए ईरान और उसके समर्थकों पर निशाना बना रहा है। जंग में यूएई के बाद सबसे ज्यादा हमला ईरान ने कुवैत पर ही किया था।

बहरीन ने 69 लोगों की नागरिकता छीन ली

रॉयटर्स के मुताबिक बहरीन ने ऐसे 69 लोगों की नागरिकता छीन ली है, जिन्होंने ईरान जंग के दौरान जश्न मनाया था। सरकार के प्रवक्ता का कहना है कि यह फैसला किंग के कहने पर लिया गया है। बहरीन सरकार ने पहले ही ऐसे लोगों को चेतावनी दी थी। बहरीन शिया बहुल मुल्क है, लेकिन यहां पर सरकार के भीतर सुन्नी समुदाय का दबदबा है। ईरान युद्ध के दौरान जब बहरीन में अमेरिकी बेस पर हमले हो रहे थे, तब वहां के अधिकांश नागरिकों ने जश्न मनाया था। ब्रिटेन स्थित बहरीन इंस्टीट्यूट फॉर राइट्स एंड डेमोक्रेसी के एडवोकेसी निदेशक सैयद अहमद अलवदाई ने रॉयटर्स से बात करते हुए इसे खतरनाक युग की शुरुआत बताया। अलवदाई के मुताबिक इससे मिडिल ईस्ट में दमन बढ़ेगा। सरकार अपने हिसाब से फैसला ले पाएगी।

यूएन में अमेरिका की एक नहीं चली

121 देशों के समर्थन से ईरान को मिला ये पद

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली
संयुक्त राष्ट्र संघ के नेतृत्व में परमाणु अप्रसार संधि की एक महीने तक चलने वाली बैठक शुरू हो गई है।

बैठक की शुरुआत में 34 देशों के प्रतिनिधियों को उपाध्यक्ष चुना गया। इनमें एक नाम ईरान का भी है। अमेरिका के भारी विरोध के बाद भी ईरान को एनपीटी के भीतर उपाध्यक्ष का पद मिला है। एनपीटी में एक अध्यक्ष और 34 उपाध्यक्ष हर 5 साल पर चुने जाते हैं। अध्यक्ष की कुर्सी इस बार वियतनाम को मिली है, जो चीन और रूस का करीबी माना जाता है। समाचार एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक अमेरिका ने इसे रोकने के लिए आखिरी वक्त तक ताकत लगाई, लेकिन 121 देशों के समर्थन से ईरान को यह पद मिल गया। ईरान का कहना है कि उसके नेता ने हमेशा परमाणु का विरोध किया। उसको लेकर पूरी दुनिया में अमेरिका झूठ फैला रहा है।

अमेरिका ने इसे एनपीटी का अपमान बताया

परमाणु अप्रसार संधि के अध्यक्ष हेंग वियत के मुताबिक गुट निरपेक्ष देशों ने ईरान का समर्थन किया। यूएई और अमेरिका जैसे देशों ने इसका विरोध किया, लेकिन वह कारगर साबित नहीं हो पाया। इसके बाद ईरान को एक उपाध्यक्ष की कुर्सी दी गई है।

पुतिन के खिलाफ अंदरूनी बगावत

एक साल में बदल सकती है सत्ता: दावा

हिंदमाता नेटवर्क @ मॉस्को
रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को लेकर एक बड़ा दावा सामने आया है। उनके पूर्व समर्थक इल्या रेमेस्लो ने कहा है कि पुतिन के करीबी लोग ही उनसे अंदर ही अंदर नफरत करते हैं और अगले एक साल के अंदर रूस में सत्ता बदल सकती है। रेमेसलो ने यह बात पत्रकार क्सेनिया सोबचक को दिए इंटरव्यू में कही। उन्होंने कहा कि रूस की मौजूदा समस्याओं के लिए सीधे तौर पर पुतिन जिम्मेदार हैं। रेमेसलो ने खुद को ऐसा व्यक्ति बताया जो इस सिस्टम को अंदर से समझता है और उसे बदल सकता है। द सन की रिपोर्ट के मुताबिक, रेमेसलो ने सिस्टम के अंदर काम कर रहे लोगों से अपील की कि वे डरें नहीं और सही समय पर बदलाव का साथ दें। रेमेसलो का कहना है कि 2026 के अंत या 2027 की शुरुआत तक रूस में बड़ा बदलाव हो सकता है। उन्होंने कहा कि यह बदलाव हिंसक नहीं होगा, बल्कि शांत तरीके से होगा, जैसे 1953 में स्टालिन के बाद सत्ता बदली थी।

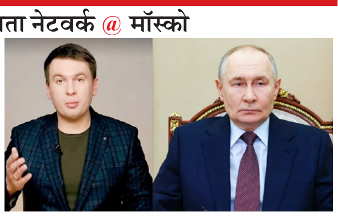

पुतिन के 3 उत्तराधिकारियों के नाम बताए

रेमेसलो ने यह भी दावा किया कि रूस के कई बड़े नेता पुतिन से नाराज हैं, क्योंकि अब वे पहले जैसी सुविधाएं और ताकत नहीं पा रहे हैं। उन्होंने तीन नाम भी बताए जो पुतिन के बाद नेता बन सकते हैं। प्रधानमंत्री मिखाइल मिशुस्टिन, आर्थिक विकास मंत्री मैक्सिम रेशेतनिकोव और पुतिन के पूर्व बॉडीगार्ड एलेक्सी ड्यूमिन। एलेक्सी को लंबे समय से पुतिन का संभावित उत्तराधिकारी माना जाता है। रेमेसलो पहले पुतिन के समर्थक थे, लेकिन मार्च में उन्होंने पुतिन को युद्ध अपराधी और झूठा कहा। इसके बाद उन्हें कुछ समय के लिए मानसिक अस्पताल में भी रखा गया, जिसे दबाव की कार्रवाई माना गया।

रूस-यूक्रेन के बीच नया विवाद!

इजरायल पर चोरी किए गए यूक्रेनी अनाज खरीदने का आरोप

हिंदमाता नेटवर्क @ कीव
यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने इजरायल द्वारा रूस के कब्जे वाले यूक्रेनी क्षेत्रों से अनाज खरीदे जाने पर सख्त ऐतराज जताया है। जेलेंस्की ने कहा है कि रूस द्वारा 'चोरी' किए गए यूक्रेनी अनाज की खरीद किसी भी तरह से 'जायज बिजनेस' नहीं हो सकता। उन्होंने इजरायल को याद दिलाया कि यूक्रेन के कब्जे वाले क्षेत्रों से अनाज खरीदना खुद इजरायल के अपने कानूनों का भी उल्लंघन है। जेलेंस्की के मुताबिक, यूक्रेन अब एक विशेष प्रतिबंध पैकेज तैयार कर रहा है, जो उन लोगों और संस्थाओं को टारगेट करेगा, जो इस चोरी के अनाज को एक जगह से दूसरी जगह ले जाने या इससे फायदा कमाने में लगे हुए हैं। राष्ट्रपति ने उम्मीद जताई है कि इजरायली अधिकारी यूक्रेन की संप्रभुता का सम्मान करेंगे और ऐसी किसी भी कार्रवाई से बचेंगे, जिससे दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों को नुकसान पहुंचता हो।

द्विपक्षीय संबंधों पर खतरा

जेलेंस्की ने इजरायली अधिकारियों से कहा है कि वे यूक्रेन के प्रति सम्मान दिखाएं और ऐसी गतिविधियों से दूर रहें, जो उनके आपसी रिश्तों की बुनियाद को कमजोर करती हैं। यूक्रेन का तर्क है कि कब्जे वाले इलाकों से संसाधनों का दोहन करना न सिर्फ अनैतिक है, बल्कि यह इंटरनेशनल नियमों का भी खुला उल्लंघन है। जेलेंस्की के इस कड़े रुख ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनाज के अवैध व्यापार और युद्धग्रस्त क्षेत्रों के संसाधनों पर कंट्रोल के मुद्दे को फिर से गरमा दिया है।

जंग में कई भारतीयों की मौत

पिछले दिनों केंद्र सरकार ने शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया कि रूस गए 10 भारतीय यूक्रेन के खिलाफ युद्ध लड़ते हुए मारे गए हैं। केंद्र ने यह भी कहा कि उनमें से ज़्यादातर लोगों ने रूसी सेना के हिस्से के तौर पर अपनी मर्ज़ी से किए गए कॉन्ट्रैक्ट के आधार पर यह युद्ध लड़ा था। चीफ़ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस विपुल पंचोली और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की बेंच 26 भारतीयों के परिवारों द्वारा दायर एक रिट याचिका पर सुनवाई कर रही थी।

हिंदमाता एंकर डेटा से पता चला है कि यूएई की एडीएनओसी की ओर से मैनेज किए जाने वाले एक एलएनजी टैंकर ने होर्मुज स्ट्रेट पार कर लिया है और फिलहाल भारत के पास दिखाई दे रहा है

महीनेभर गायब रहा टैंकर अचानक भारत के पास दिखा, ईरान युद्ध के बीच

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली
फरवरी के अंत में अमेरिका-ईरान जंग शुरू होने के बाद से बंद हुआ होर्मुज स्ट्रेट अब भी लगभग बंद ही है। इस बीच ईरान ने मित्र देशों, जिनमें भारत भी शामिल है, के कुछ जहाजों को होर्मुज पार करने की इजाजत दी है। लेकिन अब भी सैकड़ों की संख्या में जहाज होर्मुज पार करने के इंतजार में पानी में खड़े हैं। होर्मुज से कुछ तेल और एलपीजी के टैंकर तो पार हुए हैं लेकिन अब तक एक भी एलएनजी (लिक्विफाइड नेचुरल गैस) टैंकर होर्मुज पार नहीं कर पाया है। लेकिन अब खबर है कि एक एलएनजी टैंकर ने होर्मुज पार कर लिया है और वो अब भारत के पास दिख रहा है। समाचार एजेंसी रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, जहाज ट्रैकिंग डेटा से पता चला है कि यूएई की एडीएनओसी की ओर से मैनेज किए जाने वाले एक एलएनजी टैंकर ने होर्मुज स्ट्रेट पार कर लिया है और फिलहाल भारत के पास दिखाई दे रहा है। अगर इसकी पुष्टि होती है, तो 28 फरवरी को ईरान युद्ध शुरू होने के बाद यह पहला भरा हुआ एलएनजी टैंकर होगा जिसने होर्मुज पार किया है।

1,36,357 घन मीटर क्षमता वाला यह टैंकर एडीएनओसी

लॉजिस्टिक्स एंड सर्विसेज की ओर से ऑपरेट होता है। इसे आखिरी बार 30 मार्च को खाड़ी क्षेत्र में देखा गया था। ICIS एलएनजी एज, मरीनट्रैफिक और LSEG (लंदन स्टॉक एक्सचेंज समूह) के आंकड़ों के अनुसार, यह अब भारत के पश्चिमी तट के पास दिखाई दिया है। इससे संकेत मिलता है कि जहाज ने होर्मुज पार करने के लिए एक तरीका अपनाया और अपना सिग्नल बंद कर लिया जिससे इसके बारे में पता लगाना कुछ समय के लिए मुश्किल हो गया था। अब जबकि इसने गायब रहते हुए होर्मुज पार कर लिया है, तब जाकर अपना सिग्नल ऑन किया जिससे इसके होर्मुज पार करने की जानकारी बाहर आई है।

एलएनजी कहां इस्तेमाल होता है और भारत कितना एलएनजी खरीदता है?

एलएनजी द्रवीकृत प्राकृतिक गैस है, जिसे -162C तापमान पर ठंडा करके तरल रूप में बदल दिया जाता है। इससे इसका वॉल्यूम 600 गुना कम हो जाता है, जिससे इसे जहाजों के जरिए दूर-दूर तक आसानी से ट्रांसपोर्ट किया जा सकता है। एलएनजी को इस्तेमाल के लिए तरल से गैसीय रूप में बदला जाता है फिर इसे प्राकृतिक गैस की तरह इस्तेमाल किया जाता है। कई उद्योगों में इसका इस्तेमाल होता है जैसे-

बिजली उत्पादन: गैस-आधारित पावर प्लांट्स में कोयला या तेल की जगह क्लिनर के रूप में इस्तेमाल होता है। यह सौर या पवन ऊर्जा के साथ बैकअप के रूप में भी काम करता है।

उद्योग: उर्वरक जैसे यूरिया, पेट्रोकेमिकल्स, स्टील, सीमेंट, ग्लास आदि उद्योगों में ईंधन या कच्चे माल के रूप में एलएनजी का इस्तेमाल होता है।

घरेलू और कमर्शियल इस्तेमाल: रसोई गैस, हीटिंग, हॉट वॉटर और कमर्शियल बिल्डिंग्स में भी यह इस्तेमाल होता है।

परिवहन: भारी ट्रकों, बसों, जहाजों और कभी-कभी रेल में भी इसे इस्तेमाल किया जाता है। यह डीजल से ज्यादा साफ जलता है और कार्बन उत्सर्जन कम करता है।

इसके अलावा दूरदराज के इलाकों में ऊर्जा सप्लाई और पेट्रोकेमिकल्स,प्लास्टिक्स, दवाइयां बनाने में भी कच्चे माल के रूप में इस्तेमाल होता है।

बिजनेस वर्ल्ड

दक्षिणी चीन में बाढ़ के कारण करीब 200 लोगों को सुरक्षित हटाया गया

हिंदमाता नेटवर्क @ बीजिंग
दक्षिणी चीन के एक शहर में मूसलाधार बारिश से आयी बाढ़ में कई कारें डूब गयीं तथा 200 से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। सरकारी मीडिया ने मंगलवार को यह जानकारी दी। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, गुआंग्शी क्षेत्र के क्रिनझोउ शहर में कई लोग अपने घरों में फंस गए और बचाव कर्मियों ने नावों के सहारे उन्हें सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया। अधिकारियों के मुताबिक, शहर में सोमवार सुबह 8 बजे तक 24 घंटे में 270 मिलीमीटर (लगभग 10 इंच) से ज़्यादा बारिश हुई। अप्रैल महीने में एक दिन में दर्ज की गयी यह सबसे अधिक बारिश है। अधिकारियों ने 'वी चैट' नामक सोशल मीडिया मंच पर एक पोस्ट में मौसम विश्लेषक लिन नान के हवाले से बताया कि दक्षिण चीन के तटीय इलाकों में इतनी जोरदार बारिश आमतौर पर मई के मध्य से आखिर में, मॉनसून आने के बाद ही होती है। लिन के अनुसार अप्रैल के आखिर में इतनी भारी बारिश एक दुर्लभ घटना है। चीनी आपातकालीन प्रबंधन अधिकारियों द्वारा संचालित एक समाचार संस्था के अनुसार, मंगलवार सुबह से शहर के स्कूलों में कक्षाएं फिर शुरू हो गयीं तथा अधिकतर स्थानों पर यातायात सामान्य हो गया।

यूनान की राजधानी में दो जगहों पर गोलीबारी में कई लोग घायल

हिंदमाता नेटवर्क @ एथेंस

यूनान की राजधानी एथेंस में मंगलवार को एक हथियारबंद व्यक्ति ने पहले एक सामाजिक सुरक्षा कार्यालय और फिर एक अदालत परिसर में गोलीबारी कर कई लोगों को घायल कर दिया। प्राधिकारियों ने यह जानकारी दी। यूनानी मीडिया की खबरों के अनुसार, पुलिस 89 वर्षीय संदिग्ध की तलाश कर रही है। पुलिस ने बताया कि आरोपी ने शॉटगन से पहले राजधानी के मध्य स्थित सामाजिक सुरक्षा कार्यालय में गोलीबारी की, जिसमें एक कर्मचारी घायल हो गया। पुलिस के मुताबिक, संदेह है कि इसके बाद उसी व्यक्ति ने एथेंस की एक अदालत के परिसर में भी गोलीबारी की, जहां कई अन्य लोग घायल हुए। हमले का मकसद अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है।

पूजा स्थलों के चारों ओर 100 फुट का बफर जोन बनाने के लिए अमेरिकी संसद में विधेयक पेश

हिंदमाता नेटवर्क @ वाशिंगटन

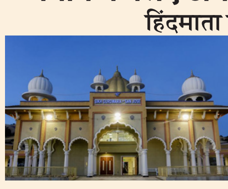

अमेरिकी संसद में एक द्विदलीय विधेयक पेश किया गया है जिसमें मंदिरों और गुरुद्वारों सहित पूजा स्थलों के आसपास 100 फुट का बफर जोन बनाने और ऐसे क्षेत्रों के भीतर किसी भी प्रकार के उत्पीड़न या धमकी को संघीय अपराध मानने का प्रावधान है। न्यूयॉर्क से डेमोक्रेटिक सांसद टॉम सुओजी और ओहायो से रिपब्लिकन सांसद मैक्स मिलर ने धार्मिक सभाओं और धार्मिक प्रतिष्ठानों में व्यवधान से सुरक्षा (एसएसीआरईडी) अधिनियम से जुड़ा विधेयक पेश किया है। इस विधेयक का उद्देश्य किसी पूजा स्थल के 100 फुट के दायरे में धार्मिक पूजा के अपने अधिकार का प्रयोग कर रहे लोगों को जानबूझकर डराना, बाधा डालना या परेशान करने को संघीय अपराध बनाना है, चाहे ऐसा उन्हें धमकाकर, उनका रास्ता रोककर या उत्पीड़न या डराने के उद्देश्य से उनके आठ फुट के दायरे में पहुंचकर ही क्यों न किया गया हो। एसएसीआरईडी विधेयक को एंटी-डिफेमेशन लीग (एडीएल), अमेरिकन ज्यूइश कमेटी (एजेसी), यूनियन ऑफ ऑर्थोडॉक्स ज्यूइश कांग्रेगेशन्स ऑफ अमेरिका (ओयू), हदासाह, इस्लामिक सोसाइटी ऑफ नॉर्थ अमेरिका (आईएसएनए) का समर्थन प्राप्त है। हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन (एचएएफ), ज्यूइश फेडरेशन्स ऑफ नॉर्थ अमेरिका (जेएफएनए), यूजेए-फेडरेशन ऑफ न्यूयॉर्क, होलोकॉस्ट मेमोरियल एंड टॉलरेंस सेंटर ऑफ नासाउ काउंटी (एचएमटीसी), अगुदथ इजराइल ऑफ अमेरिका और यूनाइटेड सिख्स ने भी इसका समर्थन किया है। सांसद सुओजी ने कहा, "किसी को भी परेशान या डराया-धमकाया जाना नहीं चाहिए, खासकर जब वे अपने पूजा स्थल की ओर जा रहे हों।" सुओजी ने एक बयान में कहा, "हम तेजी से अस्थिर होते जा रहे दौर में जी रहे हैं, जिसका एक कारण सोशल मीडिया द्वारा विभाजन की आग को भड़काना और दूसरा हमारे विदेशी शत्रुओं द्वारा हमें आंतरिक रूप से विभाजित करने का प्रयास है।

आर्थिक साझेदारी, निवेश को बढ़ावा देगा भारत-न्यूजीलैंड एफटीए : डॉ. जयशंकर

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौते को दोनों देशों के संबंधों में एक 'ऐतिहासिक मील का पत्थर' बताया है। जयशंकर ने इसे आर्थिक सहयोग, रणनीतिक विश्वास और भविष्य की साझेदारी के एक नए अध्याय की शुरुआत कहा है। दरअसल भारत और न्यूजीलैंड के बीच कई वर्षों की बातचीत के बाद आखिरकार 27 अप्रैल को फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) हो गया है। इसके तहत न्यूजीलैंड को होने वाले 100 प्रतिशत भारतीय निर्यात पर टैरिफ छूट मिलेगी। वहीं, न्यूजीलैंड से भारत आने वाले 95 प्रतिशत सामान पर टैरिफ में छूट दी गई है या फिर टैरिफ कम कर दिया गया है। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और न्यूजीलैंड के कॉमर्स मिनिस्टर टॉड मैक्ले की उपस्थिति में समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। समझौते के बाद विदेश मंत्री जयशंकर ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''भारत और न्यूजीलैंड के बीच एफटीए पर हस्ताक्षर होना हमारे संबंधों के लिए एक ऐतिहासिक कदम है। यह एफटीए आर्थिक साझेदारी को और मज़बूत करेगा, निवेश को बढ़ावा देगा और हमारे निर्यातकों के लिए बाज़ार तक पहुंच को बेहतर बनाएगा। इसके साथ ही, यह इनोवेटर्स, उद्यमियों, किसानों, एमएसएमई, महिलाओं और युवाओं के लिए नए अवसर भी खोलेगा।'' विदेश मंत्री ने अपनी पोस्ट में कुछ आंकड़े भी साझा किए, जिनसे पता चलता है कि भारत को इस समझौते से काफी फायदा होने वाला है। उन्होंने बताया कि इस मुक्त व्यापार समझौते में एक प्रावधान यह भी है कि न्यूजीलैंड अगले 15 वर्षों में भारत में 20 अरब डॉलर का निवेश करेगा। इसके अलावा इससे भारतीय निर्यात को भी पंख लगेंगे, क्योंकि भारत को अपने 100 प्रतिशत निर्यात पर न्यूजीलैंड के बाजार में ड्यूटी-फ्री (शून्य शुल्क) पहुंच मिलेगी, जिससे विशेष रूप से कपड़ा, फार्मास्यूटिकल्स और इंजीनियरिंग क्षेत्र को लाभ होगा। वहीं कुशल पेशेवरों के लिए सालाना 5,000 वीजा का प्रावधान किया गया है, जिससे आईटी और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में गतिशीलता बढ़ेगी। वर्तमान में लगभग आठ हजार भारतीय छात्र न्यूजीलैंड में पढ़ रहे हैं। नया समझौता छात्रों के लिए पोस्ट-स्टडी वर्क वीजा के नियमों को और आसान बनाएगा। डॉ. जयशंकर ने इस बात पर भी जोर दिया कि यह समझौता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और न्यूजीलैंड के पीएम क्रिस्टोफर लक्सन के मार्गदर्शन में रिकॉर्ड समय में संपन्न हुआ है। बता दें कि दोनों देशों के बीच आर्थिक साझेदारी अब तक की सबसे मजबूत स्थिति में है। दोनों देशों का लक्ष्य अगले पांच वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना कर 5 अरब डॉलर तक पहुंचाना है।

होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों की आवाजाही ठप होने से लगभग 20,000 नाविक फंसे

हिंदमाता नेटवर्क @ दुबई

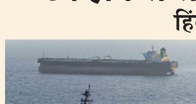

होर्मुज जलडमरूमध्य को पार न कर पाने के कारण सैकड़ों जहाजों पर सवार लगभग 20,000 नाविक खाड़ी में फंसे हुए हैं। इन जहाजों में गैस और तेल के टैंकर सहित कई मालवाहक जहाज शामिल हैं। दुनिया के कुल तेल और तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) का लगभग पांचवां हिस्सा इसी जलमार्ग से होकर गुजरता है। समुद्र संबंधी डेटा देने कंपनी 'लॉयड्स लिस्ट इंटेलिजेंस' के अनुसार, 13 से 19 अप्रैल के दौरान इस जलडमरूमध्य से लगभग 80 जहाज गुजरे। युद्ध से पहले इस मार्ग से प्रतिदिन लगभग 130 या उससे अधिक जहाज गुजरते थे। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक दर्जनों जहाजों पर हुए हमलों में कम से कम 10 नाविकों की मौत हो चुकी है। पिछले हफ़्ते अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने युद्धविराम को अनिश्चित काल के लिए बढ़ा दिया था। इसके बावजूद अमेरिका ने ईरानी बंदरगाहों पर नाकाबंदी जारी रखी। जवाब में, ईरान ने स्ट्रेट में जहाज़ों पर गोलीबारी की और दो जहाज़ों पर कब्ज़ा कर लिया। वहीं, 'स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट' की एक रिपोर्ट के अनुसार, मध्य पूर्व में सैन्य खर्च 2025 में स्थिर हो गया जबकि दुनिया के अन्य हिस्सों में यह बढ़ गया। इसके अनुसार, पूरे क्षेत्र के सैन्य खर्च में 0.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई है लेकिन इजरायल और ईरान दोनों के खर्च में वास्तव में गिरावट आई है। वर्ष 2025 में इजरायल का सैन्य खर्च 4.9 प्रतिशत घटकर 48.3 अरब डॉलर रह गया। यह गिरावट साल 2024 के मुकाबले युद्ध की तीव्रता में आई कमी को दर्शाती है। रिपोर्ट के मुताबिक, खर्च में यह कमी मुख्य रूप से नवंबर 2024 में लेबनान और अक्टूबर 2025 में गाजा में हुए युद्धविराम समझौतों के चलते आई है। हालांकि, बड़े पैमाने पर सैन्य अभियानों के थमने के बावजूद इजरायल ने दोनों क्षेत्रों में अपनी जमीनी मौजूदगी और 'सटीक हमलों' का सिलसिला जारी रखा है। वहीं, ईरान का खर्च 5.6 प्रतिशत घटकर 7.4 अरब डॉलर हो गया। इसका कारण मुद्रास्फीति और व्यापक आर्थिक दबाव बताया है।

दैनिक ठाणे, बुधवार 29 अप्रैल, 2026

हिंदमाता मिरर

पैनी नजर, पुख्ता खबर

GAME & GLAMOUR

‘राका’ में दीपिका पादुकोण की होगी धमाकेदार एंट्री

साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन की फिल्म ‘राका’ को लेकर चर्चा तेज होती जा रही है। फिल्म की बढ़ती एक्साइटमेंट के बीच दीपिका पादुकोण के रोल को लेकर नई डिटेल्स सामने आई हैं। टीम ने पहले ही कन्फर्म कर दिया था कि वो फिल्म में एक बहुत ही जरूरी रोल निभा रही हैं और अपनी प्रेग्नेंसी के बावजूद शूटिंग जारी रखेंगी। अब नई डिटेल्स से ये और साफ हो गया है कि दीपिका पादुकोण फिल्म की कहानी का एक अहम हिस्सा हैं और हमें इस सुपरस्टार के जबरदस्त एक्शन के साथ इमोशनल सीन्स भी देखने को मिलेंगे।

■ उनके किरदार को लेकर बढ़ती एक्साइटमेंट के बीच सोर्सेज का कहना है कि दीपिका कहानी की मुख्य कड़ी बनी हुई हैं और उनके सीन्स में कोई बदलाव नहीं किया गया है। रणवीर सिंह के साथ अपने दूसरे बच्चे की उम्मीद के दौरान भी वो अपने प्रोजेक्ट्स की शूटिंग जारी रखे हुए हैं। प्रोडक्शन से जुड़े एक करीबी सूत्र ने बताया कि फिल्म में दीपिका की एंट्री धमाकेदार है और अल्लू अर्जुन के साथ उनका एक बड़ा एक्शन सीन भी है। अब ये सीन्स बॉडी डबल की मदद से शूट किए जाएंगे, जबकि दीपिका खुद ड्रामेटिक और इमोशनल सीन्स की शूटिंग जारी रखेंगी। उनके रोल में कोई कटौती नहीं की गई है और वह वैसी ही बनी रहेगी। वह ‘राका’ की एक मुख्य किरदार हैं और प्रेग्नेंसी की वजह से कहानी में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

■ एटली के निर्देशन में बन रही ‘राका’ को लेकर जबरदस्त बज बना हुआ है, खासकर दीपिका के किरदार को लेकर, जिससे कहानी में काफी इमोशनल गहराई आने की उम्मीद है। एटली द्वारा निर्देशित ‘राका’ को लेकर काफी एक्साइटमेंट है, खासतौर पर दीपिका और अल्लू अर्जुन के किरदारों के लिए, जो एटली के विजन के साथ पर्दे पर कमाल करने वाले हैं। इससे पहले एक सूत्र ने बताया था, अपनी प्रेग्नेंसी के बीच भी दीपिका पादुकोण ‘राका’ के लिए इंटेंस एक्शन सीक्वेंस शूट कर रही हैं और पूरी प्रेग्नेंसी के दौरान फिल्म की शूटिंग जारी रखेंगी। ‘राका’ और ‘किंग’ जैसी दोनों फिल्मों के काम सुचारू रूप से आगे बढ़ने और उनके किरदारों में कोई बदलाव न होने के साथ, दीपिका पादुकोण लगातार चर्चा में बनी हुई हैं।

विराट कोहली ने आईपीएल में पूरे किए 9000 रन

आरसीबी ने दिल्ली कैपिटल्स को महज 39 गेंदों में 9 विकेट से हरा दिया। सोमवार को दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए आईपीएल मुकाबले में दिल्ली की टीम 16.3 ओवरों में सिर्फ 75 रन ही बना सकी। जवाब में आरसीबी ने 6.3 ओवर में एक विकेट खोकर 77 रन बनाए और मुकाबला जीत लिया। इस दौरान विराट कोहली ने आईपीएल में 9 हजार रन भी पूरे कर लिए।

विराट कोहली ने रचा इतिहास

इस मुकाबले में किंग कोहली ने इतिहास रच दिया। उन्होंने इस टूर्नामेंट में 9 हजार रन पूरे कर लिए। विराट आईपीएल में 9 हजार रन बनाने वाले इकलौते बल्लेबाज बन गए। उनके नाम 275 मैचों में आठ शतक और 66 अर्धशतकों के साथ 9012 रन दर्ज हो गए। इसके अलावा कोहली आईपीएल में दिल्ली के खिलाफ सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 1172 रन दर्ज हैं। किसी एक टीम के खिलाफ सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड भी विराट के ही नाम है। उन्होंने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ 1174 रन बनाए। इस मामले में तीसरे स्थान पर रोहित शर्मा हैं, जिन्होंने केकेआर के खिलाफ 1161 रन बनाए।

आमिर ने लगाई ‘3 इडियट्स’ के सीक्वल पर मुहर

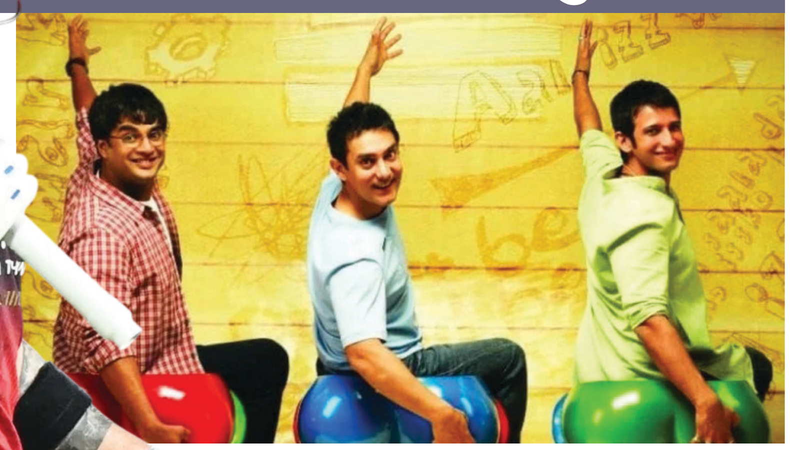

भारतीय सिनेमा के इतिहास में कुछ फिल्में ऐसी होती हैं जो सिर्फ बॉक्स ऑफिस के आंकड़े नहीं बदलतीं, बल्कि लोगों की सोच बदल देती हैं। साल 2009 में आई राजकुमार हिरानी की फिल्म '3 इडियट्स' उन्हीं में से एक थी। पिछले कई वर्षों से इस फिल्म के सीक्वल को लेकर अटकलें लगाई जा रही थीं, लेकिन अब खुद 'मिस्टर परफेक्शनिस्ट' आमिर खान ने इन चर्चाओं पर विराम लगाते हुए यह साफ कर दिया है कि '3 इडियट्स 2' पर काम शुरू हो चुका है।

■ हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान आमिर खान ने खुलासा किया कि फिल्म का सीक्वल पाइपलाइन में है। आमिर ने बताया कि राजू (राजकुमार हिरानी) फिलहाल ‘3 इडियट्स 2’ की कहानी पर काम कर रहे हैं। मैंने इसकी मूल कहानी सुनी है और यह वाकई में अद्भुत है। हालांकि अभी स्क्रिप्ट पर कुछ और काम होना बाकी है, लेकिन कहानी का विचार बहुत ही अनूठा है। आमिर ने आगे कहा कि वह एक बार फिर से ‘फुंसुख वांगडू’ का किरदार निभाने के लिए बेहद उत्साहित हैं। अपनी पिछली फिल्म ‘लाल सिंह चड्ढा’ की असफलता के बाद आमिर अब ‘सितारे जमीन पर’ और ‘3 इडियट्स’ जैसे प्रोजेक्ट्स के साथ अपनी पुरानी लय वापस पाने की कोशिश कर रहे हैं।

10 साल आगे बढ़ेगी कहानी

खबरों की मानें तो ‘3 इडियट्स 2’ की कहानी वहीं से शुरू नहीं होगी जहां पहली फिल्म खत्म हुई थी। फिल्म में एक दशक का 'लीप' दिखाया जाएगा। यह देखना दिलचस्प होगा कि कॉलेज के वो तीन दोस्त–रेंचो, फरहान और राजू–अपनी प्रोफेशनल और पर्सनल जिंदगी में 10 साल बाद कहां खड़े हैं। कहा जा रहा है कि फिल्म में आमिर खान के साथ आर. माधवन (फरहान) और शरमन जोशी (राजू) की वापसी लगभग तय है। साथ ही करीना कपूर खान भी 'पिया' के रूप में अपनी भूमिका को आगे बढ़ा सकती हैं। बोमन ईरानी (वायरस) और ओमी वैद्य (चतुर) के बिना यह फिल्म अधूरी मानी जाती है, इसलिए मेकर्स उन्हें भी स्क्रिप्ट में अहम जगह देने की योजना बना रहे हैं।

सभी की इज्जत करो, ईमानदार रहो : कोहली

भारतीय टीम के स्टार विराट कोहली ने राष्ट्रीय राजधानी के आरके पुरम स्थित दिल्ली पब्लिक स्कूल में मंगलवार को बच्चों से मुलाकात की और उन्हें अपना अनुभव बताते हुए जीवन में आगे बढ़ने, सपने पूरे करने की सीख दी। कोहली ने यहां क्रिकेट अकादमी का उद्घाटन किया और इसी दौरान संबोधन में बच्चों को जिंदगी में कुछ करने गुजरने का रास्ता भी बताया। कोहली इस समय आईपीएल-2026 में खेल रहे हैं। उनकी टीम आरसीबी ने अरुण जेटली स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स को मात दी। इस मैच के दौरान कोहली ने टी-20 में अपने 9000 रन पूरे किए हैं।

बताया अपना अनुभव

बच्चों को संबोधित करते हुए कोहली ने अपना अनुभव शेयर किया और बताया कि कैसे उन्होंने बहुत कम उम्र में क्रिकेट को अपनी प्राथमिकता बना लिया था। कोहली ने बताया कि मुझे यहां बुलाने के लिए शुक्रिया। मैं स्कूल में बोलने की आदी नहीं हूं इसलिए ये मेरे लिए थोड़ा अजीब होने वाला है क्योंकि मैं काफी पहले ही स्कूल सेट अप से दूर चला गया था जिसका कारण क्रिकेट था और मैं इसी बारे में बात करने वाला हूं। उन्होंने कहा कि आप बच्चे इस समय जिस दौर में हैं और जिस प्रक्रिया से गुजर रहे हैं उसका हिस्सा मैं भी रह चुका हूं। मैं सिर्फ अपना अनुभव बता सकता हूं कि कैसे मेरे शुरूआती जीवन में मेरा फोकस और मेरी प्राथमिकता बदल गई थी।

सभी का सम्मान करो

इस दौरान कोहली ने कहा कि बच्चों को अपने आस-पास के सभी लोगों का सम्मान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि मैं बस ये कहना चाहता हूं कि स्कूल ऐसी जगह है जहां आप सीखने आते हैं, आगे बढ़ने आते हैं और आप बेहतर इंसान बनते हैं। पहले आपके पास जो वातावरण है उसका सम्मान कीजिए, आपके टीचर्स, जो लोग आपको सिखा रहे हैं उनका सम्मान कीजिए। वह आपको अपने जीवन का हिस्सा दे रहे हैं। उन लोगों को वो सम्मान, वो फोकस और प्राथमिकता दी जानी चाहिए जिसके वो हकदार हैं। उन्होंने कहा कि मैंने अपने जीवन के शुरूआती दिनों में ही खेल को चुन लिया था। मैं बहुत आश्वस्त था कि मैं क्रिकेट में ही अपना करियर बनाऊंगा। मुझे अपने आप से, अपने परिवार से और अपने टीचर्स को ये बताना था कि मैं ये बनना चाहता हूं। उन्होंने बच्चों को सीख देते हुए कहा कि आपको अपने सपनो से ईमानदार रहने की जरूरत है। कोहली ने कहा कि अपने सपने और आप जो करना चाहते हो उसके प्रति ईमानदार रहिए और उस सपने का पीछा कीजिए। तभी आप जान पाएंगे कि आप 100 प्रतिशत ईमानदार हैं या नहीं।

दो फिल्मों में नजर आएंगी प्रीति जिंटा

प्रीति जिंटा फिल्मी दुनिया से ज्यादा क्रिकेट वर्ल्ड में एक्टिव हैं। वह आईपीएल में पंजाब किंग्स क्रिकेट टीम की मालकिन हैं। अपनी टीम को सपोर्ट करने के लिए इन दिनों भी वह आईपीएल में अक्सर नजर आती हैं। हाल ही में फैंस से भी सोशल मीडिया के जरिए प्रीति जिंटा रूबरू हुईं। उन्होंने फैंस को सवाल बेबाकी से पूछने के लिए कहा और मजेदार जवाब भी दिए। इन दौरान प्रीति जिंटा ने अपनी अपकमिंग फिल्मों के बारे में बताया, साथ अपने फेवरेट एक्टर का जिक्र भी किया।

दो फिल्मों में नजर आएंगी प्रीति जिंटा

प्रीति जिंटा से फैन ने पूछा कि उन्हें क्रिकेट और फिल्मों में से किसी एक को चुनना पड़ा तो वह किसका चुनाव करेंगी। इस पर प्रीति जवाब देती हैं कि मैंने 18 साल पहले क्रिकेट को चुना था। इस साल दो फिल्मों में नजर आऊंगी। मैं सनी देओल के साथ एक फिल्म कर रही हूं। यह 13 अगस्त 2026 को रिलीज होगी।

फेवरेट एक्टर का नाम सुनकर चौंके फैंस

एक फैन ने प्रीति जिंटा से पूछा कि उनका फेवरेट एक्टर कौन है? इस सवाल के जवाब में प्रीति जिंटा ने जवाब दिया मैंने ‘फर्ज’ फिल्म के सेट पर दारा सिंह जी को देखा था। मैं उन्हें देखती ही रह गई थी। मेरी दादी बचपन में हमें रामायण दिखाती थीं। बाद में मुझे पता चला कि हनुमान जी का रोल दारा सिंह ने निभाया था। वह मेरे पसंदीदा एक्टर रहे हैं।

अमृता शेरगिल की बायोपिक का हिस्सा बनेंगी प्रियंका

प्रियंका चोपड़ा के दोनों हाथ इस वक्त लड्डूओं से भरे हुए हैं। एक तरफ जहां ग्लोबल आइकॉन एक से बढ़कर एक हॉलीवुड प्रोजेक्ट कर रही हैं, तो वहीं दूसरी तरफ बॉलीवुड के द्वार भी अब एक्ट्रेस के लिए फिर से खुलने लगे हैं। हिंदी सिनेमा की देसी गर्ल प्रियंका चोपड़ा करीब 6 साल के बाद एसएस राजामौली निर्देशित फिल्म ‘वाराणसी’ से भारतीय सिनेमा में वापसी कर रही हैं, जिसमें उनके अपोजिट महेश बाबू दिखाई देंगे। प्रियंका इस बीच कई बार अपने साक्षात्कार में कह चुकी हैं कि हिंदी सिनेमा में भी कुछ फिल्मों को लेकर बातचीत चल रही है। अब खबरें हैं कि ‘मैरी कॉम’ के बाद प्रियंका चोपड़ा एक और बड़ी बायोपिक में नजर आने वाली हैं।

सबसे लोकप्रिय महिला पेंटर की बायोपिक का बनेंगी हिस्सा

प्रियंका चोपड़ा अमृता शेरगिल की बायोपिक का हिस्सा बनने वाली हैं, जिसका टाइटल ‘अमरी’ है। बता दें कि भारत और हंगरी की नागरिकता रखने वाली अमृता शेरगिल बीसवीं सदी की शुरुआत की सबसे प्रख्यात महिला पेंटर्स में से एक थीं। फिल्म से जुड़े सूत्रों के अनुसार, मीरा नायर के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में प्रियंका मेन लीड के तौर पर नहीं, बल्कि एक अहम किरदार में दिखाई देंगी। प्रियंका वर्तमान में हिंदी फिल्मों के साथ-साथ हॉलीवुड में खूब काम कर रही हैं, ऐसे में फिल्म में उनकी उपस्थिति एक वैश्विक स्टारडम जोड़ेगी। मीरा नायर की योजना फिल्म को भारत के साथ-साथ हंगरी और फ्रांस में भी बड़े स्तर पर प्रदर्शित करने की है, ऐसे में फिल्म से प्रियंका का जुड़ना उन्हें काफी मदद करेगा।

प्रियंका चोपड़ा कर चुकी हैं अपने हिस्से की शूटिंग

रिपोर्ट्स के मुताबिक ‘अमरी’ का एक हिस्सा ऐसा है जिसे मीरा नायर चाहती थीं कि प्रियंका चोपड़ा ही करें। इसी वजह से उन्होंने बीते साल देसी गर्ल से संपर्क किया था। प्रियंका कुछ दिनों पहले अमृतसर में अपने हिस्से की शूटिंग भी कर चुकी हैं। हैदराबाद में अपनी फिल्म ‘वाराणसी’ की शूटिंग से सीधा प्रियंका इसी काम के सिलसिले में अमृतसर गई थीं, जहां दो दिन उन्होंने फिल्म की शूटिंग की। इस फिल्म में अभिनेत्री तान्या मानिकतला मुख्य भूमिका में हैं। यह मीरा नायर और प्रियंका चोपड़ा का पहला कोलेबोरेशन है। जहां प्रियंका हॉलीवुड और बॉलीवुड दोनों में काम करती हैं, ठीक उसी तरह मीरा भी एक इंडियन-अमेरिकन फिल्ममेकर हैं। फिल्म की कहानी क्या होगी और प्रियंका उसमें किस तरह का किरदार निभाएंगी, इस पर मेकर्स ने अभी पूरी तरह से चुप्पी साधी हुई है।

हाई हील पहनकर ‘लाल परी’ बने अक्षय कुमार

अक्षय कुमार के होस्ट वाला गेम शो ‘व्हील ऑफ फॉर्च्यून’ अब खत्म हो चुका है। शो का फिनाले एपिसोड भी प्रसारित हो चुका है। फिनाले एपिसोड में फराह खान, भूमि पेडनेकर और जैकलीन फर्नांडीज गेस्ट के तौर पर शामिल हुए। इस दौरान गेम के साथ-साथ तीनों ने अक्षय के साथ मिलकर जमकर मस्ती भी की। इस एपिसोड का एक वीडियो अब सामने आया है, जिसमें अक्षय हील्स पहनकर ‘लाल परी’ गाने पर डांस करते नजर आ रहे हैं।

जैकलीन ने दी अक्षय को चुनौती, फिर एक्टर ने किया डांस

फिनाले एपिसोड के दौरान जैकलीन ने अक्षय द्वारा किए गए प्रैंक्स का बदला लेने के लिए एक चुनौती रखी। उन्होंने अक्षय को ऊंची एड़ी वाली हील्स पहनकर एक मिनट तक नाचने के लिए कहा। जैकलीन ने यह भी कहा कि अगर अक्षय बीच में ही रुक गए, तो उन्हें उनके खाते में 1 लाख रुपए जमा करने होंगे। पहले तो अक्षय हिचकिचाए और बोले, ह्यपागल है क्या मैं पहनूं? मोच वोच आ जाएगी। मैंने कभी ऐसा नहीं किया, मुझे बहुत डर लगता है। लेकिन फराह ने उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया और आखिरकार जैकलीन की मदद से उन्होंने हील्स पहन लीं। इसके बाद अक्षय ने ‘हाउसफुल 5’ के गाने 'लाल परी' पर लाल हील्स पहनकर डांस किया और उन्हें हील्स में घूमते हुए भी देखा गया। बाद में फराह और भूमि भी उनके साथ शामिल हो गईं।

फराह ने किया अक्षय को प्रणाम

इसके बाद फराह ने अक्षय कुमार से कुछ डांस स्टेप्स करने को कहा कि जिन्हें उन्होंने आसानी से कर दिखाया। एक मिनट का चैलेंज पूरा करने के बाद फराह उन्हें प्रणाम करती और ताली बजाती नजर आईं, जो साफ तौर पर उनकी तारीफों से भरी थीं। हील्स आखिरकार टूट गईं और अक्षय ने कहा कि सारी औरतों को सलाम है, कैसे पहनते हो आप लोग। अक्षय का ये वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल है।

बॉक्स ऑफिस पर बनी हुई है अक्षय की ‘भूत बंगला’

वर्कफ्रंट की बात करें अक्षय कुमार की हालिया रिलीज ‘भूत बंगला’ इन दिनों सिनेमाघरों में बनी हुई है। फिल्म 100 करोड़ रुपए का आंकड़ा भी घरेलू बॉक्स ऑफिस पर पार कर चुकी है। अक्षय की आगामी फिल्म ‘वेलकम टू द जंगल’ है। ये इस साल 26 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

सोनम की सादगी

पंजाबी सिनेमा की शान और नेशनल क्रश सोनम बाजवा एक बार फिर से सुर्खियों में हैं। 1 मई को सोनम बाजवा की फिल्म पिट सियापा सिनेमाघरों में दस्तक देगी। मूवी प्रमोशन के दौरान उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी कुछ फोटोज शेयर की हैं। जिसमें उन्होंने ब्लू कलर का अनारकली सूट पहना हैं, जिसमें वो बहुत ही सुन्दर लग रही हैं।

सादगी और भव्यता का मेल

सोनम बाजवा का ये लुक बहुत ही एलिगेंट और रॉयल है। रॉयल के साथ-साथ उनका यह अवतार गर्मियों के मौसम में फैशन करने वाले के लिए एक मिसाल है। सोनम बाजवा का यह सूट बिल्कुल एक राजकुमारी जैसा लुक दे रहा है। इसकी खासियत यह है कि इसका घेरा बहुत ही बड़ा है। प्लेन सिंपल अनारकली सूट के साथ सोनम के एक मैचिंग का दुप्पटा लिया हुआ है। दुपट्टे पर बारीक बूटी वर्क और किनारों पर चांदी की महीन गोटा-पट्टी का काम किया गया है, जो सादगी में चमक का तड़का लगा रहा है। कुर्ते के निचले हिस्से पर बना पैस्ले एम्ब्रॉयडरी डिजाइन पारंपरिक भारतीय कारीगरी का बेहतरीन नमूना पेश करता है।

सोनम की ज्वेलरी

अपने लुक को और भी बेहतरीन बनाने के लिए सोनम के लिए बड़े-बड़े इयररिंग्स पहने हैं और उनकी सुंदरता को और भी ज्यादा निखार रहे हैं। अपने लुक को सिंपल और सुन्दर बनाए रखने के लिए उन्होंने साथ में स्टेटमेंट रिंग पहनी हैं जो उनके हाथों को और भी ज्यादा सुंदर बना रही हैं। अक्सर देखा जाए तो सोनम हमेशा ही नो मेकअप लुक में रहती हैं। इन फोटोज में भी उन्होंने बहुत ही लाइट मेकअप किया हुआ है। लिपस्टिक की बात की जाए तो सोनम ने न्यूड या सटल ब्राउन शेड की लिपस्टिक का इस्तेमाल किया है। हल्का मस्कारा और सॉफ्ट आईशैडो उनके लुक को और भी ज्यादा क्लासी बना रहा है। सोशल मीडिया पर फैंस उनके इस लुक को एलिगेंट और ‘ब्यूटीफुल’ कहकर बुला रहे हैं।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक नरेश पी. बजाज द्वारा बैरक नंबर 887/27 सेक्शन 18, उल्हासनगर -421 003, जिला ठाणे से प्रकाशित व सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, आमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट, सोनवाला क्रॉस रोड -2, जवाहरनगर के पास, फाटक पुल, गोरेगांव, मुंबई -63, (महाराष्ट्र) से मुद्रित। दूरध्वनि: 0251- 3238100, कार्यकारी संपादक: पंजू बजाज (पी. आर. बी. एक्ट के तहत कंटेट चयन के लिए जिम्मेदार) न्याय क्षेत्र ठाणे जिला। hindmatamirror1@gmail.com RNI. NO. MAHHIN/2011/43060 स्थानीय संपादक: शिवप्रताप